प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान

भारतीय जनता पार्टी

प्रशिक्षण एक नए भारत के लिए

भारतीय जनता पार्टी

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
प्रशिक्षण महाभियान

भारतीय जनता पार्टी

6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली- 110002

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

ISBN 9789388310390

9789388310390

संस्करण: प्रथम

वर्ष: 2020

© भारतीय जनता पार्टी
सर्वाधिकार सुरक्षित

सम्पादक: डॉ. आर बालाशंकर, हेमंत गोस्वामी

प्रकाशक एवं मुद्रक:
भाजपा प्रशिक्षण विभाग
6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,
नई दिल्ली- 110002

डिजाईनर: अनूप कामथ

ईमेल: training@bjp.email
वेबसाइट: www.bjp.training

प्राक्कथन

यह पुस्तक एक झलकी है उन प्रयासों की जो आने वाले समय में हमारे देश की दिशा और दशा को परिभाषित करेगी और जो भविष्य के राजनीतिक कार्यकर्ताओं को एक निश्चित आकर और दिशा निर्देश प्रदान करने की एक रूपरेखा हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय का कहना था कि, ''भारतीय जनसंघ (अब भारतीय जनता पार्टी) आत्मा का साक्षात्कार करने वाले उन लोगों का आंदोलन है जो देश को निर्माण की नई राह पर तीव्र गति से ले जाना चाहते हैं।''

'आत्मा का साक्षात्कार' अपने ध्येय को पहचानता है। इसी पहचान का एक माध्यम है अभ्यास वर्गों एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशताब्दी पर पार्टी ने जो प्रशिक्षण महाभियान संचालित किया उसकी कतिपय झांकी इस सचित्र संवाद पुस्तिका में हैं।

''पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान'' का आरम्भ पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में किया गया था। यह सचित्र संवाद पुस्तिका उन अकथ प्रयासों एवं कदमों का एक प्रतिबिम्ब है जिन्हें एक ऐसे वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम, एक ऐसी सफलता और एक ऐसे आदर्श का निर्माण करने करने के लिए उठाया गया है, जिसका अनुगमन किया जा सके। इसमें कोई संदेह नहीं के यह पुस्तक अनगिनत कार्यकर्ता के प्रयासों को दर्शाने में समर्थ नहीं है और सबके प्रयासों को सम्मिलित करने में सक्षम नहीं हैं। देशभर के हजारों कार्यकर्ताओं ने विश्व के प्रथम इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है। इतने विराट प्रयासों को कागज पर उतारने की अपनी सीमायें हैं।

इस सचित्र संवाद पुस्तिका का सुझाव हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने जून 2018 में दिया था कि जो भी वृहद कार्य हुआ है, उसका संक्षिप्त प्रलेखन अनिवार्य है। चूंकि प्रत्येक और हर प्रशिक्षण की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम की मूल योजना में नहीं थी, इसलिए इस सचित्र संवाद पुस्तिका को संकलित करना भी एक बड़ी चुनौती थी। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और श्री अमित शाह की उत्प्रेरणा ने इस सचित्र संवाद पुस्तिका की संकल्पना को संभव बनाया। मैं इस सचित्र संवाद पुस्तिका के निर्माण में प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेशचंद्र शर्मा, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव श्री महेंद्र पांडे के कुशल नेतृत्व एवं डॉ. आर. बालाशंकर और श्री हेमंत गोस्वामी, प्रशिक्षण कार्यक्रम के सदस्य द्वारा किए गए कार्यों का आभार व्यक्त करता हूँ।

पी. मुरलीधर राव
राष्ट्रीय महासचिव और प्रभारी
पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान

विषय–सूची

पृष्ठ संख्या 7

आरम्भ

पृष्ठ संख्या 27

पार्टी और सरकार

पृष्ठ संख्या 51

राज्यों में प्रशिक्षण

पृष्ठ संख्या 149

मोर्चा, विभाग और प्रकल्प

पृष्ठ संख्या 187

सैद्धांतिक आधार

पृष्ठ संख्या 195

कार्यालय सहयोग संचालन

पृष्ठ संख्या 199

खबरों में प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ संख्या 207

भविष्य की राह

आरम्भ

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

गांधीनगर में संपन्न अक्टूबर 1985 की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस संकल्प को पारित किया गया कि भाजपा को एक कार्यकर्ता आधारित संगठन बनाया जाएगा। तभी से पार्टी अपने कार्यकर्ताओं का विस्तार कर रही है तथा उन्हें सक्षम बना रही है जो पूर्ण निष्ठा के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य में बिना थके कार्य कर सकें।

भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कोई नई बात नहीं है परन्तु हाल के वर्षों में जिस तरीके से देश भर में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का काम हुआ है, वह निस्संदेह एक नई और उल्लेखनीय बात है। भाजपा के पूर्व संगठन भारतीय जनसंघ की प्राथमिकताओं में भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन व प्रेरणाप्रद प्रशिक्षण सबसे महत्त्वपूर्ण हुआ करता था।

क्षमता निर्माण करना और अगले स्तर का नेतृत्व तैयार करना आज अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो चला है। पार्टी की विचारधारा समझने के लिए और इसके सिद्धांतों व नीतियों को आगे ले जाने के लिए यह बहुत आवश्यक है कि प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का निर्माण किया जाए। भाजपा, जिसका जन्म ही भारतीय जनसंघ की

वर्ष 2014 के आम चुनाव में ऐतिहासिक विजय के बाद जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी। साथ में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह।

चुनौतियों व संघर्षों से हुआ है उसका आरम्भ से ही यह विश्वास रहा है कि प्रशिक्षण हमेशा जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करता है तथा ऐसे प्रशिक्षित कार्यकर्ता होने चाहिए जो जनता की अपेक्षा की मात्र पूर्ति ही न करें अपितु उन पर शतप्रतिशत रूप से खरे उतरें।

वर्ष 2014 के आम चुनाव में असाधारण और अद्‌भुत सफलता के बाद पार्टी ने यह निर्णय लिया कि कार्यकर्ताओं के लिए गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार किया जाए और इनमें बड़ी संख्या में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। इसके पीछे लक्ष्य था राष्ट्र-निर्माण के सकारात्मक संदेश को प्रसारित करना और हिन्दुस्तान के ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास पहुँचना।

वर्ष 2015 में भाजपा जब भारतीय जनसंघ के निर्माण में अप्रतिम योगदान देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशती मना रही थी, तभी पार्टी संगठन के भीतर एक प्रतिबद्ध प्रकोष्ठ 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' के रूप में प्रशिक्षण कार्यक्रम को विस्तार देने की तरफ कदम बढ़ाया गया। इस प्रयास ने सफलता का एक नया प्रतिमान गढ़ा। दुनिया भर में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का यह सबसे बड़ा कार्यक्रम बन गया। राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिला व प्रखंड के स्तर पर हजारों प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

भाजपा एक कार्यकर्ता-आधारित और विचारधारा-प्रेरित राजनीतिक संगठन है। ऐसे में, पार्टी के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि समय-समय पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण मिलता रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2015 का लक्ष्य सभी स्तरों पर पार्टी सदस्यों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

(दाएँ)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. महेश चंद्र शर्मा 2015 में नई दिल्ली में महाभियान कार्यक्रम के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

(दाएँ)

वर्ष 2015 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के उद्‌घाटन सत्र के दौरान महाभियान के राष्ट्रीय समन्वयक और सह-संयोजक डॉ. आर. बालाशंकर भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (संगठन) श्री वी. सतीश का स्वागत करते हुए।

(सामने)
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह वर्ष 2015 में दीप प्रज्ज्वलित कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शुभारंभ करते हुए। उनके साथ हैं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी श्री पी. मुरलीधर राव।

दयाल उपाध्याय
महाभियान
ता पार्टी
12
BHARAT MATA
पं० दीन दयाल उपा

यह पूरे देश में नियमित रूप से चलने वाला विषय-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। मंडल, जिला, प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित दो-तीन दिनों के प्रशिक्षण सत्रों में लगभग 20 विषयों को सम्मिलित किया जाता है। सभी स्तर के प्रशिक्षुओं को भाजपा की विचारधारा समझाई जाती है और वरिष्ठ प्रशिक्षकों व प्रशिक्षुओं के बीच संवाद-सत्र का आयोजन किया जाता है, ताकि सबको इससे जोड़ा जा सके। संवाद सत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

ये प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं आयोजित किए जाते, मगर जब भी कोई विधानसभा या स्थानीय निकाय का चुनाव नजदीक होता है तो इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की गंभीरता भिन्न हो सकती है। प्रशिक्षण के प्रारूप सभी हितधारकों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं तथा इस प्रकार इसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को फलने-फूलने का पूरा अवसर मिलता है।

कोई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, मूल्य आधारित राजनीति, हमारी विरासत, पंचनिष्ठा (राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकीकरण, लोकतंत्र, शोषण से मुक्त एक समरस समाज के स्थापना) और सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता (सर्व धर्म समभाव) तथा मूल्य आधारित राजनीति के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव में पूर्ण नहीं होता। पार्टी के सैद्धांतिक दर्शन 'एकात्म मानववाद' पर जोर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा है। प्रशिक्षण में सम्मिलित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे सवाल पूछें और उनका उत्तर हासिल करें। सत्र का लक्ष्य राजनीतिक संवाद और विमर्श में योगदान करना होता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण में विभिन्न मोर्चों, विभागों और मंडलों के पार्टी पदाधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इस विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस बात का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है कि मीडिया के साथ किस प्रकार बात करनी है और किस प्रकार विविध मीडिया मंचों के साथ अपनी बात का प्रबंधन करना है, जिनमें सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया भी सम्मिलित है'।

(दाएँ, ऊपर)
भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, 17वीं लोकसभा में निर्वाचित सांसदों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान निर्वाचित सांसदों को संबोधित करते हुए

(दाएं)
श्री बी एल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) एक सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

(सामने वाला पृष्ठ)
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सहस्रबुद्धे, महासचिव (संगठन) श्री राम लाल और पार्टी के महासचिव व प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी श्री पी. मुरलीधर राव अन्य नेताओं के साथ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान नई दिल्ली 2015 में।

निर्वाचित भाजपा प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण उन्हें जनता की बेहतर सेवा करने में मदद पहुँचाता है। हाल के वर्षों में भाजपा को जो अभूतपूर्व चुनावी सफलता प्राप्त हुई है, उसका श्रेय बड़े पैमाने पर हुए जमीनी काम, रणनीति और प्रशिक्षण को जाता है, जो पार्टी अपने लाखों कार्यकर्ताओं को प्रदान करती है। वर्ष 2014 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में राजग सरकार के गठन के बाद प्रत्येक कार्यकर्ता का उत्तरदायित्व बढ़ गया है।

पार्टी ने 12 लाख कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे इसने 2018 की शुरुआत में ही प्राप्त कर लिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के अनथक प्रयासों के कारण पार्टी ने एक नया इतिहास रचा है और इसने एक मजबूत एवं समृद्ध भारत की नींव रखी है।

भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को ऐसे भारत का निर्माण करने के लिए उचित प्रशिक्षण प्रदान करती है जो सदियों पुराने अपने सांस्कृतिक मूल्यों से कोई समझौता किए बगैर अपनी सर्वश्रेष्ठता स्थापित करने में सक्षम हो। कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण उन्हें अपने संस्कारों को उचित परिप्रेक्ष्य में धारण करने में मदद करता है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य है उनके भीतर भाईचारे को प्रोत्साहित करना, उनमें टीम-भावना पैदा करना और परस्पर सहयोग से कार्य करने की प्रेरणा देना, ताकि एक सशक्त और सक्षम भारत के निर्माण का पार्टी का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

एक प्रशिक्षित भाजपा कार्यकर्ता से यह अपेक्षा की जाती है कि उसमें ज्ञान हासिल करने की जिज्ञासा तो हो ही साथ ही उसमें सभी के प्रति सहिष्णुता का भाव हो एवं उसमें सामूहिकता के साथ-साथ सक्रिय रहने की भावना भी हो। प्रत्येक कार्यकर्ता को कोई न कोई काम सौंपा जाता है और उसे इस तरह से तैयार किया जाता है कि जो भी भूमिका दी जाए, उसे वह सहर्ष स्वीकार करे। कार्यकताओं को इस तरह तैयार किया जाता है कि वे व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के निर्वाह के साथ-साथ टीम में भी काम कर सकें और उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे नेतृत्व करें, साथ ही किसी के नेतृत्व के भीतर काम करने को तत्पर रहें।

एक मजबूत और सामर्थ्यवान राष्ट्र के निर्माण के लक्ष्य के साथ-साथ भाजपा अपने प्रतिबद्ध पार्टी कार्यकर्ताओं का दायरा बढ़ाने और उन्हें अधिक सशक्त बनाने को लेकर कृत-संकल्पित है, ताकि राष्ट्र-निर्माण का काम वे पूरी दृढ़ता के साथ कर सकें, चाहे उनके समक्ष कैसी भी चुनौती क्यों न खड़ी हो!

(दाएँ, ऊपर)

श्री रामलाल, तत्कालीन राष्ट्रीय महासचिव संगठन तथा वर्तमान अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख (रा.स्व.सं.), नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में

(दाएँ)

केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर अन्य नेताओं के साथ।

(सामने वाला पृष्ठ)

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी श्री पी. मुरलीधर राव प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए।

EXIT

(दाएँ, ऊपर)
राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेते कार्यकर्ता।

(बाएँ)
श्री राम माधव राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में स्वागत

EXIT

(दाएँ, ऊपर)
राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला से पूर्व गटशः बैठक में भाग लेते कार्यकर्ता।

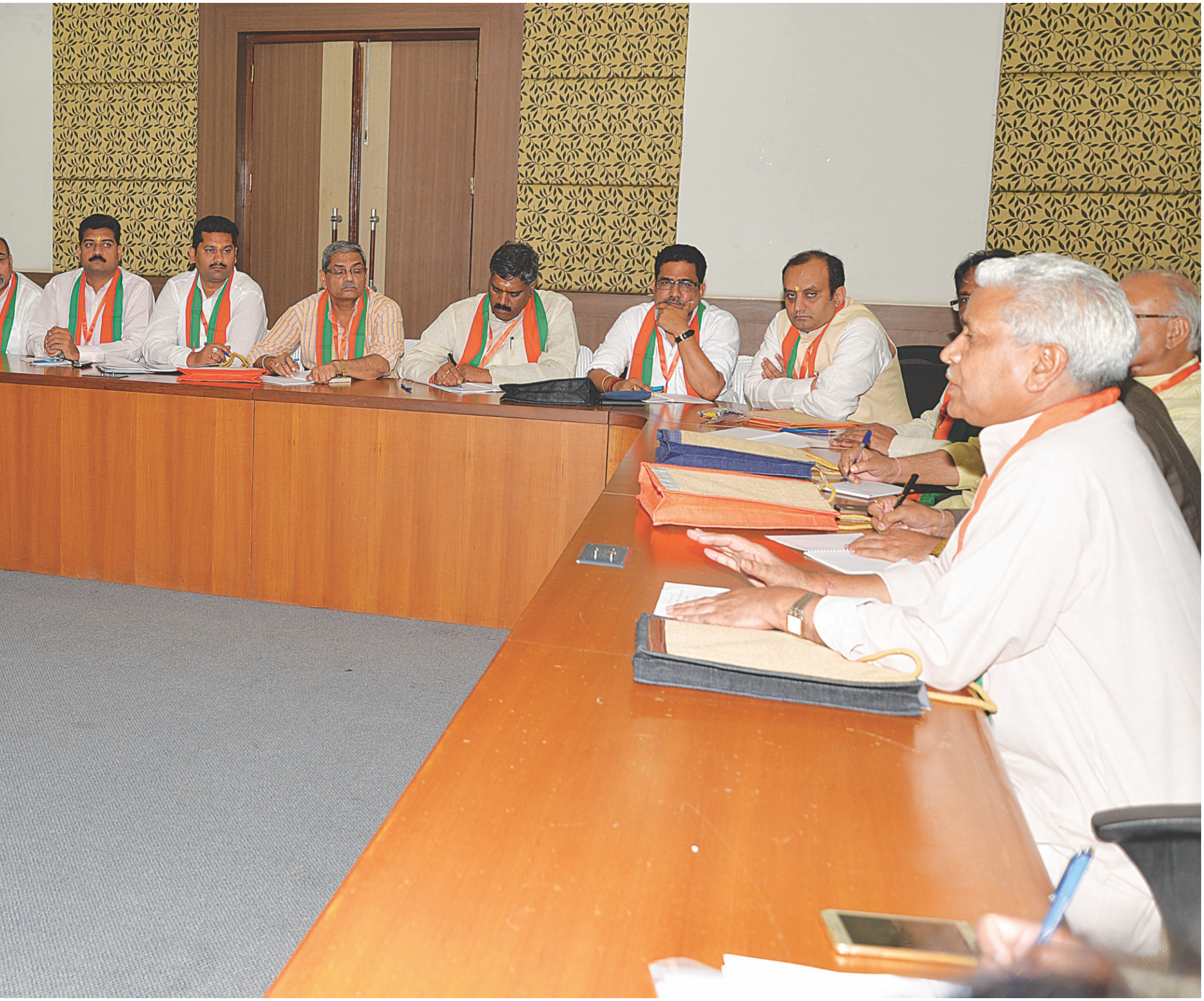

EXIT

(ऊपर)
प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ध्यान से बातें सुनते कार्यकर्ता।

(बाएँ)
वर्ष 2015 में नई दिल्ली के प्रशिक्षण अभियान में भाग लेते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, प्रतिभागियों के साथ।

(दाएँ)
विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित महिला मोर्चा प्रतिनिधियों के साथ।

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

12 मई, 2015 को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक विशद अभिन्यास तय की गई थी। पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम दिल्ली में ही आयोजित हुआ, जिसमें प्रत्येक राज्य से आए आधा-आधा दर्जन कार्यकर्ताओं ने तीन दिनों के भीतर 11 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया। ये सत्र थे- पार्टी का इतिहास, दर्शन और विचारधारा, सरकार की उपलब्धियाँ, एकात्म मानव दर्शन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, कार्य के प्रति सांगठनिक नजरिया, देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियाँ, राज्य स्तर पर प्रशिक्षण, प्रशिक्षण वर्ग प्रणाली और प्रशिक्षण संचालन।

तीन दिवसीय राज्य-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिन विषयों को समेटा गया, उनमें पार्टी का इतिहास और विकास (जनसंघ से भाजपा), सैद्धांतिक स्थापना, सरकार की उपलब्धियाँ, वित्तीय प्रबंधन, कार्य पद्धति और संगठन संरचना, कार्यकर्ता, एकात्म मानव दर्शन, सहयोग आंदोलन, सामाजिक सौहार्द, विदेश नीति, सुशासन, पार्टी और सरकार में समन्वय और सरकार के आगे चुनौतियाँ जैसे विषय सम्मिलित थे।

तीन दिनों के जिला-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पार्टी के इतिहास और विकास (जनसंघ से भाजपा) के अलावा सैद्धांतिक स्थापना, सरकार की उपलब्धियों, पार्टी की कार्य पद्धति और इसकी संगठन संरचना, कार्यकर्ता, एकात्म मानव दर्शन, कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व के विकास, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया, राज्य से संबंधित दो मुद्दों और राष्ट्र के आगे खड़ी चुनौतियों को सम्मिलित किया गया।

मंडल-स्तर पर जिन विषयों पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया, उनमें भाजपा का इतिहास और विकास, सैद्धांतिक स्थापना, सरकार की उपलब्धियाँ और स्थानीय मुद्दे सम्मिलित रहे।

वर्ष 2018 में अनेक विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन हुआ, जिनमें विभिन्न मोर्चों, जैसे किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, स्थानीय और ग्रामीण निकाय मोर्चा, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति मोर्चा के प्रतिनिधियों को मीडिया प्रशिक्षण दिया गया। ये बैठकें प्रशिक्षण सत्र में न केवल नई चीजें सीखने के नए अवसर प्रदान करती हैं अपितु अपने-अपने क्षेत्र के अनुभवों को साझा करने के मौके भी देती हैं।

(दाएँ ऊपर)
राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री एल. गणेशन

(दाएँ)
भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे नई दिल्ली में प्रशिक्षण महाभियान के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए।

(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महत्त्वपूर्ण बिन्दु लिखते प्रतिनिधि।

नई दिल्ली में 2015 में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के समापन पर राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े प्रतिनिधि।

EXIT

वर्ष 2014 की अभूतपूर्व चुनावी सफलता के उपरान्त आत्मसंतुष्ट होने की बजाय पार्टी अपनी कार्ययोजना में नई जान फूंकने में लगातार जुटी रही है। पार्टी अध्यक्ष श्री अमित शाह देश भर के लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के ऊर्जा भरते रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के साथ-साथ प्रोत्साहित भी करते रहे हैं। वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणाम हों या 2019 का लोकसभा चुनाव हो, या फिर देश में कहीं पर भी चुनावों के नतीजे हो, वह एक मजबूत व गतिशील नेतृत्व और जमीनी स्तर पर प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम की गवाही देते हैं। ●

(ऊपर और दाएँ)
2015 में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान कार्यक्रम में दोपहर के भोजनावकाश के दौरान प्रतिनिधि।

पार्टी और सरकार

वर्ष 1980 में जनता पार्टी से अलग होने के बाद अपने गठन के समय से अब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने काफी उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अपनी विशिष्ट विचारधारा, कार्यकर्ता-आधारित सांगठनिक ढांचे और राजनीतिक सामंजस्य की ताकत के परिणामस्वरूप यह निरंतर प्रगति करती गई।

भाजपा के इतिहास में 1980 का वर्ष 1977 की तरह ही एक अहम मोड़ साबित हुआ। तब से अब तक पार्टी ने चुनावी राजनीति में सफलताएँ भी देखीं और विफलताएँ भी। इसने कई मील के पत्थर स्थापित किए और न केवल अपनी अखिल भारतीय उपस्थिति बनाई, बल्कि यह अकेली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और अपने बल पर एक लोकप्रिय सरकार का गठन किया। आज, भाजपा ने अपने सांगठनिक और राजनीतिक प्रभाव को देश के कोने-कोने में स्थापित कर दिया है। लगभग देश का 60 प्रतिशत हिस्सा इसके शासन तले है। वहीं केंद्र में इसकी एक बेहद मजबूत सरकार है, जिसका नेतृत्व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।

भाजपा के विकास और इसकी सफलता का राज हैं- नेता, कार्यकर्ता और विचार परिवार। पूर्व में वाजपेयी-आडवाणी और वर्तमान में मोदी-शाह की जोड़ी ने पार्टी को सबल नेतृत्व प्रदान किया है। इसी तरह, जमीनी स्तर पर सुप्रशिक्षित और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता पार्टी की शक्ति हैं। भाजपा की ताकत इसके विचार परिवार तथा सहयोगी दल (राजग) भी रहे हैं, जिनमें से कई तो हर परिस्थिति में शुरुआत से साथ रहे हैं।

CRISIS CONTROL
VIP MEDICAL
CCTV
DELHI POLICE
FOOD AREA
EXIT
PRESIDENT LOUNGE
SPG
TOILETS

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

एक समय था जब भाजपा के साथ अस्पृश्य सा व्यवहार किया जाता था तथा इसे बाहरी माना जाता था परंतु आज यह भारत के राजनीतिक जीवन के हर पहलू पर वर्चस्व स्थापित किए हुए है। यह उन स्वीकृत लक्ष्यों को प्राप्त करने के निकट है जो महान मार्गदर्शक नेता जैसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, महात्मा गाँधी तथा अन्य सर्वमान्य नेता प्राप्त करना चाहते थे और वह लक्ष्य था एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति का निर्माण करना जिसकी जड़ें स्वतंत्र भारत में ही हों तथा एक ऐसी स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना जो भारतीय मूल्यों तथा परंपरा पर आधारित हो।

पिछले करीब पाँच वर्षों में भाजपा ने केंद्र और राज्य स्तर पर जबर्दस्त राजनीतिक शक्ति हासिल की है। वर्तमान में पार्टी देश के कई राज्यों में शासन कर रही है। अपने कार्यकर्ताओं और नेता की बदौलत इसने 2014 और 2019 के आम चुनाव में शानदार सफलता हासिल की तथा कई बड़े राज्य जैसे छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश तथा चंडीगढ़, अंडमान एंड निकोबार द्वीप समूह, दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव जैसे केंद्र शासित क्षेत्रों में भारी वोट प्राप्त किए। भाजपा को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, बिहार, कर्नाटक, पंजाब आदि में प्रभावशाली जीत मिली। भाजपा ने पूरे भारत में अपने वोटों का हिस्सा बढ़ाया है तथा अपनी उपस्थिति को कई बड़े राज्यों जैसे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल आदि में दर्ज कराया। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी भाजपा के उम्मीदवार बड़ी संख्या में निर्वाचित हुए।

(दाएँ ऊपर)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह भाजपा संस्थापकों डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और श्री दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

(दाएँ)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 3 अगस्त 2019 को 17वीं लोकसभा के नव निर्वाचित सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनुभव साझा करते हुए

(समाने वाला पृष्ठ)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एक सार्वजनिक बैठक में उपस्थित जनों का अभिवादन करते हुए।

वर्ष 2019 के आम चुनावों में भी भाजपा और वृहद जनादेश के साथ 303 लोकसभा सीटों के साथ जीत कर आई, राजग के साथी सदस्यों के साथ इसका आंकड़ा 353 सीटों का रहा।

मोदी-शाह टीमवर्क

9 जुलाई, 2014 को भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने नए पार्टी अध्यक्ष के तौर पर श्री अमित शाह के नाम की घोषणा की थी। उनके नेतृत्व में पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व कामयाबी हासिल की थी। शाह के पास अद्‌भुत संगठन क्षमता है और वह चुनाव अभियानों की रणनीति बनाने तथा उसके प्रबंधन के विशेषज्ञ हैं।

श्री अमित शाह ने पार्टी के सांगठनिक ढांचे में अनेक बड़ी व अनूठी परंपराएँ शुरू कीं। वह अपने चुनाव प्रबंधन कौशल और गहरी चुनावी रणनीतियों के लिए जाने जाते हैं। उनकी पहल और कोशिशों ने वर्ष 2014 के बाद पार्टी को हर जगह फायदा पहुँचाया है।

जब से श्री अमित शाह ने भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभाला है, उन्होंने पार्टी में कई सुधार लागू किए हैं। उनका पहला कदम था सदस्यता महा अभियान (राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान), जिसने मात्र चार महीने के भीतर भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बना दिया। वर्ष 2013 में जहाँ पार्टी के 2.47 करोड़ सदस्य थे, वहीं इस अभियान के बाद भाजपा के सदस्यों की संख्या 12 करोड़ हो गई। पार्टी सदस्य बनने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उन्होंने डिजिटल प्रक्रिया की शुरुआत कराई, जिसमें लोगों को एक टोल-फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल के जरिये सदस्यता लेने की सुविधा दी गई।

उनका दूसरा महत्त्वपूर्ण कदम महासंपर्क अभियान के जरिये पार्टी सदस्यों के संस्थापन से प्रेरित था (राष्ट्रव्यापी वृहद संपर्क कार्यक्रम)। इस अभियान में एक-एक सदस्य से संपर्क करके उनका सत्यापन किया गया और फिर औपचारिक रूप से उन सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। पार्टी अध्यक्ष श्री अमित शाह ने इस अभियान की शुरुआत 1 मई,

(दाएँ ऊपर)
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर श्री अमित शाह को बधाई देते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा श्री राजनाथ सिंह

(दाएँ)
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्री लालकृष्ण अडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी तथा श्री अमित शाह 25 सितंबर, 2014 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए।

(सामने वाला पृष्ठ)
मई, 2015 को महा सम्पर्क अभियान की एक बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह

महासम्पर्क
अभियान
2015
भारतीय जनता पार्टी
महासम्पर्क
अभियान
2015

2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में की थी। कार्यकर्ता नए सदस्यों से मिलने उनके दरवाजे तक गए और उन्हें पार्टी के इतिहास, विकास और साथ ही सरकार के बारे में जानकारियाँ दीं।

तीसरा सबसे बड़ा कदम था, मंडल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के 12 लाख कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की शुरुआत। यह प्रशिक्षण विचारधारा, नीति, आचरण और अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पार्टी द्वारा स्वीकृत रणनीतियों के बारे में था। इस कार्यक्रम द्वारा समाज के सभी वर्गों से संपर्क साधा गया। इसका प्रारूप व इसकी कार्य-प्रणाली को केंद्रीय रूप से डिजाइन किया गया था और इसे अचूक तरीके से अंजाम दिया गया।

चौथी अनोखी पहल जिला स्तर के पार्टी कार्यालय परिसरों को भी हाई-टेक, आधुनिक प्रौद्योगिकी, संदर्भ-लाइब्रेरी, उचित कनेक्टिविटी और ठहरने की सुविधा आदि से सुसज्जित करने की है। चूंकि अमित शाह कांग्रेस मुक्त भारत के विचार को साकार करने की दिशा में प्रयासरत हैं, वह यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनकी पार्टी देश में भारत की सांस्कृतिक भावना को पुनर्जीवित करते हुए सर्वश्रेष्ठ राजनीतिक संस्था के रूप में उभरे।

(ऊपर)
6, ए दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली के नवनिर्मित भाजपा मुख्यालय में संचालित हो रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम।

(सामने वाला पृष्ठ, दाएँ, ऊपर)
नई दिल्ली के नवनिर्मित भाजपा मुख्यालय में एक अच्छी पुस्तकालय सुविधा भी शामिल की गई है। इस मुख्यालय के सक्षम ई-पुस्तकालय का भी लाभ उठाया जा सकता है।

(एकदम दाएँ)
प्रशिक्षण महाभियान की टीम देश भर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मदद उपलब्ध कराती है -एक झलक।

पार्टी ने जो कुछ अद्‌भुत कदम उठाए हैं, उनमें से एक कदम है चुनाव के दिन जमीनी स्तर पर आखिरी व्यक्ति तक पहुँचना। पन्ना प्रमुखों (मतदाता सूची के एक पन्ने का इंचार्ज, जिसमें अमूमन 60 वोटरों के नाम होते हैं) को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे चुनाव के दौरान अपने-अपने पन्ने में सम्मिलित प्रत्येक मतदाता से मिलें और यह सुनिश्चित करें कि वे सभी वोटर वोट डालने के लिए मतदान केंद्र तक पहुँचें। पन्ना प्रमुखों और आम मतदाताओं के बीच का यह परस्पर संबंध देश में लोकतंत्र की जड़ों के गहरे होने का मार्ग प्रशस्त करता है।

उन प्रदेशों पर खास ध्यान दिया गया, जहाँ भाजपा एक सशक्त ताकत बनने के लिए संघर्ष कर रही है। जैसे आंध्र प्रदेश, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्य।

भारतीय जनता पार्टी भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है, जिसके सदस्यों की संख्या दुनिया भर में सबसे अधिक है। पार्टी मई 2014 से केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और देश के कई राज्यों में सरकार का संचालन कर रही है।

मई 2019 में 17वीं लोकसभा के हुए आम चुनावों में भाजपा सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ लौटी, इसका प्रतिशत बढ़ा और इसे अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त हुआ। भाजपा ने स्वयं 303 सीटें तथा पूरे राजग ने 353 सीटें जीतीं।

पिछले तीन दशकों में पहली बार पार्टी ने न मात्र देश के राजनीतिक क्षितिज के केंद्रीय स्थान को हासिल किया, बल्कि पूरे देश में इसने अपने सांगठनिक और राजनीतिक आधार को भी विस्तार दिया है। स्पष्ट है कि लोगों का विश्वास जितना बड़ा होगा, पार्टी और उसके प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी भी उतनी ही विशाल होगी।

(दाएँ ऊपर)
भाजपा के राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग के सदस्य श्री हेमंत गोस्वामी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने बुकलेट का लोकार्पण किया।
(दाएँ)
भाजपा मुख्यालय में प्रशिक्षण मार्गदर्शक पुस्तिका के लोकार्पण कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी।
(सामने वाला पृष्ठ)
भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) श्री वी. सतीश, पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. महेश चंद्र शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव, प्रशिक्षण विभाग के सह-संयोजक श्री सुनील पांडे और प्रशिक्षण महाभियान के राष्ट्रीय समन्वयक तथा सह संयोजक डॉ. आर. बालाशंकर, प्रशिक्षण प्रारूप पुस्तिकाओं का लोकार्पण करते हुए।

माननीय श्री अमित शाह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा द्वारा
दिनांक:-13 जून 2018
स्थान:- भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय,
6 A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली
किसान मोर्चा

(ऊपर)
पार्टी के पदाधिकारी, भाजपा के मुख्यालय में प्रशिक्षण पुस्तिका के लोकार्पण पर

(दाएँ)
राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पुस्तिका के लोकार्पण समारोह के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए

(सामने)
भाजपा के विभिन्न मोर्चों तथा प्रकल्पों के विभिन्न खण्डों के प्रशिक्षण प्रारूप के मुखपृष्ठ

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

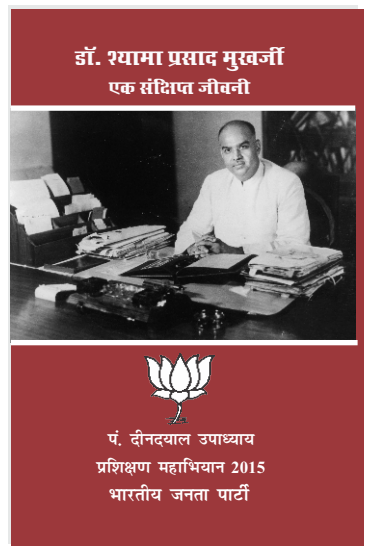

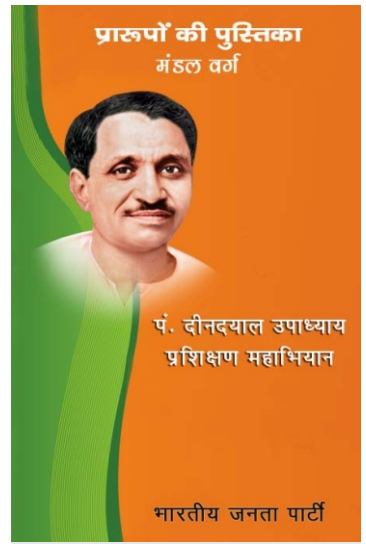

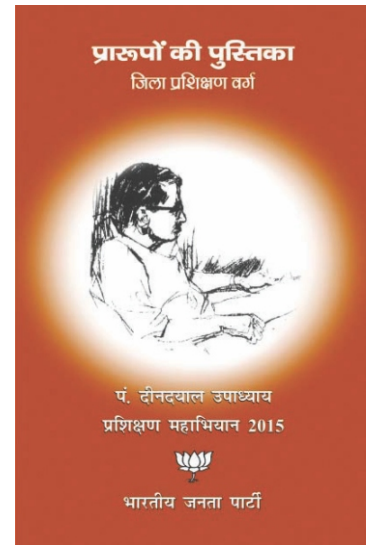

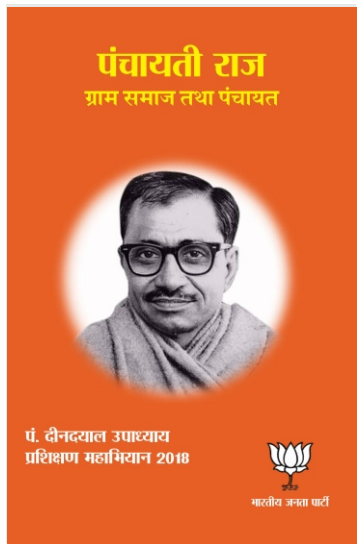

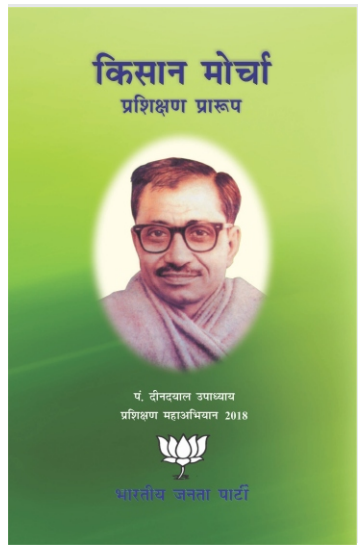

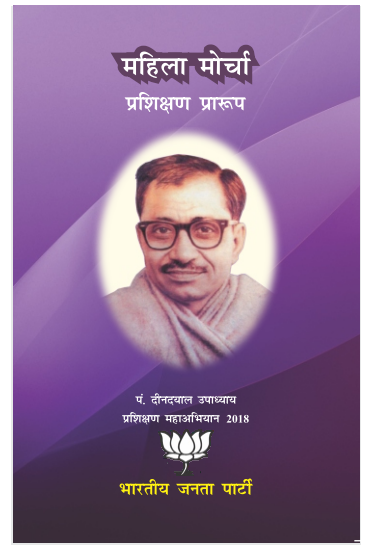

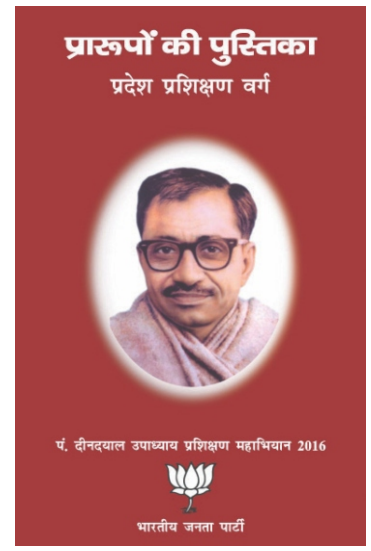

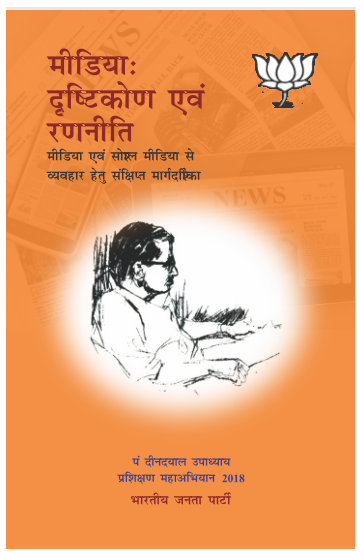

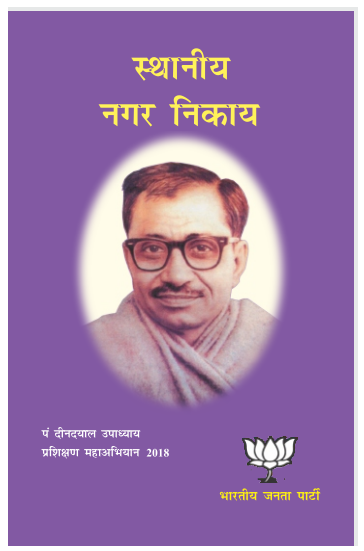

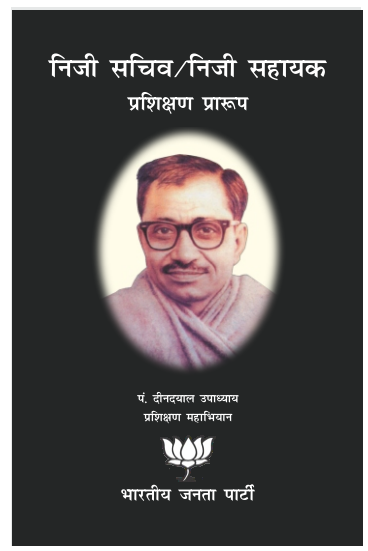

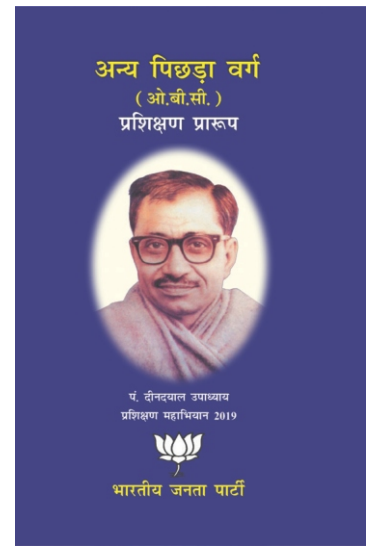

चुनावी सफलता का सफर

21 अक्टूबर, 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई थी और देश के पहले आम चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी को बिल्कुल भी वद्र नहीं मिल पाया। आयताकार केसरिया झंडे पर अंकित एक दीपक इसका चुनाव-चिह्न था। पहले आम चुनाव में जनसंघ को 3.6 प्रतिशत मत मिले और इसके तीन सांसद लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए, जिनमें डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मिलित थे। भारतीय जनसंघ ने नेशनल डेमाक्रेटिक फ्रंट बनाने के लिए साथी दलों से हाथ मिलाया और डॉ. मुखर्जी लोकसभा में विपक्ष के पहले अनौपचारिक नेता बने।

29 से 31 दिसंबर, 1952 को कानपुर में संपन्न भारतीय जनसंघ के प्रथम सम्मेलन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्टी के पहले महासचिव चुने गए और पार्टी ने अपना पहला वैचारिक प्रस्ताव पारित किया था- 'भौगोलिक-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अभिव्यक्त करता 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण।''

वर्ष 1957 के आम चुनाव में जनसंघ को चार सीटों पर जीत मिली और उसके वोटों का प्रतिशत लगभग दोगुना 5.93 प्रतिशत हो गया। वर्ष 1962 के लोकसभा चुनाव में जनसंघ के 14 सांसद चुने गए और उसका वोट प्रतिशत बढ़कर 6.44 हो गया। वर्ष 1967 के चौथे आम चुनाव में पार्टी के 35 सांसद चुनकर आए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद जनसंघ लोकसभा में दूसरा सबसे बड़ा दल बना। मार्च, 1967 में बिहार में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार गठित हुई और जनसंघ उस गठबंधन सरकार में साझीदार बना जिसका नाम था संयुक्त विधायक दल। उसके बाद पार्टी पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी गठबंधन सरकारों (संयुक्त विधायक दल) में सम्मिलित हुई।

अपने गठन के बाद पहली बार वर्ष 1971 के आम चुनाव में जनसंघ की सीटों में गिरावट हुई। उस चुनाव में इसके सदस्यों की संख्या लोकसभा में 35 से 21 हो गई। 25 जून, 1975 की आधी रात को देश में आपातकाल की घोषणा हुई, जिसके अंतर्गत नागरिकों की स्वतंत्रता पर कई तरह के प्रतिबन्ध लगा दिए गए। राजनीतिक पार्टियों और राष्ट्रीय

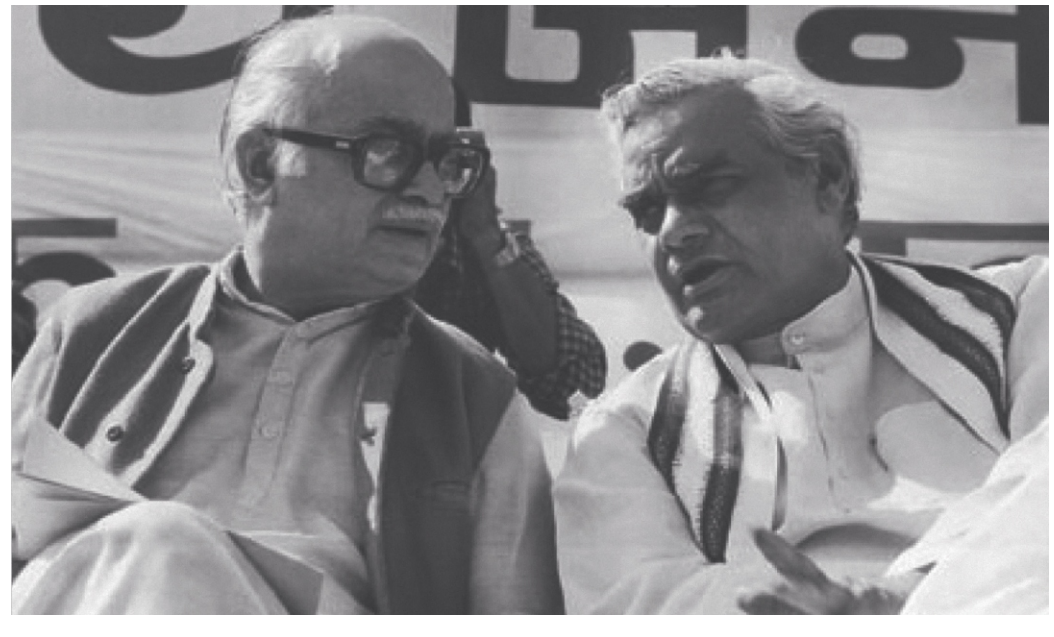

(दाएँ ऊपर)
विवेकानंद रॉक मेमोरियल के संस्थापक श्री एकनाथ राणाडे, भारतीय जनसंघ के महासचिव पंडित दीनदयाल उपाध्याय, साप्ताहिक ऑर्गेनाइजर के संपादक श्री के.आर. मल्कानी और जनसंघ नेता अटल बिहारी वाजपेयी की एक दुर्लभ तस्वीर।

(दाएँ)
भाजपा के दिग्गज नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी और श्री अटल बिहारी वाजपेयी।

(ऊपर)
श्री भाई महावीर, श्री परमेश्वरन्, श्री भैरों सिंह शेखावत, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री जगन्नाथराव जोशी, श्रीमती विजया राजे सिंधिया, श्री बच्छराज व्यास, श्री अटल बिहारी वाजपेयी वर्ष १९७३-७४ के दौरान राष्ट्रीय सम्मलेन में पहली पंक्ति में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम्' गाते हुए।

(ऊपर)
अक्टूबर 1999 में शपथ ग्रहण समारोह के बाद राष्ट्रपति के.आर. नारायणन, उप-राष्ट्रपति कृष्णकांत, प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी और मानव संसाधन विकास मंत्री मुरली मनोहर जोशी मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों के साथ।

रामजन्म भूमि आन्दोलन की विराट जनसभा में श्री अटल बिहारी वाजपेयी

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के हजारों नेता निर्मम मीसा (मेंटेनेन्स ऑफ इंटरनल सिक्युरिटी ऐक्ट) के प्रावधानों के अंतर्गत जेलों में डाल दिए गए थे या फिर उन्हें भूमिगत होने को विवश होना पड़ा। आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। जनसंघ कार्यकर्ताओं और आरएसएस स्वयंसेवकों के नेतृत्व में देश भर में भूमिगत आंदोलनों ने जोर पकड़ा।

बाबू जयप्रकाश नारायण ने श्री नानाजी देशमुख को लोक संघर्ष समिति के उत्तरदायित्व सौंप दिए। पूरे देश में वृहद स्तर पर आन्दोलन हुए और कई लोगों को कारागार में बंद किया गया। जनसंघ के कार्यकर्ता तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक इस आन्दोलन में सबसे आगे थे। उसके उपरान्त वर्ष 1977 में आम चुनाव हुए. यह भारत में एक मौन क्रान्ति थी। 23 मार्च 1977 में हुए चुनावों ने आपातकाल का अंत किया। जनसंघ का विलय जनता पार्टी के साथ हुआ। जनसंघ के तीन नेता सरकार में सम्मिलित हुए।

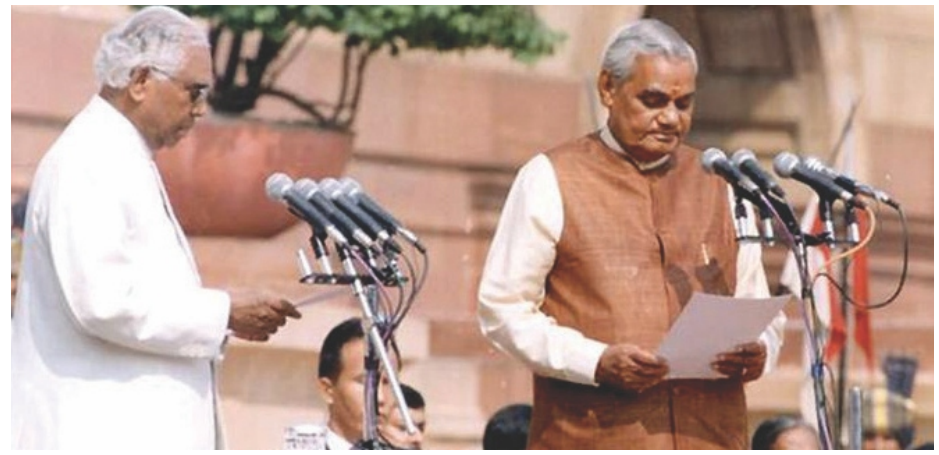

(ऊपर)

साल 2000 में झिंझोली के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री सिकंदर बख्त व अन्य नेता।

(सामने वाला पृष्ठ)

वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वेद प्रकाश गोयल, श्री सत्य पाल जैन, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री अटल बिहारी वाजपेयी और अन्य नेता साल 2000 में झिंझोली के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

जनसंघ के नेताओं के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण जनसंघ ने जनता पार्टी को छोड़ दिया तथा 6 अप्रैल 1980 को पंचनिष्ठा (पाँच प्रतिबद्धताएँ) के आधार पर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया।

वर्ष 1984 में अपने गठन के उपरान्त हुए प्रथम आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को केवल दो सीटों पर विजय मिली। 1989 के चुनाव में भाजपा ने 86 सीटें जीतीं और लालकृष्ण आडवाणी पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। 1991 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सरकार बनाने का जनादेश मिला, लेकिन भाजपा का आंकड़ा भी 86 से बढ़कर 119 हो गया।

वर्ष 1996, 1998 और 1999 में हुए तीन लोकसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी पहले 13 दिनों के लिए, फिर 13 महीनों के लिए और फिर साढ़े चार वर्षों के लिए प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने मई 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में जो सरकार बनाई थी, वह एक साल के भीतर गिर गई, लेकिन 1999 के आम चुनाव में भाजपा को फिर से जनादेश मिला और क्षेत्रीय दलों के सहयोग से वह सत्ता में आई। वाजपेयी नवंबर 2004 में लोकसभा चुनाव तक प्रधानमंत्री रहे। वह आम चुनाव तय समय से छह महीने पहले ही हुआ था। राजग यानी राजग सत्ता से बाहर हो गया और कांग्रेस सत्ता में आई। लेकिन अगले 10 वर्षों तक भाजपा ने सक्रिय और सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाई।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अभूतपूर्व विजय हासिल करते हुए भाजपा के नेतृत्व में राजग ने 336 सीटें जीतीं, जिनमें से भाजपा ने अकेले 282 सीटें हासिल की थीं। राजग पहला ऐसा गठबंधन बना, जिसे इतनी ज्यादा सीटें मिलीं और स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला ऐसा अवसर था जब पहली बार किसी गैर-कांग्रेसी पार्टी को अपने बूते पर बहुमत मिला था।

भाजपा ने उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत में जबर्दस्त जीत हासिल की और सबका सफाया कर दिया। पार्टी ने उन प्रांतों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें वह पारंपरिक रूप से कमजोर थी। उत्तर प्रदेश से लोकसभा की 80 सीटें हैं, राजग ने इनमें से 73 सीटें जीतीं। 26 मई 2014 को श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण के साथ केंद्र में सरकार बनाई।

(दाएँ)
26 मई, 2014 को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में श्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाते राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी।

26 मई, 2014 को राष्ट्रपति भवन के खुले प्रांगण में नरेंद्र मोदी ने भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और उम्मीद व भरोसे के एक नए युग का आरंभ हुआ। मोदी के सक्षम नेतृत्व में देश विकासोन्मुख नीतियों और कार्यक्रमों, नई कार्य-संस्कृति और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की तरफ बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी निर्धनता उन्मूलन दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहे हैं, वह युवाओं को नए नए अभियानों के माध्यम से प्रेरित कर रहे हैं, जिससे वह न केवल नौकरी का सृजन कर रहे हैं अपितु उद्यमिता को भी बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी विदेश नीति को नई दिशा दी है और यह सुनिश्चित किया है कि भारत की उपस्थिति और शक्ति को पूरे विश्व में महसूस किया जाए तथा साथ ही भारत की आतंरिक सुरक्षा किसी भी प्रकार से बाधित न हो। पिछले पाँच वर्षों में सभी बाहरी चुनौतियों को कड़े कदमों और दमनात्मक बल के साथ नष्ट किया है।

अपने विदेश दौरों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की एक नई छवि पेश की और पूरी दुनिया का ध्यान भारत की तरफ खींचने में भी वह जबर्दस्त रूप से सफल हुए हैं। 12 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को तीन महीने के भीतर ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे स्वीकार कर लिया। यह स्वस्थ रहने की प्राचीन भारतीय परंपरा के प्रति वैश्विक आकर्षण का एक अनूठा उदाहरण है।

वर्ष 2019 के आम चुनावों में एक बार फिर भाजपा वृहद जनादेश के साथ 303 लोकसभा सीटों के साथ जीत कर आई, राजग के साथी सदस्यों के साथ इसका आंकड़ा 353 सीटों का रहा। ●

(दाएँ)

15 अगस्त, 2014 को 68वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी।

(सामने वाला पृष्ठ)

15 अगस्त, 2014 को 68वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी।

B.J.P.
भा.ज.पा.

प्रशिक्षण

राज्यों में

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बार-बार सत्ता के विकेंद्रीकरण और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की बात कही है। देश के कोने-कोने के लोगों की आवश्यकताओं का ख्याल रखने के लिए पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को पंचायत स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक तैनात करती रही है और एक नियमित अंतराल पर पार्टी के मूल्यों व विचारधाराओं के बारे में वह अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करती रहती है, ताकि वे सच्ची भावना के साथ जनसेवा कर सकें।

भाजपा कार्यकर्ता चाहे जो भी भाषा बोलते हों, जैसा भी उनका खान-पान हो, लेकिन वे पूरे देश में मात्र एक उद्देश्य से काम में जुटे हैं और वह है-राष्ट्र निर्माण।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत कुल 14,96,160 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण हासिल किया। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए गए। 137 जिला-स्तरीय कार्यशालाओं में 19,136 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इसी तरह, 656 वर्ग-स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 184,373 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए, जबकि 9,309 मंडल वर्ग में 12,12,704 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और 18 राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में 3,700 कार्यकर्ता आए। विभिन्न मोर्चों, विभागों और परियोजनाओं के लिए भी अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम अखिल भारतीय, राजकीय और जिले स्तर पर आयोजित किए गए।

श्री राम बिलास शर्मा, हरियाणा के शिक्षा मंत्री हरियाणा राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिनिधियों के साथ

आंध्र प्रदेश

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व ने बार बार सत्ता के विकेन्द्रीकरण तथा जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक संरचना को मजबूत करने की बात को दोहराया है तथा जोर दिया है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन कानून 2014 के परिणामस्वरूप नए आंध्र प्रदेश का गठन 2 जून, 2014 को हुआ। इस कानून ने पुराने आंध्र प्रदेश को विभाजित करके तेलंगाना और शेष आंध्र प्रदेश को नया जन्म दिया। नया आंध्र क्षेत्रफल के लिहाज से देश का आठवां सबसे बड़ा प्रांत है, जबकि जनसंख्या के नजरिये से दसवां। आंध्र प्रदेश के बहुसंख्यकों की और राज्य की आधिकारिक भाषा तेलुगू है। यहाँ की 974 किलोमीटर सीमा समुद्र तटीय है। देश के सभी राज्यों में यह गुजरात के बाद दूसरा सबसे ज्यादा तटवर्ती सीमा वाला प्रांत है। तिरुपति स्थित इसके तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर की गिनती दुनिया के सर्वाधिक दर्शनार्थियों वाले धर्मस्थलों में होती है और यह दूसरा सबसे धनाढ्य मंदिर है। यहाँ हर साल 1.83 करोड़ दर्शनार्थी आते हैं।

भाजपा की राज्य इकाई ने प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मंडल, जिला और राज्य स्तर पर 230 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 26,000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

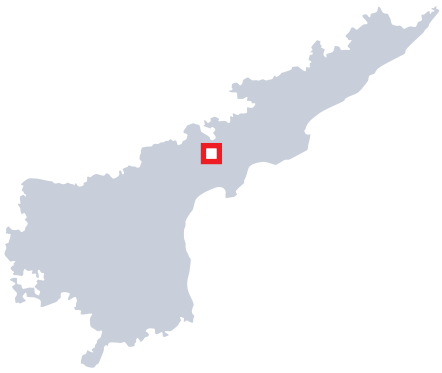

राजधानी: अमरावती
जनसंख्या: 4.97 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,62,970 वर्ग किलोमीटर
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 17
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 658

(ऊपर)
वर्ष 2016 में आँध्रप्रदेश, गुंटूर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित
(सामने वाला पृष्ठ)
गुंटूर में दीपप्रज्ज्वलन के उपरांत कार्यक्रम का शुभारम्भ

BJP
2016

ऊपर और दाएँ
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में जुटे भाजपा नेता और प्रशिक्षु।

భారతీయ జనతాపార్టీ - అనంతపురం జిల్లా

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश देश के धुर पूर्वोत्तर में स्थित एक पवर्तीय प्रांत है, जिसकी सीमाएँ भूटान, चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत और म्यांमार से लगती हैं। अरुणाचल का अर्थ है 'उगते सूर्य की धरती'। महाभारत और कालिका पुराण जैसे प्राचीन हिंदू साहित्य में इसका उल्लेख मिलता है।

भाजपा शासित इस प्रदेश में पार्टी ने मंडल, जिला और राज्य स्तरीय 65 प्रशिक्षण शिविरों में 1,500 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

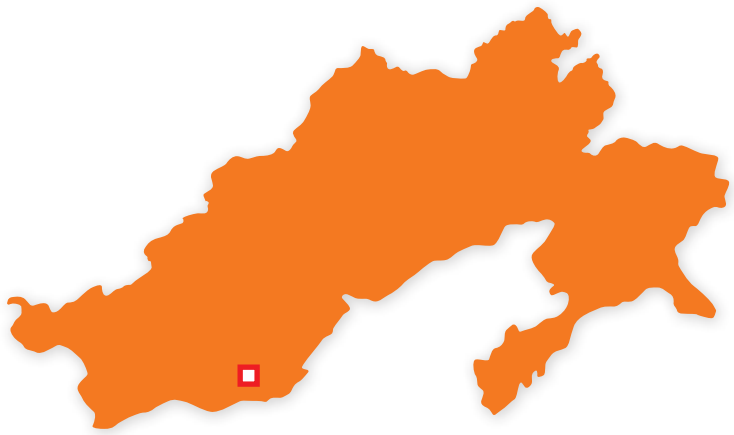

राजधानी: इटानगर
जनसंख्या: 13.82 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 83,743 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 60 (41)
कुल लोकसभा सीटें: 2 (2)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 21
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 60

(शीर्ष)
राष्ट्रगान गाते हुए प्रतिनिधि
(ऊपर)
प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान गंभीरता से मनन करते प्रतिनिधि
(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ करने से पूर्व पूर्वोत्तर के संगठन मंत्री, श्री अजय जम्वाल, श्री पी. मुरलीधर राव, डॉ. महेश चंद्र शर्मा और श्री डुंगली लीबांग, राज्य सह-संयोजक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पार्टी संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

(ऊपर)

श्री महेश चन्द्र शर्मा, राष्ट्रीय समन्वयक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव (दाएँ से तीसरे बैठे हुए) श्री तापिर गाओ, अरुणाचल प्रदेश के राज्य अध्यक्ष, राज्य के नेताओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में।

(दाएँ)

पारंपरिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते नेता।

(सामने वाला पृष्ठ)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाते अरुणाचल प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ता।

L PRADESH
YAY BIRTH CENTENARY
HAN SHIVIR
illors
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
लक्ष्य अंत्योदय
प्रण अंत्यो
पथ

असम

पूर्वी हिमालय के पूर्वोत्तर में स्थित असम ब्रह्मपुत्र और बराक नदी घाटियों वाला राज्य है। इसकी सीमाएँ भूटान और बांग्लादेश से लगी हुई हैं। चाय और रेशम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध असम की अर्थव्यवस्था वन्य-जीव पर्यटन से भी फलती-फूलती रही है। इसका काजीरंगा नेशनल पार्क और मानस नेशनल पार्क तो विश्व धरोहरों में सम्मिलित हैं। भारत के अन्य इलाकों के मुकाबले कहीं अधिक वर्षा असम में होती है।

असम में लगभग 208 प्रशिक्षण शिविर लगाए गए, जिनमें 32,000 कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, नीतियों और इसके उद्देश्यों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: दिसपुर
जनसंख्या: 3.12 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 78,438 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 126 (61)
कुल लोकसभा सीटें: 14 (9)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 38
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 303

असम के मुख्यमंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, श्री पी. मुरलीधर राव, श्री रमन डेका (एमपी), पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2016 द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्र के उद्घाटन समारोह में

(ऊपर)
श्री रंजित कुमार दास, असम राज्य के अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में ।

(दाएँ)
राज्य स्तर प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित प्रतिनिधि

भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय
सशक्त भाजपा सशक्त भारत

बिहार

बिहार क्षेत्रफल के आधार पर देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य है, जबकि जनसँख्या के लिहाज से यह देश का तीसरा बड़ा प्रदेश है। बिहार तीन क्षेत्रों- मगध, मिथिला और भोजपुर का संगम-स्थल है। 15 नवंबर, 2000 को दक्षिणी बिहार को इससे अलग करके झारखंड राज्य का गठन किया गया। प्राचीन काल में इस क्षेत्र को मगध के नाम से जाना जाता था, जो सत्ता, ज्ञान और संस्कृति का केंद्र हुआ करता था। मगध से ही भारत का पहला साम्राज्य मगध साम्राज्य और दुनिया भर में अपनाया गया बौद्ध धर्म उभरा था।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत बिहार में प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित 800 प्रशिक्षण शिविरों में भाजपा ने 1,20,000 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

राजधानी: पटना
जनसंख्या: 10.38 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 94,163 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 243 (54)
कुल लोकसभा सीटें: 40 (17)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 43
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 1,043

प्रशिक्षण सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा के वरिष्ठ नेता। बिहार के प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते कार्यकर्ताओं की तस्वीर।

14-17 दिसम्बर 2017
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
प्रशिक्षण महाभियान
भाजपा
बिहार प्रदेश

(बाएँ)
प्रखंड स्तर के क्षेत्रीय प्रभारी प्रशिक्षण सत्र की तैयारी करते हुए।

(नीचे)
राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर के कार्यों का प्रशिक्षण देते हुए।

(सामने वाला पृष्ठ)
बिहार में आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की तस्वीर।

अंत्योदय के पथ पर
संकल्प से
जनवरी 2018
बिहार

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ क्षेत्रफल के लिहाज से देश का 10वां बड़ा राज्य है, जबकि जनसँख्या के आधार पर 17वें स्थान पर है। यह प्राकृतिक संसाधन से समृद्ध प्रदेश है। छत्तीसगढ़ स्टील और अल्मुनियम के उच्च स्तरीय उत्पादन के बारे में भी जाना जाता है। देश के कुल सीमेंट उत्पादन में अकेले छत्तीसगढ़ की भागीदारी 20 प्रतिशत की है। इसमें देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला भंडार है, जिसमें देश में सबसे ज्यादा कोयला निकाला जाता है और यह लौह अयस्क के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर तथा टिन उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।

1 नवंबर, 2000 को मध्य प्रदेश का विभाजन करके छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था।

पार्टी ने इस प्रदेश में साल 2015 से 325 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। मंडल, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित इन शिविरों में 50,000 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण हासिल किया।

राजधानी: रायपुर
जनसंख्या: 2.55 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,35,191 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 90 (14)
कुल लोकसभा सीटें: 11 (9)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 29
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 300

(ऊपर)
छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता, दीप प्रज्जवलित कर रायपुर में एक प्रशिक्षण सत्र तथा प्रशिक्षु अंर्तवर्गीय सत्र का का शुभारंभ करते हुए।

(नीचे)
एक कार्यशाला के दौरान श्री सौदान सिंह संयुक्त महा सचिव, (संगठन) उपस्थित प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए

(सामने वाला पृष्ठ)
रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह, श्री मुरलीधर राव और अन्य नेता।

भारतीय जनता पार्टी
पं.दीनदयाल उपाध्याय
प्रशिक्षण महाभियान
प्रदेश कार्यशाला
4-5 अगस्त 2015, चम्पारण, छत्तीसगढ़
सशक्त भाजपा-सशक्त
प्रशिक्षण
महाभियान
प्रांतीय कार्यशाला

गोवा

कोंकण तटीय क्षेत्र में स्थित गोवा क्षेत्रफल के लिहाज से भारत का एक छोटा-सा प्रांत है। जनसँख्या के नजरिये से भी यह देश का चौथा सबसे छोटा राज्य है। देश के सभी राज्यों में गोवा की प्रति व्यक्ति जीडीपी दर सबसे अधिक है। हर साल बड़ी संख्या में विदेशी-देसी सैलानी इसके सफेद रेतीले तटों, मनोरंजन, पूजा स्थलों और विश्व धरोहर घोषित वास्तु-शिल्प को देखने के लिए आते है।

साल 2015 से गोवा भाजपा इकाई द्वारा आयोजित 40 शिविरों में 4,000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: पणजी
जनसंख्या: 18.2 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 3,702 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 40 (27)
कुल लोकसभा सीटें: 2 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 2
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 40

(ऊपर)
गोवा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर माल्यार्पण करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह।
(नीचे)
कोर ग्रुप के संवाद सत्र की तस्वीर

(सामने वाला पृष्ठ)
हाथ ऊपर उठाकर अनुमोदन की मुद्रा में कार्यकर्ता।

गुजरात

14.96 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी और 1,57,000 रुपये की प्रतिव्यक्ति जीडीपी के साथ गुजरात देश की तीसरी सबसे बड़ी प्रादेशिक अर्थव्यवस्था है। इसके पास 1,600 किलोमीटर लंबा तटीय क्षेत्र है। गुजरात सिंधु घाटी सभ्यता के मुख्य हिस्सों में एक था। इसका प्राचीन इतिहास इसके निवासियों की व्यावसायिक गतिविधियों से समृद्ध रहा है।

गुजरात में भाजपा का काफी ठोस आधार है। इसलिए कोई हैरानी की बात नहीं कि इसके सभी स्तरों पर आयोजित 627 शिविरों में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: गांधीनगर
जनसंख्या: 6.27 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 3,702 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 182 (103)
कुल लोकसभा सीटें: 26 (26)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 41
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 583

(शीर्ष)
श्री मुरलीधर राव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी तथा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव गुजरात में राज्यस्तरीय प्रशिक्षण शिविर में नेताओं को संबोधित करते हुए
(ऊपर)
राज्य के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी, श्री पी. मुरलीधर राव राज्य के भाजपा नेताओं के साथ वृक्षारोपण करते हुए।

(सामने वाला पृष्ठ)
राज्यस्तरीय कार्यकर्ता गुजरात में प्रशिक्षण के दौरान

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

(ऊपर और दाएँ)
गुजरात के वरिष्ठ भाजपा नेता, परम्परागत रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ करते हुए
(सामने वाले पृष्ठ पर)
राज्य के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी राज्य के भाजपा नेताओं के साथ प्रशिक्षण शिविर के एक कार्यक्रम में।

परिवार निर्माण

हरियाणा

भाषा के आधार पर पुराने राज्य पूर्वी पंजाब से अलग करके 1 नवंबर, 1966 को हरियाणा प्रदेश का गठन हुआ। चंडीगढ़ इसकी राजधानी है, हालांकि राज्य का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर फरीदाबाद है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का हिस्सा है, जबकि इसका गुरुग्राम शहर एनसीआर का वित्तीय केंद्र है, जहाँ फॉर्च्यून 500 में सम्मिलित कंपनियाँ स्थित हैं। फरीदाबाद जहाँ देश का तीसरा सबसे तेजी से विकास करने वाला शहर है, तो वहीं सेवाओं के मामले में गुरुग्राम देश में शिखर पर है।

वर्ष 2015 के बाद से मंडल, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित शिविरों में लगभग 30,000 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: चंडीगढ़
जनसंख्या: 2.54 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 44,212 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 90 (40)
कुल लोकसभा सीटें: 10 (10)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 22
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 285

(ऊपर)
राज्यस्तरीय बैठक में भाग लेते हुए राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अनिल जैन।
(नीचे और सामने वाला पृष्ठ)
सूरजकुंड हरियाणा में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिनिधि।

(बाएँ और ऊपर)
सूरजकुंड के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की छटा।
(सामने वाला पृष्ठ)
सूरजकुंड प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिनिधि।

भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा
पं. दीनदयाल उपाध्याय
प्रशिक्षण महाभियान
प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग
4 -7 अगस्त 2016
सूरजकुंड, फरीदाबाद

हिमाचल प्रदेश

पश्चिमी हिमालय में स्थित हिमाचल प्रदेश अनेक घाटी क्षेत्रों में बसा है। यह जैव-विविधता से समृद्ध दुनिया भर के बड़े खजानों में से एक है। हिमाचल से कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं, जिन पर बनी पनबिजली परियोजनाएँ राज्य की आवश्यकता से कहीं अधिक बिजली का उत्पादन करती हैं। इस अतिरिक्त बिजली को दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को बेचा जाता है। राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटन और कृषि क्षेत्र का भी महत्त्वपूर्ण योगदान है। हिमाचल प्रदेश देश के सर्वाधिक प्रतिव्यक्ति आय वाले राज्यों में एक है।

हिमाचल प्रदेश में कम से कम 80 प्रशिक्षण शिविर लगाए गए, जिनमें 30,000 कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, सिद्धांतों और नीतियों की शिक्षा दी गई।

राजधानी: शिमला
जनसंख्या: 68.6 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 55,673 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 68 (44)
कुल लोकसभा सीटें: 4 (4)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 17
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 68

(ऊपर और नीचे)
शिमला जिले के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन
(सामने वाला पृष्ठ)
हिमाचल प्रदेश के शिविर में श्री जे पी नड्डा, तत्कालीन केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री तथा वर्तमान में राष्ट्रीय अध्यक्ष को स्मृति चिह्न भेंट। श्री शांता कुमार तथा (हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री) श्री प्रेमकुमार धूमल भी समारोह मंच पर उपस्थित।

प्रदेश स्तरीय

जम्मू-कश्मीर

देश के सबसे उत्तरी राज्य जम्मू-कश्मीर में तीन क्षेत्र समाहित हैं : जम्मू, कश्मीर घाटी और लद्दाख। जम्मू और कश्मीर का एक बहुत बड़ा हिस्सा पाकिस्तान ने जबरन कब्जे में किया हुआ है तथा भारत इसे वापस पाने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। श्रीनगर इसकी ग्रीष्म राजधानी है, जबकि सर्दियों में जम्मू शहर यह भूमिका निभाता है। कश्मीर घाटी बेमिसाल खूबसूरत पहाड़ी नजारों के लिए प्रसिद्ध है, तो जम्मू शहर के अनेक मंदिर हर वर्ष लाखों हिंदू तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं, वहीं लद्दाख अपनी सुदूर पहाड़ी सुंदरता तथा बौद्ध संस्कृति के लिए विख्यात है।

भाजपा धारा 370 और 35ए को राज्य के विकास तथा देश के प्रति एकीकरण में बाधा मानती थीं और इन धाराओं का संशोधन करना भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र का हिस्सा था। यही कारण है कि 2019 में भाजपा सरकार ने राज्य को बाकी भारत से अलग करने वाली इस धारा को पंगु किया एवं सच्चे अर्थों में जम्मू और कश्मीर को भारत का हिस्सा बना दिया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में आयोजित 150 शिविरों में 22,500 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: श्रीनगर
जनसंख्या: 1.25 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,01,338 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 6 (3)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 29
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 145

(ऊपर)
जम्मू-कश्मीर की भाजपा राज्य इकाई का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
(नीचे)
प्रतिभागी प्रशिक्षण सत्र के बाद चित्र खिंचवाते हुए।

लद्दाख

भारत सरकार के द्वारा 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की शक्ति को कम करने के उपरान्त लद्दाख को एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। लद्दाख उत्तर में काराकोरम पर्वत और दक्षिण में हिमालय पर्वत के मध्य स्थित है। कारगिल लद्दाख क्षेत्र में ही स्थित है। भारत अक्साई चिन को भी इसका भाग मानता है, जो वर्तमान में चीन के कब्जे में है।

जनसंख्या: 2,74,289
क्षेत्रफल: 59146 किमी (22,836 वर्गमील)
भाजपा जिला प्रशिक्षण:
भाजपा मंडल प्रशिक्षण:

(ऊपर)
लद्दाख सांसद श्री जाम्यांग सेरिंग नामग्याल प्रतिभागियों से बात करते हुए
(नीचे)
शिविर में भाग लेते हुए कार्यकर्ता

झारखंड

15 नवंबर, 2000 को बिहार के दक्षिणी हिस्से को अलग करके झारखंड राज्य का गठन किया गया। देश के कुल खनिज संसाधनों का करीब 40 प्रतिशत अकेले झारखंड में है।

इस राज्य में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने के लक्ष्य के अंतर्गत भाजपा ने 341 प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया, जिनमें 45,000 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

राजधानी: रांची
जनसंख्या: 3.29 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 79.714 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 81 (25)
कुल लोकसभा सीटें: 14 (12)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 26
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 511

(ऊपर और नीचे)
भाजपा की झारखंड इकाई द्वारा धनबाद में आयोजित प्रशिक्षण सत्र की तस्वीर।
(सामने वाला पृष्ठ)
धनबाद प्रशिक्षण केंद्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पार्टी के वरिष्ठ नेता।

1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश
उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान
सभा स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग
भा.
ज.
पा.

कर्नाटक

राज्य पुनर्गठन कानून के अंतर्गत 1 नवंबर, 1956 को कर्नाटक का गठन हुआ। पहले यह मैसूर राज्य के नाम से जाना जाता था, 1973 में इसका नया नाम कर्नाटक रखा गया। कर्नाटक की अर्थव्यवस्था देश के भीतर पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी जीडीपी 14.8 लाख करोड़ रुपये की है, जबकि इसकी प्रतिव्यक्ति जीडीपी 1,74,000 रुपये है। सांस्कृतिक तौर पर समृद्ध कर्नाटक ने कर्नाटक और हिन्दुस्तानी संगीत, दोनों परंपराओं में भरपूर योगदान किया है। बेंगलुरु में उच्च प्रौद्योगिकीय कंपनियों की स्थापना ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के विकास को जबर्दस्त रफ्तार दी है, जहाँ भारत के 25 लाख आईटी पेशेवरों के 35 प्रतिशत लोग कार्यरत हैं। देश में आईटी से जुड़ा सबसे अधिक निर्यात यहीं से होता है।

कर्नाटक भाजपा इकाई ने प्रदेश भर में 450 शिविर आयोजित किए, जिनमें 70,000 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

राजधानी: बेंगलुरु
जनसंख्या: 6.41 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,91,791 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 224 (117)
कुल लोकसभा सीटें: 28 (26)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 36
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 280

(ऊपर)
बेंगलुरु में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में भारतमाता और पार्टी के संस्थापकों को नमन करते पूर्व संसदीय कार्य मंत्री श्री अनंत कुमार, राज्य में नेता प्रतिपक्ष श्री बी.एस. येदियुरप्पा और प्रदेश के वरिष्ठ नेता।
(नीचे)
एक वरिष्ठ नेता बंगलुरु प्रशिक्षण सत्र में कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए।

बेंगलुरु प्रशिक्षण सत्र में कार्यकर्ता भाग लेते हुए

(ऊपर)
बेंगलुरु के प्रशिक्षण शिविर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते श्री बी. एस. येदियुरप्पा।
(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
बेंगलुरु के प्रशिक्षण शिविर में प्रतिनिधियों को संबोधित करते राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता।

ಬಿಜೆಪಿ–ಕರ್ನಾಟಕ
ಪಂ. ದೀನದಯಾಳ ಉಪಾಧ್ಯಾಯ
ರಾಜ್ಯ ಪ್ರಶಿಕ್ಷಣ ವರ್ಗ
ಬೆಂಗಳೂರು
ಕರ್ನಾಟಕ

केरल

राज्य पुनर्गठन कानून के अंतर्गत मलयालम भाषी इलाकों को मिलाकर 1 नवंबर, 1956 को ही केरल का भी गठन हुआ। केरल देश में न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर 3.44 प्रतिशत) वाला राज्य है। इसका मानव विकास सूचकांक देश में सबसे ऊँचा है, साल 2015 में यह सर्वाधिक (0.712) था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, यह देश भर में सर्वाधिक साक्षरता दर (93.91 प्रतिशत) वाला राज्य है, यहाँ की जीवन प्रत्याशा दर भी देश के सभी राज्यों से बेहतर यानी 77 साल है और लैंगिक अनुपात भी अन्य तमाम राज्यों से अच्छा है। यहाँ प्रति 1,000 पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों की संख्या 1,084 है। इसके कृषि क्षेत्र में काली मिर्च, प्राकृतिक रबड़, नारियल, चाय, कॉफी, काजू और विभिन्न प्रकार के मसालों का अहम स्थान है। शांत पश्य जल, पहाड़ी इलाकों, समुद्र तट, आयुर्वेदिक पर्यटन और इसकी उष्ण-कटिबंधीय हरियाली पर्यटकों के आकर्षण के मुख्य केंद्र हैं।

पूरे प्रदेश में भाजपा द्वारा आयोजित 140 प्रशिक्षण शिविरों में 14,000 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: तिरुवनंतपुरम्
जनसंख्या: 3.48 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 38,863 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 140 (1)
कुल लोकसभा सीटें: 20
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 14
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 140

(ऊपर)
प्रशिक्षण शिविर में पार्टी ध्वजारोहण करते पार्टी नेता
(ऊपर और सामने वाला पृष्ठ)
केरल में प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेता और बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ता

യുവമോർച്ച, കേരളം
സംസ്ഥാന
നേതൃശിൽപശാല
HARI'S

मध्य प्रदेश

अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश को 'भारत का हृदय' कहा जाता है। साल 2000 तक यह क्षेत्रफल के लिहाज से देश का दूसरा सबसे बड़ा प्रांत था। 7.5 करोड़ से अधिक जनसंख्या के साथ यह जनसँख्या के मुताबिक देश का पाँचवां सबसे बड़ा प्रदेश है। खनिज संसाधनों से समृद्ध मध्य प्रदेश देश में हीरे और तांबे के बड़े भंडार हैं। इसका 30 प्रतिशत से ज्यादा भूभाग वन आच्छादित हैं। मध्य प्रदेश के पर्यटन उद्योग ने काफी तरक्की की है और साल 2010-11 में इसे राष्ट्रीय पर्यटन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

मध्य प्रदेश में भाजपा लंबे समय तक सत्ता में रही और यहाँ भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता भी हैं। राज्य में आयोजित 600 से ज्यादा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1,10,000 कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की।

राजधानी: भोपाल
जनसंख्या: 7.33 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 3,08,245 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 230 (108)
कुल लोकसभा सीटें: 29 (28)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 56
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 833

शीर्ष
तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर पुष्प अर्पित करते हुए
(ऊपर)
मध्य प्रदेश में प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ता
(सामने वाला पृष्ठ)
दीप प्रज्ज्वलित कर एक प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ करते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान

(ऊपर और दाएँ)
प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं का स्वागत
मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी द्वारा संबोधन
(सामने वाला पृष्ठ)
मध्य प्रदेश में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते प्रतिनिधि।

महाराष्ट्र

जनसंख्या के आधार पर महाराष्ट्र देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, जबकि क्षेत्रफल के लिहाज से यह तीसरे नंबर पर है। इसकी राजधानी की जनसँख्या लगभग 1.8 करोड़ है, जो इसे देश का सबसे अधिक जनसँख्या वाला महानगर बनाती है। इस राज्य में ऐसे अनेक स्थल हैं, जिनको यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित कर रखा है। इनमें अजंता और एलोरा की गुफाएँ सबसे लोकप्रिय हैं। कई किले छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े हैं। ज्यादातर आर्थिक कसौटियों पर महाराष्ट्र देश का समृद्धतम प्रदेश है और सर्वाधिक औद्योगीकृत भी। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में अकेले महाराष्ट्र की भागीदारी लगभग 25 प्रतिशत है। मुंबई देश की वित्तीय राजधानी है, जहाँ पर शेयर बाजार, पूंजी बाजार और वस्तु विनिमय बाजार हैं।

महाराष्ट्र में मंडल, जिला और राज्य स्तर पर 646 प्रशिक्षण शिविर अब तक लगे, जिनमें 64,600 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: मुंबई
जनसंख्या: 11.42 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 3,07,713 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 288 (105)
कुल लोकसभा सीटें: 48 (41)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 64
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 644

(शीर्ष और ऊपर वाला पृष्ठ)
पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान के तहत प्रतिनिधियों को संबोधित करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस
(ऊपर)
प्रशिक्षण सत्र में शामिल होते सजग प्रतिनिधि

माधव भांडारी

(ऊपर)
महाराष्ट्र में भाजपा कार्यकर्ता शिविर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग के सदस्य श्री रविन्द्र साठे।
(दाएँ)
सुश्री सरोज पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव, एक बैठक के दौरान संबोधित करते हुए
(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण सत्र आरम्भ करने से पहले वरिष्ठ भाजपा नेता भारतमाता एवं संस्थापकों के सम्मुख दीपदान करते हुए

भारतीय जनता
B.J.P.

मणिपुर

पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि आधारित रही है। यहाँ पनबिजली उत्पादन की अपार संभावनाएँ हैं। यह इंफाल हवाई अड्डे के जरिये वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है। पूर्वोत्तर भारत का यह दूसरा सबसे बड़ा हवाई अड्डा है। मणिपुर कई तरह के खेलों और मणिपुरी नृत्य शैली के लिए बेहद प्रसिद्ध है। यूरोप के लोगों को पोलो की पहचान कराने का श्रेय मणिपुर को ही दिया जाता है।

राज्य में भाजपा ने अब तक 20 प्रशिक्षण शिविर लगाए हैं, जिनमें इस राज्य के 2,000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण हासिल किया।

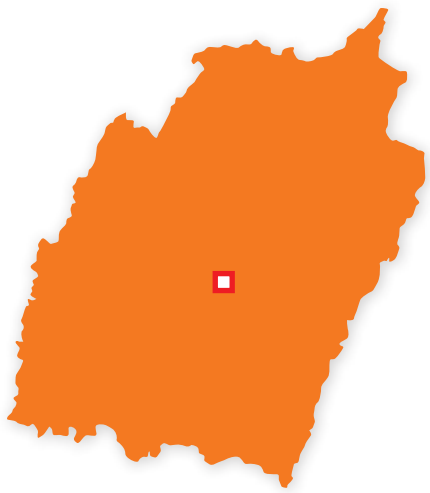

राजधानी: इंफाल
जनसंख्या: 28.58 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 22,327वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 60 (31)
कुल लोकसभा सीटें: 2 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 12
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 60

(शीर्ष)
प्रशिक्षण शिविर के आरंभ में पार्टी के संस्थापकों की तस्वीर पर पुष्पांजलि करते मणिपुर भाजपा के वरिष्ठ नेता
(ऊपर)
मणिपुर में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करते प्रशिक्षक
(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते कार्यकर्ता

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

(ऊपर)
मणिपुर के बिश्नुपुर मंडल में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते भाजपा नेता
(दाएँ)
प्रशिक्षण शिविर के आरंभ में पार्टी के संस्थापकों की तस्वीर पर पुष्पांजलि करते मणिपुर भाजपा के वरिष्ठ नेता।
(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं का एक समूह

मेघालय

'पूरब का स्कॉटलैंड' कहलाने वाला मेघालय पहले असम का हिस्सा हुआ करता था, लेकिन 21 जनवरी, 1972 को खासी, गारो और जयंतिया पहाड़ी जिलों को मिलाकर मेघालय राज्य का गठन किया गया। मेघालय की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है और यह प्रदेश ऐतिहासिक रूप से मातृसत्तात्मक व्यवस्था वाला है, जिसमें स्त्रियों के जरिये वंश और वंशानुक्रम चलता है, परिवार की सबसे छोटी बेटी को विरासत में सारा धन मिलता है और वही माता-पिता की देखभाल करती है। मेघालय का लगभग 70 प्रतिशत भूभाग वन आच्छादित है।

भारत के इस पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत छह शिविर लगाए, जिनमें 430 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

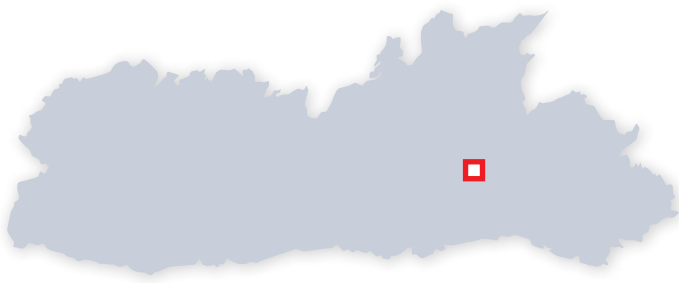

राजधानी: शिलॉन्ग
जनसंख्या: 29.64 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 22,429 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 60 (2)
कुल लोकसभा सीटें: 2 (0)

(शीर्ष)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव मेघालय में प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

(शीर्ष)
मेघालय के एक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते प्रतिभागी और प्रशिक्षक

मिजोरम

भारत के कई अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों की तरह मिजोरम भी 1972 तक असम का हिस्सा हुआ करता था। 1972 में असम से अलग करके इसे एक केंद्र शासित क्षेत्र बनाया गया। 20 फरवरी, 1987 को मिजोरम भारत का 23वां राज्य बना। इस प्रदेश के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित हैं और इसकी 95 प्रतिशत जनसँख्या विभिन्न जनजातीय मूल की है। मिजोरम भारत के उन तीन राज्यों में से एक है, जो ईसाई बहुल हैं। मिजोरम में 87 प्रतिशत ईसाई समुदाय के लोग बसते हैं।

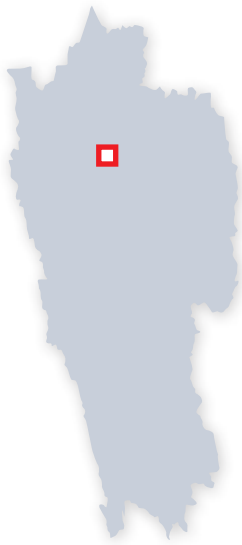

राजधानी: आईजोल
जनसंख्या: 11.2 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 21,087 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 40 (1)
कुल लोकसभा सीटें: 1 (0)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 10
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 40

(ऊपर और नीचे)
प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मिजोरम भाजपा के नेता।
(सामने वाला पृष्ठ)
मिजोरम के कार्यकर्ता शिविर में भाग लेते हुए।

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

नागालैंड

यह प्रदेश 17 आदिवासी समुदायों का निवास स्थल है। प्रत्येक आदिवासी समुदाय अपने चरित्र में विलक्षण है और इनकी अपनी खास परंपराएँ, भाषा और लिबास हैं। आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है और यह जन-सामान्य की भाषा है। यहाँ की बहुसंख्यक जनसंख्या ईसाई धर्म को मानने वाली है। नागालैंड की सबसे महत्त्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि कृषि है। इसके अलावा यहाँ वानिकी, पर्यटन, बीमा, रीयल एस्टेट और कई तरह के उद्योगों से जुड़े आर्थिक कार्य होते हैं। 1950 के दशक से ही इस राज्य को सशस्त्र विद्रोह के साथ-साथ विभिन्न नस्लों के आपसी संघर्ष से भी दो-चार होना पड़ा। असम घाटी से लगते क्षेत्रों को छोड़कर नागालैंड ज्यादातर पर्वतीय क्षेत्र ही है।

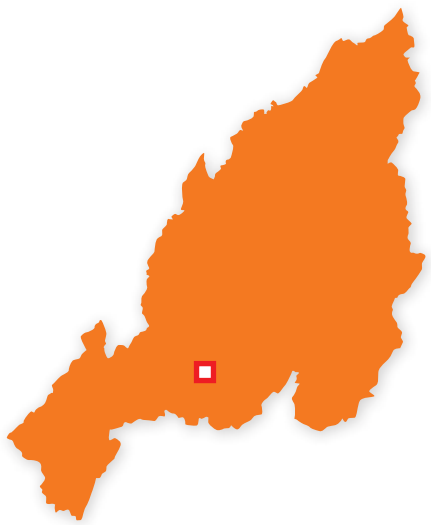

राजधानी: कोहिमा
जनसंख्या: 19.8 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 16,579 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 60 (12)
कुल लोकसभा सीटें: 1 (1)

(ऊपर)
नगालैंड के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन भाजपा महासचिव (संगठन) श्री रामलाल के साथ तस्वीर खिंचवाते राज्य भाजपा के नेता।

ओडिशा

इसे पहले उड़ीसा के नाम से जाना जाता था। एक राज्य के रूप में इसका गठन ब्रिटिश भारत में ही 1 अप्रैल, 1936 को हुआ था और इसमें मूलत: उड़िया‌भाषी क्षेत्र सम्मिलित किए गए। प्राचीन काल में जो कलिंग साम्राज्य था, जिस पर मौर्य सम्राट अशोक ने 261 ईस्वी पूर्व आक्रमण किया था, वही आधुनिक युग का ओडिशा है। पूर्व में उत्कल के नाम से ख्यात ओडिशा आदिवासी जनसँख्या के मामले में भारत का तीसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है।

अब तक के इस सबसे बड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा में आयोजित 300 शिविरों में कम से कम 40,000 भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण हासिल किया।

राजधानी: भुवनेश्वर
जनसंख्या: 4.37 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,55,707 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 147 (23)
कुल लोकसभा सीटें: 21 (8)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 37
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 451

(शीर्ष)
श्री सुरेश पुजारी, राष्ट्रीय सचिव और श्री मुरलीधार राव ओडिशा राज्य भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

(ऊपर)
श्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय महासचिव प्रतिभागियों के साथ बात करते हुए

पंजाब

पंजाब को बहादुर सिक्खों की भूमि के रूप में जाना जाता है तथा इसे श्री हरमंदिर साहब (गोल्डन टेम्पल), अमृतसर जैसे पवित्र धाम की भूमि कहा जाता है। पंजाब में एक समृद्ध संस्कृति है और इसमें भांगड़ा और गिद्धा जैसे नृत्य और संगीत के प्राचीन परम्परा है

सिंधु घाटी सभ्यता का केंद्र रहे पंजाब का नाम पाँच नदियों से प्रेरित है- सतलुज, रावी, ब्यास, चेनाब और झेलम। पंजाब जल संसाधन से समृद्ध राज्य है और इसकी मिट्टी भी काफी उपजाऊ है। प्राचीन काल में इस पर चंद्रगुप्त मौर्य ने विजय हासिल की थी; यह गुप्त साम्राज्य के अलावा हूण, हर्ष और मंगोल साम्राज्य का भी हिस्सा रहा है। मूलत: कृषि आधार वाला पंजाब वैज्ञानिक उपकरणों के अलावा बिजली, खेल के सामान, मशीनों के कल-पुर्जे, उर्वरक, सिलाई मशीन, साइकिल, कपड़ा आदि भी बनाता है, इनके अलावा यह पर्यटन, वित्तीय सेवाओं का भी हब है। पंजाब में सबसे ज्यादा स्टील रोल बनाने के कारखाने हैं।

पार्टी ने राज्य में 200 प्रशिक्षण शिविर बनाए, जिनमें 25,000 कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: चंडीगढ़
जनसंख्या: 2.8 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 50,362 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 117 (2)
कुल लोकसभा सीटें: 13 (4)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 33
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 368

(ऊपर और सामने वाला पृष्ठ)
भाजपा पंजाब इकाई के कार्यकर्ता और प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते हुए।

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

राजस्थान

सही अर्थों में 'राजाओं की धरती' राजस्थान क्षेत्रफल के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रांत है और दुर्गम थार रेगिस्तान का ज्यादातर हिस्सा इसी प्रदेश में पड़ता है। सांस्कृतिक व ऐतिहासिक रूप से समृद्ध राजस्थान में अनेक यादगार धरोहर, तीर्थ स्थल और वन्य जीव अभयारण्य हैं। राजस्थान में हर वर्ष डेढ़ करोड़ से अधिक लोग पर्यटन के उद्देश्य से आते हैं। राजस्थान राज्य में हर जिले में कई दर्शनीय सील देखने को मिलते है, यहाँ विशेष रूप से दुर्ग है जो लगभग हर जिले में है। इनके अलावा राजस्थान में पौराणिक मन्दिर भी है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है क्योंकि यह भारत आने वाले पर्यटकों के लिए ''गोल्डन ट्रांयगल'' का हिस्सा है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीले और और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग सैलानियों के लिए सबसे पंसदीदा जगहों में से एक है। जयपुर का हवामहल, जोधुपर का मेहरानगढ़ दुर्ग , सवाई माधोपुर का रणथम्भौर दुर्ग एवं चित्तौड़ गढ़।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत राज्य में आयोजित 563 प्रशिक्षण शिविरों में 91,000 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: जयपुर
जनसंख्या: 6.89 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 3,42,239 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 200 (72)
कुल लोकसभा सीटें: 25 (25)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 39
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 563

(शीर्ष)
राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री वसुंधरा राजे सिंधिया और तत्कालीन राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्री रामलाल राज्य के प्रशिक्षण सत्र के दौरान
(ऊपर)
प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों का स्वागत करते कार्यकर्ता
(सामने वाला पृष्ठ)
राजस्थान में प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ नेता

भारतीय जनता पार्टी
भारतीय जनता पार्टी
भारतीय जनता पार्टी

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

(ऊपर)
कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राजस्थान भाजपा के नेता।

(दाएँ)
प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागी कार्यकर्ता।

(सामने वाला पृष्ठ)
राजस्थान के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते कार्यकर्ताओं का एक समूह

सिक्किम

17वीं शताब्दी में नामग्याल राजवंश ने एक राजतंत्र के रूप में इसका गठन किया था। 1890 में यह ब्रिटिश भारत का रजवाड़ा बना। 1947 के बाद सिक्किम लगातार भारतीय गणराज्य से संरक्षण लेता रहा। 1973 में चोग्याल के महल के बाहर राजशाही विरोधी दंगा भड़क उठा और अंततः 1975 में जनमत संग्रह के बाद यह भारत का 22वां राज्य बन गया। हिमालयी राज्यों में सबसे अधिक साक्षरता दर वाला सिक्किम प्रतिव्यक्ति आय के मामले में भी उन सबमें अव्वल है और भारत में इलायची उत्पादन में सबसे बड़ी भागीदारी इसी प्रदेश की है। ग्वाटेमाला के बाद दुनिया में सबसे अधिक मसालों का उत्पादन यहीं पर होता है।

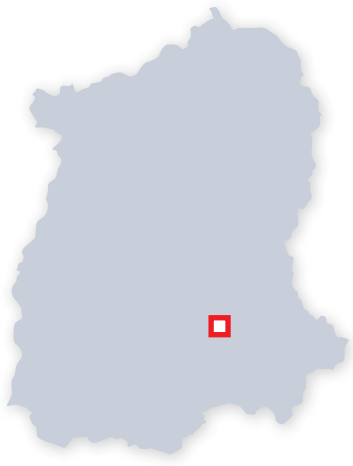

राजधानी: गंगटोक
जनसंख्या: 6.19 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 7,096 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 30 (12)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 4
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 31

(ऊपर और सामने वाला पृष्ठ)
सिक्किम के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते कार्यकर्ता।

तमिलनाडु

क्षेत्रफल के लिहाज से तमिलनाडु देश का 11वां और जनसंख्या के मुताबिक छठा सबसे बड़ा प्रदेश है। देश के भीतर तमिलनाडु महाराष्ट्र के बाद दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। इसका सकल घरेलू उत्पाद 15.96 लाख करोड़ रुपये का है। तमिलनाडु अनेक ऐतिहासिक इमारतों, बहु-धार्मिक तीर्थस्थलों, हिल स्टेशनों और आठ विश्व धरोहरों का प्रदेश भी है। संगीत, नृत्य, साहित्य, रंगशाला, पाक कला और अन्य कला रूपों का यहाँ के निवासियों की जीवन शैली, संस्कृति पर गहरा असर है।

इस दक्षिणी राज्य में प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 559 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 64,780 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: चेन्नई
जनसंख्या: 7.21 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,30,058 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 234 (0)
कुल लोकसभा सीटें: 39 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 43
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 604

एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान तमिलनाडु भाजपा के नेता

1916
2016

(ऊपर)
तमिलनाडु में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाधयाय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
तमिलनाडु के कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

பண்டிட் தீனதயாள் உ
நூற்றாண்டு விழா
15நாள் விஸ்தாரக் பயிற்சி
06.06.2017 செவ்வாய்கிழமை

तेलंगाना

2 जून, 2014 को आन्ध्र प्रदेश से अलग करके भारत के 29वें राज्य के रूप में तेलंगाना का गठन किया गया। इसकी राजधानी हैदराबाद तय की गई। यह प्रदेश आईटी सेक्टर यानी सूचना-प्रौद्योगिकी व सर्विस सेक्टर यानी सेवा क्षेत्र के एक मजबूत केंद्र के तौर पर उभरा है। तेलंगाना भारतीय रक्षा क्षेत्र, एयरोस्पेस और शोध प्रयोगशालाओं का मुख्य प्रशासनिक केंद्र भी है। 8.43 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ यह तमाम राज्यों में आठवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसकी प्रतिव्यक्ति जीडीपी 1,81,000 रुपये है।

तेलंगाना में आयोजित 300 प्रशिक्षण शिविरों में लगभग 45,000 कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की।

राजधानी: हैदराबाद
जनसंख्या: 3.52 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,14,840 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 119 (1)
कुल लोकसभा सीटें: 17 (4)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 31
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 794

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करते तेलंगाना के भाजपा कार्यकर्ता।

పండిత్ దీనదయాళ్ ఉపాధ్యాయ
శిక్షా శిబిరం

(ऊपर, दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
तेलंगाना भाजपा कार्यकर्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए

పండిత్ దీనదయాళ్ ఉపాధ్యాయ
మహా శిక్షణా శిబిరం
భారతీయ జనతా పార్టీ - తెలంగాణ

त्रिपुरा

भौगोलिक रूप से बेहद प्रतिकूल क्षेत्र में स्थित त्रिपुरा शेष भारत से मात्र एक राजमार्ग, यानी राष्ट्रीय राजमार्ग-8 से जुड़ा है। यह देश का तीसरा सबसे छोटा राज्य है। ब्रिटिश भारत के संरक्षण में यह एक स्वतंत्र रजवाड़ा हुआ करता था। यह देश के सबसे पढ़े-लिखे प्रांतों में से एक है, जिसकी साक्षरता दर 87.75 प्रतिशत है और इसका आधे से अधिक भूभाग वन आच्छादित है।

वर्ष 2018 में भाजपा ने वाम मोर्चे और कम्युनिस्ट पार्टी के 40 वर्ष के शासन को मिटाकर 60 में से 44 सीटें जीतीं थीं।

भाजपा ने यहाँ 30 प्रशिक्षण शिविर लगाए, जिनमें 4,500 कार्यकर्ता मंडल, जिला और राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किए गए।

राजधानी: अगरतला
जनसंख्या: 36.6 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 10,486 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 60 (36)
कुल लोकसभा सीटें: 2 (2)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 8
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 60

(शीर्ष)
भाजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री सुनील देवधर और भाजपा के विदेश मामलों के प्रकोष्ठ के प्रमुख श्री विजय चौथाईवाले का स्वागत करते त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री बिप्लव कुमार देब।

(ऊपर)
प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते त्रिपुरा के कार्यकर्ता।

(सामने वाला पृष्ठ)
श्री बिप्लब देव, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री, श्री वी सतीश, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) भाजपा, श्री सुनील देवधर, राष्ट्रीय सचिव भाजपा, तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का प्रशिक्षण शिविर में स्वागत करते हुए

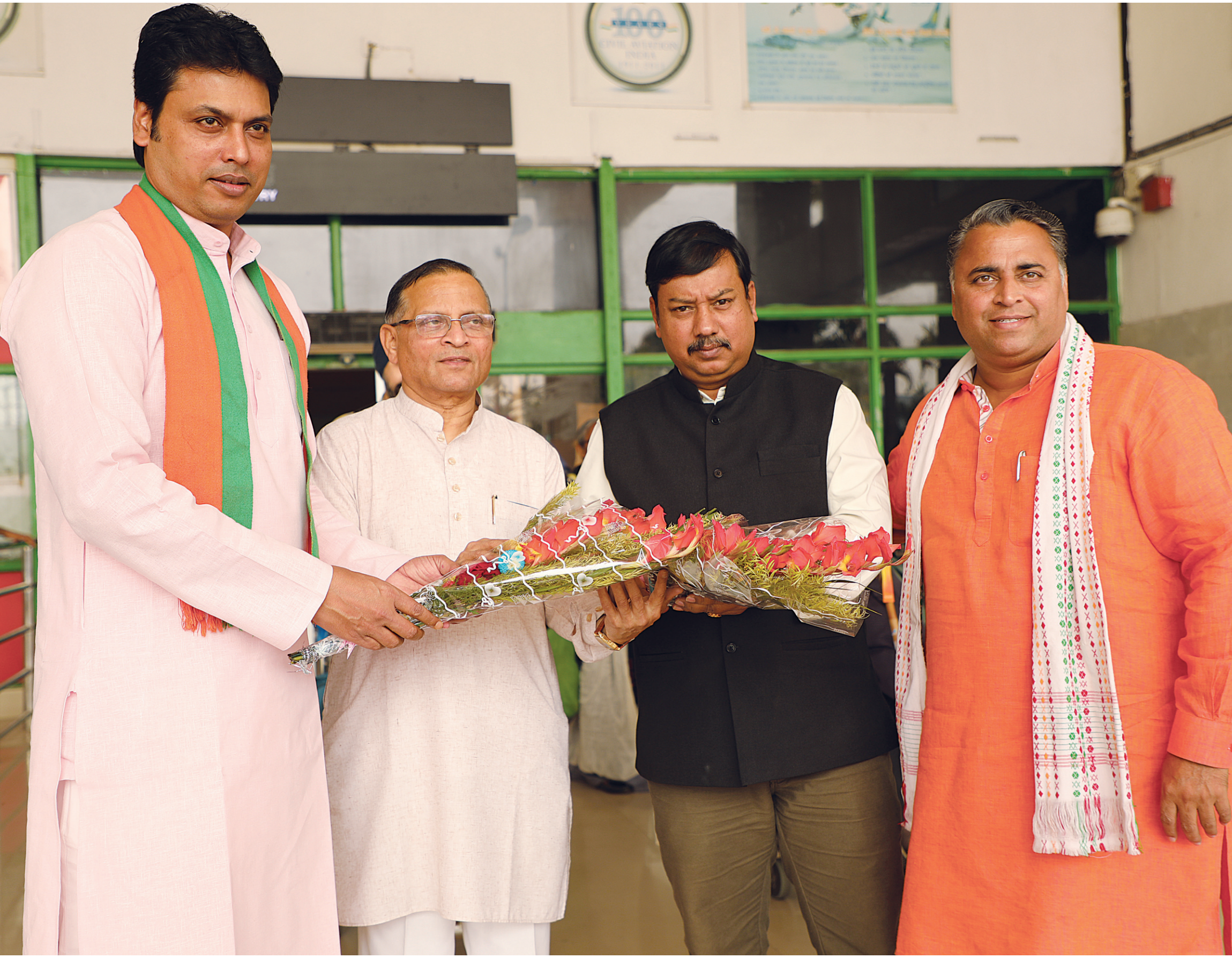

उत्तराखंड

उत्तराखंड (पहले उत्तरांचल) को 'देवभूमि' भी कहा जाता है, क्योंकि यह अनेक हिंदू मंदिरों और तीर्थों का केंद्र भी है। हिमालय के नैसर्गिक पर्यावरण के लिए ख्यात उत्तराखंड राज्य का गठन 9 नवंबर, 2000 को देश के 27वें राज्य के रूप में किया गया। उत्तर प्रदेश के हिमालयी और उत्तर-पश्चिमी जिलों को मिलाकर इस राज्य का गठन किया गया। उत्तराखंड दो मंडलों में बँटा है-गढ़वाल और कुमाऊँ। अतीत में ये पहाड़ी रजवाड़े हुआ करते थे।

पार्टी ने राज्य में 110 शिविर लगाए, जिनमें 15,000 कार्यकर्ता प्रशिक्षित किए गए।

राजधानी: देहरादून
जनसंख्या: 1.01 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 53,483 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 70 (56)
कुल लोकसभा सीटें: 5 (5)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 22
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 228

(शीर्ष)
उत्तराखंड के भाजपा नेता प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते हुए।

(ऊपर)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर में प्रतिनिधियों को संबोधित करते उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत।

(ऊपर सामने वाला पृष्ठ)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के राष्ट्रीय संजोयक डॉ. महेश चन्द्र शर्मा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

भारतीय जनता पार्टी उत्तराखण्ड

(ऊपर)
उत्तराखंड प्रशिक्षण समन्वयक प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए
(सामने वाला पृष्ठ)
देहरादून में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री संबित पात्रा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

लक्ष्य अंत्योदय। प्रण अंत्योदय। पथ अंत्योदय।
भारतीय जनता पार्टी उत्तराखण्ड
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान
जन प्रतिनिधि प्रशिक्षण वर्ग
27-28 जुलाई 2017 देहरादून

उत्तर प्रदेश

भारत के उत्तरी हिस्से में स्थित उत्तर प्रदेश का गठन 1 अप्रैल, 1937 को संयुक्त प्रांत के तौर पर हुआ था। 1950 में इसका नया नाम उत्तर प्रदेश रखा गया। इसकी राजधानी लखनऊ एक वक्त दिल्ली सल्तनत के नियंत्रण में हुआ करता था, बाद में इस पर मुगल साम्राज्य का नियंत्रण रहा। फिर इसे अवध के नवाब को हस्तांतरित कर दिया गया।

वर्ष 2017 में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाई थी।

भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस राज्य में भाजपा ने अपनी एक खास जगह बनाई है, यहाँ से अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने केंद्र की सत्ता हासिल की और बाद में 2017 में विधानसभा चुनाव भी जीता। यहाँ आयोजित 2,400 शिविरों में 2,00,000 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: लखनऊ
जनसंख्या: 20.42 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 2,43,290 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 403 (310)
कुल लोकसभा सीटें: 80 (64)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 90
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 2,400

(ऊपर और सामने वाला पृष्ठ)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि देते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ। बगल में राज्यसभा के पूर्व सदस्य एवं पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक श्री तरुण विजय।

(नीचे)
प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते प्रतिनिधि।

भारतीय जनता पार्टी
दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण

पश्चिम बंगाल

जनसंख्या के लिहाज से पश्चिम बंगाल देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य है, जबकि राज्य-अर्थव्यवस्था के आधार पर यह देश की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसकी जीडीपी 10.49 लाख करोड़ रुपये की है, जबकि प्रतिव्यक्ति जीडीपी 1,08,000 रुपये सालाना है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता देश का सातवां सबसे बड़ा महानगर है और यह देश की 'सांस्कृतिक राजधानी' के तौर पर जाना जाता है। साहित्य और फुटबॉल के प्रति दीवानगी पश्चिम बंगाल और यहाँ के लोगों की खास पहचान है।

मई 2019 में हुए आम चुनावों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 18 लोकसभा सीटें जीतीं और राज्य में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन गयी।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 721 प्रशिक्षण शिविर लगाए, जिनमें 70,000 कार्यकर्ताओं को राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का स्मरण कराने के अलावा पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया।

राजधानी : कोलकाता
जनसंख्या: 9.13 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 88,752 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 294 (13)
कुल लोकसभा सीटें: 42 (18)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 37
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 1,107

(ऊपर)
पश्चिम बंगाल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते कार्यकर्ता।
(नीचे)
प्रशिक्षण शिविर में प्रतिनिधियों को संबोधित करते श्री पी. मुरलीधर राव, बाबुल सुप्रियो, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री तथा अन्य कार्यकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण कार्यशाला में।
(सामने वाला पृष्ठ)
उत्तर प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य मंत्री श्री सिद्धार्थनाथ सिंह और पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री शिव प्रकाश जी प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

अंडमान ऐंड निकोबार द्वीप दरअसल बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के संधि-स्थल पर स्थित द्वीपों का समूह है। इसमें दो द्वीप हैं-अंडमान द्वीप और निकोबार द्वीप। अंडमान द्वीप आदिम जनजातीय लोगों का घर है, जो बाहरी दुनिया से संपर्क के विरोधी हैं। अतीत में यह द्वीप डच, जापानी, ब्रिटिश लोगों के नियंत्रण में था और आज भारत के नौ केंद्र-शासित क्षेत्रों में से एक है। यहाँ के फलते-फूलते उद्योगों में एक पर्यटन भी है।

अंडमान के कारागार को काला पानी के नाम से जाना जाता है, जो अंग्रेजों की बनाई गयी जेल थी। अंग्रेज इस कारागार में अपने राजनीतिक विरोधियों को कैद करते थे। विनायक दामोदर सावरकर, बटुकेश्वर दत्त और बाकी और लोगों को भी इस कारागार में बंद किया गया था। इस परिसर को अब राष्ट्रीय मेमोरियल स्मारक कहा जाता है।

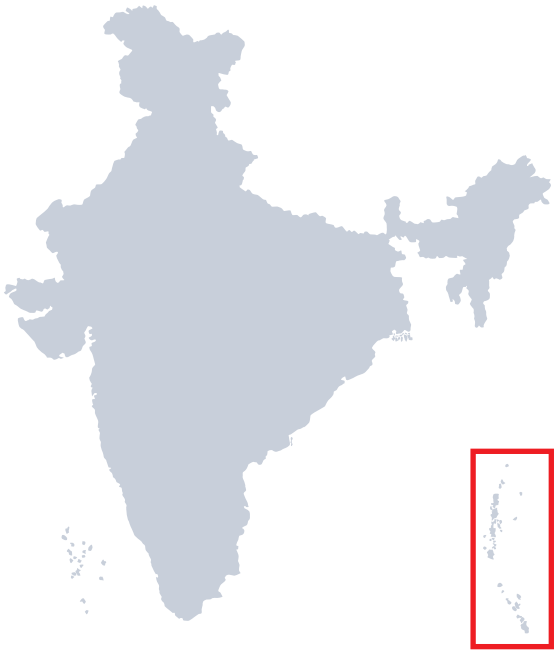

राजधानी: पोर्ट ब्लेयर
जनसंख्या: 3.80 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 8,249 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 1 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 5
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 42

(ऊपर और सामने)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते हुए।

चंडीगढ़

चंडीगढ़ भारत का एक ऐसा शहर और केंद्र-शासित क्षेत्र है, जो दो पड़ोसी राज्यों हरियाणा और पंजाब की राजधानी की भूमिका निभाता है। यह शहर इस मायने में भी अनूठा है कि यह दोनों में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका प्रशासन सीधे केंद्र सरकार के हाथों में है। केंद्र सरकार देश के ऐसे समस्त क्षेत्रों का प्रशासन देखती है। स्विस-फ्रेंच वास्तुकार ली कार्बूजिए द्वारा डिजाइन किया गया चंडीगढ़ आजाद भारत के सबसे शुरुआती और श्रेष्ठ नियोजित शहरों में से एक है और अपने वास्तु व शहरी नियोजन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, पर्यटक यहाँ पर नेक चंद का रॉक गार्डन और विश्व प्रसिद्ध सुकना झील देखने के लिए आते हैं। चंडीगढ़ देश के सर्वाधिक प्रतिव्यक्ति आय वाले शहरों में एक है।

इस केंद्र-शासित नगर में आयोजित सात शिविरों में 750 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: चंडीगढ़
जनसंख्या: 10.55 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 114 वर्ग किलोमीटर
कुल निगम सीटें: 26 (22)
कुल लोकसभा सीटें: 1 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 5
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 34

(ऊपर)
केंद्रीय विज्ञान एवं प्राद्यौगिक तथा पर्यावरण मंत्री श्री हर्षवर्धन, श्री संजय टंडन प्रदेश अध्यक्ष, श्री धीरेन्द्र तयाल प्रदेश प्रशिक्षण समन्वयक के साथ चंडीगढ़ के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

(नीचे)
प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित कार्यकर्ता।

दादरा एवं नगर हवेली

दादरा एवं नगर हवेली दो अलग भौगोलिक क्षेत्र हैं: नगर हवेली महाराष्ट्र और गुजरात के बीच स्थित है, जबकि दादरा गुजरात से घिरा हुआ है और एक किलोमीटर पश्चिमोत्तर में है। 1783 से 20वीं सदी के मध्य तक पुर्तगालियों ने इस क्षेत्र पर राज किया। भारत सरकार ने दिसंबर 2019 में पारित किए गए एक अधिनियम के माधयम से दमन तथा दीव एवं दादरा तथा नगर हवेली को एक इकाई के रूप मे विलय कर दिया है।

दादरा एवं नगर हवेली में पार्टी ने दो शिविर आयोजित किए, जिनमें 200 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजधानी: सिल्वासा
जनसंख्या: 3.43 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 491 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 1 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 2
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 12

(ऊपर)
भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (संगठन) श्री वी. सतीश सिल्वासा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।
(नीचे)
दादरा एवं नगर हवेली में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते कार्यकर्ता।

दमन एवं दीव

दमन एवं दीव को दमनगंगा नदी दो हिस्सों में बांटती है-नानी दमन द्धनानी का अर्थ होता है छोटाऋ और मोटी दमन द्धमोटी मतलब बड़ाऋ । नाम के बावजूद नानी दमन दोनों हिस्सों में बड़ा है, हालांकि पुराना शहर मुख्यत: मोटी दमन में ही है। शहर के मध्य हिस्से में ज्यादातर महत्वपूर्ण चीजें हैं। जैसे, अस्पताल, सुपर मार्केट और ज्यादातर रिहाइशी इलाके। इस क्षेत्र को पुर्तगालियों से 1961 में आजाद कराया गया। भारत सरकार ने दिसंबर 2019 में पारित किए गए एक अधिनियम के माधयम से दमन तथा दीव एवं दादरा तथा नगर हवेली को एक इकाई के रूप मे विलय कर दिया है।

इस केंद्र-शासित क्षेत्र में भाजपा ने दो प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया, जिनमें 200 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: दमन
जनसंख्या: 2.43 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 112 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 1 (1)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 2
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 12

(ऊपर और नीचे)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव के साथ दमन के प्रशिक्षण शिविर में भाजपा नेता और कार्यकर्ता।

दिल्ली

दिल्ली, आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी), एक महानगर और भारत का केंद्र-शासित क्षेत्र है और यह देश की राजधानी भी है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक पूरी एनसीटी की जनसंख्या लगभग 1.68 करोड़ है और इस तरह, यह मुंबई के बाद दूसरा सबसे बड़ा महानगर है। एक केंद्र-शासित क्षेत्र होते हुए भी दिल्ली के पास अपनी विधानसभा, हाईकोर्ट और एक मंत्रिपरिषद है, जिसका मुखिया मुख्यमंत्री होता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का राजनीतिक प्रशासन एक राज्य की तरह ही है। माना जाता है कि महाकाव्य महाभारत में पांडवों की प्रसिद्ध राजधानी इंद्रप्रस्थ दिल्ली ही है।

भाजपा ने वर्ष 2015 से दिल्ली में लगभग 272 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 25,000 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राजधानी: दिल्ली
जनसंख्या: 1.68 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 1,484 वर्ग किलोमीटर
कुल विधानसभा सीटें: 70 (4)
कुल लोकसभा सीटें: 7 (7)
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 14
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 280

(ऊपर)
प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी का स्वागत करते पार्टी कार्यकर्ता।
(नीचे और सामने वाला पृष्ठ)
दिल्ली के प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते कार्यकर्ता।

भारतीय
दो दि

(ऊपर)
दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में तस्वीर खिंचवाते हुए।

(दाएँ)
प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित महिला कार्यकर्ता।

(सामने वाला पृष्ठ)
दिल्ली भाजपा इकाई के पूर्व अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय महिला मोर्चा के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते हुए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
प्रशिक्षण महाभियान
प्रशिक्षण शिविर – महिला मोर्चा
रविवार 4 फरवरी, 2018

लक्षद्वीप

केंद्र-शासित क्षेत्र लक्षद्वीप का नाम संस्कृत शब्द लक्ष: द्वीप (लाख द्वीप) से प्रेरित है। यह लक्षद्वीप सागर में मिनीकॉय और अमीनीदीवी द्वीपों का समूह है। इस केंद्र शासित क्षेत्र का गठन 1956 में किया गया था। यहाँ पर मलयालमभाषी लोगों की बहुसंख्या है, मिनीकॉय में माही ज्यादा बोली जाती है।

36 द्वीपों वाले इस केंद्र-शासित क्षेत्र की भाजपा इकाई ने यहाँ नौ प्रशिक्षण शिविर लगाए, जिनमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन कार्यकर्ताओं को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराया गया।

राजधानी: कवरत्ती
जनसंख्या: 65,500 हजार (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 32 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 1 (भाजपा : 0)

(ऊपर)
केंद्र-शासित क्षेत्र लक्षद्वीप के भाजपा नेता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते हुए।

(नीचे)
पारंपरिक वेशभूषा में प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करती लक्ष्यद्वीप की कार्यकर्ता।

पुडुचेरी

पुडुचेरी को पहले पांडिचेरी के नाम से जाना जाता था। पूर्व में फ्रेंच भारत के समय के चार क्षेत्रों–पांडिचेरी, कराईकल, माहे और यनम को मिलाकर इस केंद्र–शासित क्षेत्र का गठन हुआ है। पुडुचेरी देश के केंद्र–शासित क्षेत्रों में तीसरा सबसे सघन जनसंख्या वाला क्षेत्र है। इसे भारतीय गणराज्य को 1 नवंबर, 1954 को हस्तांतरित किया गया था, जबकि 16 अगस्त, 1962 को वैधानिक रूप से यह भारतीय गणराज्य का हिस्सा बना। श्रीअरविंदो आश्रम और ओरोविल भारत के साथ पूरी दुनिया के पर्यटकों के आकर्षण के केंद्र हैं। ●

राजधानी: पुडुचेरी
जनसंख्या: 12.45 लाख (2011 की जनगणना के अनुसार)
क्षेत्रफल: 562 वर्ग किलोमीटर
कुल लोकसभा सीटें: 1
भाजपा जिला प्रशिक्षण: 6
भाजपा मंडल प्रशिक्षण: 30

(ऊपर)
पुडुचेरी के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते कार्यकर्ता। प्रशिक्षण सत्र में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मोर्चा, विभाग और प्रकल्प

महिला मोर्चा

वैदिक काल से ही राष्ट्र निर्माण में भारतीय महिलाओं की भूमिका और योगदान को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी हमेशा से इन्हें बराबर का अधिकार देने की पक्षधर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' का आह्वान भी सबकी भागीदारी और सबके विकास को लेकर है, जिसमें महिलाएँ भी सम्मिलित हैं। भारतीय महिलाओं की क्षमता में वृद्धि करने के लिए, उन्हें नेता, उद्यमी, वैज्ञानिक और सामाजिक बदलाव की वाहक बनाने तथा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने हेतु भाजपा सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए कई कार्यक्रमों की शुरुआत की है। पार्टी के काम करने के तरीकों में भी सुधार किया गया है। कुशल प्रशिक्षण का ही नतीजा है कि पार्टी के महिला मोर्चे से जुड़ी कार्यकर्ता आज न केवल चुनाव तथा मीडिया प्रबंधन में कुशल हैं, बल्कि सरकार के कल्याणकारी कामकाज को लोगों तक ले जा रही हैं तथा देश के दूरस्थ इलाकों में रह रही महिलाओं को भी आवाज दे रही हैं।

(दाएँ, ऊपर)
राष्ट्रीय महिला मोर्चा सम्मेलन की प्रारंभिक बैठक की तस्वीर।

(दाएँ)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव का स्वागत

(सामने वाला पृष्ठ)
श्री मुरलीधर राव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी तथा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तथा श्रीमती विजया राहटकर, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यसूची निर्धारित करने के लिए प्रशिक्षण विभाग की तैयारी की बैठक में

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान
महिला मोर्चा प्रशिक्षण बैठक 2017
BLOOMS

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

(ऊपर)
प्रशिक्षण सत्र के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती विजया राहटकर उत्तर प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल का अभिनंदन करते हुए।

(ऊपर दाएँ)
श्री कैलाश विजय वर्गीय, राष्ट्रीय महासचिव, प्रशिक्षण के एक सत्र की अध्यक्षता करते हुए

(सामने वाला पृष्ठ, ऊपर और दाएँ)
दिल्ली, एनसीआर में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में भाग लेतीं महिला कार्यकर्ता।

किसान मोर्चा

पारंपरिक रूप से कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण देश की दो-तिहाई जनसंख्या आज भी अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। विनिर्माण उद्योग की आय का पचास प्रतिशत कृषि आधारित उद्योगों से प्राप्त होता है। इसीलिए जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार सत्ता में आई, तो उसने भारतीय कृषि की दशा बदलने के लिए पाँच मुद्दों पर ध्यान दिया था-आसान ऋण, पारदर्शी और कुशल बाजार, वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग, कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना तथा किसानों की जीवन स्थिति सुधारना। मोदी सरकार ने इन कल्याणकारी कार्यक्रमों पर और जोरदार ढंग से काम किया है और वह समेकित कृषि, जियो मैपिंग कृषि तथा सोलर ड्रायर तकनीक के जरिये 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं का, जो कि ग्रामीण इलाकों में किसानों के साथ काम कर रहे हैं, प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर एवं मंडलों में आयोजित किया गया।

(दाएँ, ऊपर)
किसान मोर्चा के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह मस्त दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन करते हुए। उनके साथ हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुभाष बराला, श्री ओ.पी. दिनकर, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती सुधा यादव भी दिख रही हैं।

(दाएँ)
श्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय महासचिव, किसान मोर्चा के एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधन करते हुए

(सामने वाला पृष्ठ)
राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए किसान मोर्चा की तैयारी।

(ऊपर)
श्री शिव प्रकाश सह (संगठन) महामंत्री भाजपा का अभिवादन करते हुए किसान मोर्चा के नेता

(दाएँ ओर ऊपर और नीचे)
किसान मोर्चा के प्रशिक्षण शिविर में देश के किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा

(सामने वाला पृष्ठ)
केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह और पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव किसान मोर्चा की बैठक में भाग लेते हुए।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभिय
किसान मोर्चा प्रशिक्षण कार्यक्रम 2017
दिनांक : 12 अक्टूबर 2017, स्थानः 11 अशोक रोड, नई दिल्ली

शहरी स्थानीय निकाय

गाँवों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का उद्देश्य बुनियादी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करना और राजनीतिक कार्यकर्ता तैयार करना है, जो लोगों की इच्छाओं को पूरा कर उन्हें संतुष्ट कर सके। यह क्षमता निर्माण तथा अगले स्तर के नेतृत्व तैयार करने के लिए भी उतना ही महत्त्वपूर्ण हो जाता है। इसके महत्त्व को समझते हुए भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसने 2015 से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत गति पकड़ी, समुदाय के हर व्यक्ति को सम्मिलित किया गया। दूसरे चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्थानीय शहरी निकायों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं तथा भाजपा के निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के विशेष प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों में कौशल विकास पर जोर देना तथा उनमें लोगों के लिए काम करने का उत्साह और जोश पैदा करना है। इसकी विषय-सूची में वैधानिक प्रावधान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के अधिकार व कर्तव्य और कुशल प्रशासन व कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शहरी निकायों तथा केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय को भी सम्मिलित किया गया है।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
शहरी स्थानीय निकायों की नई दिल्ली में आयोजित तैयारी बैठक की तस्वीरें।

Pt. Deendayal Upadhyay Prashikshan Mahabhiyan
Phase-II
BJP Urban Local Bodies Members Training Program 2017
Venue: Ashoka Road
w Delhi
BLOOMS

पंचायत मोर्चा

जिस देश की 70 प्रतिशत से अधिक जनता गाँवों में रहती है, ऐसे में किसी भी देश के लिए एक कल्याणकारी देश बनना तब तक संभव नहीं है जब तक सुदूर तथा कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों के विकास को गति नहीं मिलेगी। पंचायतें, जो कि दुनिया में किसी भी ज्ञात लोकतांत्रिक संस्था से पुरानी तथा भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों में स्थानीय शासन की प्राचीन प्रणालियाँ हैं, हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के माध्यम हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के दूसरे चरण में पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण मुख्य केन्द्रीय बिन्दुओं में से एक था। प्रशिक्षण सत्र में जिन मुख्य विषयों पर जोर दिया गया, उनमें जवाबदेह प्रशासन की कुंजी, ग्राम पंचायतों में नौजवानों तथा महिलाओं की भूमिका, पंचायतों के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रांतीय व केंद्रीय योजनाएँ और वित्तीय समावेशन सम्मिलित हैं।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
ग्रामीण स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय शिविर में राष्ट्रीय संयोजक डॉ. महेश चंद्र शर्मा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पी. मुरलीधर राव प्रशिक्षण विभाग के अन्य सदस्यों के साथ एक बैठक में भाग लेते हुए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
Pt. Deendayal Upadhaya Parshikshan Mahabhiyan
Phase II
BJP Local Bodies Representatives Traning Programe 2017
Date: 9th M 17 - Venue: 11 Asho ad, New Delhi
BLOOMS

ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा

अन्य पिछड़ी जातियों के लोगों की बेहतरी के लिए काम करने की आवश्यकता महसूस करते हुए अपनी पहुँच बढ़ाने तथा समाज के हर समूह तक विकास के काम को ले जाने के लिए भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले 2015 में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा बनाया। पार्टी अध्यक्ष श्री अमित शाह समेत शीर्ष पार्टी नेता देश के विभिन्न राज्यों का दौरा लगातार करते रहते हैं। अन्य पिछड़ी जातियों के लोगों से संपर्क रखना, उनकी समस्याओं को समझना, उनका समाधान करना और निरंतर अन्य पिछड़ी जाति वर्ग की बेहतरी के ऐसे समावेशी समाधान खोजना – जो सबको मान्य हों, भाजपा के नेतृत्व का निरंतर प्रयास रहता है। अन्य पिछड़ा वर्ग के साथियों के समग्र विकास के लिए भाजपा कृतसंकल्प है। इसी कड़ी में प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के साथियों की समस्याओं के समाधान हेतु और उन्हें और शक्ति प्रदान करने के लिए ओ.बी. सी. मोर्चा के लिए प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार की गयी।

(दाएँ)
ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा और केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग के प्रतिनिधि अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के लिए प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करते हुए तैयारी की बैठक में।

महाभियान
ता पार्टी
बैठक
दिल्ली

युवा मोर्चा

आज भारतीय युवा जीवन के हर क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के झंडे गाड़ रहे हैं। ऐसे में, यह भविष्यवाणी करना गलत नहीं होगा कि आज के भारतीय युवा देश को गौरवान्वित करने के साथ-साथ भविष्य में वैश्विक नेता भी बनेंगे। इस नजरिये के साथ पार्टी अपने ऊर्जावान युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की मदद से युवाओं में अपना जनाधार बढ़ा रही है। युवा मोर्चा द्वारा योग क्रांति, कौशल क्रांति, निर्माण क्रांति, कन्या शक्ति क्रांति और स्वच्छता क्रांति जैसे पंच क्रांति अभियान का पूरे देश में आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा, नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों के प्रचार के लिए सैकड़ों बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इनके जरिये देश में चल रहे सामाजिक, आर्थिक कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में युवा मोर्चा की पहली बैठक हुई, जिसमें देश भर से आए 12,000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उसके बाद शिमला, गुजरात, चंडीगढ़, जोधपुर तथा मुंबई समेत देश के दूसरे इलाकों में ऐसी ही बैठकें हुईं।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
युवा मोर्चा के नौजवान नेता और प्रशिक्षण विभाग के सदस्य आने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रशिक्षण मापदंडों को लेकर विचार-विमर्श करते हुए।

BLOOMS

बुनकर एवं दस्तकारी प्रकोष्ठ प्रशिक्षण कार्यक्रम

आंध्र प्रदेश की कलमकारी से लेकर उत्तर प्रदेश की चिकनकारी तक हमारे देश के प्रत्येक राज्य में ग्रामीण कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक अनूठे हस्त-शिल्प उत्पाद तैयार किए जाते हैं। भारत के पास 5,000 सालों से भी अधिक पुरानी बुनकर परंपरा का इतिहास है और आज भी दुनिया भर में हाथ से बुने कपड़ों में 90 फीसदी से भी अधिक भारत में बनते हैं। पावर लूम की आमद ने सस्ते उत्पादों को सुगम बना दिया और हाथ से बने कपड़ों का बाजार पिछड़ता चला गया। देश के इस दम तोड़ते कला रूप को नया जीवन देने के लिए भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान बुनकर प्रकोष्ठ के सदस्यों के प्रशिक्षण के बिना अधूरा रह जाता। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हें पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों की प्रशिक्षण के अलावा एक बार फिर उनकी जिम्मेदारियों का स्मरण कराया गया कि उन्हें दस्तकारों की मदद करनी है और समाप्त हो रही बुनाई तकनीक को नई मजबूती देनी है, उसे ऊपर उठाना है।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
बुनकरों और दस्तकारों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण शिविर के लिए चिंतन बैठक करते हुए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
प. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान
बुनकर
BLOOMS

अनुसूचित जाति मोर्चा

सदियों पहले पारिवारिक व्यवसाय के आधार पर भारतीय वर्ण-व्यवस्था तय हुई थी, जो समय के साथ-साथ एक गलत सामाजिक परंपराओं में बदल गई। इसलिए लोगों की बेहतरी के लिए शुरू किया गया हरेक कल्याणकारी कार्यक्रम अनुसूचित जातियों को ध्यान में रखकर बनाया गया। अनुसूचित जातियों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से पार्टी ने अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चे का गठन किया। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी और अनुसूचित जाति सम्मेलनों के आयोजनों के अलावा पार्टी हर साल दिल्ली व राज्यों की राजधानियों में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की जयंती भी मनाती है, जिन्हें अनुसूचित जातियों का मसीहा और भारतीय संविधान का जनक माना जाता है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर इस मोर्चे ने कई तरह के कार्यक्रम किए। इनमें देश भर के सांसदों, विधायकों, राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण विभाग ने अनुसूचित जाति मोर्चा के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जो देश भर के अनुसूचित जाति वर्ग के भाई-बहनों को और सशक्त करने में सहायता करे और सब को साथ लेकर देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करे।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
अनुसूचित जाति मोर्चा की तैयारी बैठक में भाग लेते प्रतिनिधि।

पं. दीनदयाल उपाध्याय
1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
प. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान
अनुसूचित जाति मोर्चा
राष्ट्रीय प्रशिक्षण चिंतन बैठक
: 11, अशोक रोड़,
: 09.02.2018
B.
J.
P.

अनुसूचित जनजाति मोर्चा

भारत में आदिवासी, जिन्हें हम अनुसूचित जनजाति (एसटी) भी कहते हैं, जनसंख्या का 8.6 फीसदी हिस्सा हैं। भाजपा ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चे का गठन आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण तथा उनके समग्र विकास हेतु योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत करने के लिए किया। आरम्भ से ही आदिवासियों को विकास की मुख्यधारा में लाने और उनकी आनुवंशिक क्षमता को दुनिया को दिखाने के लिए एसटी मोर्चे के कार्यकर्ता कड़ी मेहनत कर रहे हैं। संविधान और एक के बाद एक आई सरकारों ने उनके विकास के लिए अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम भी चलाए, मगर आदिवासी समुदाय का बड़ा हिस्सा अब भी इन योजनाओं के बारे में अवगत नहीं है। एसटी मोर्चा अनुसूचित जनजाति के बीच उनकी बेहतरी के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में उन्हें जागरूक करने के लिए देश भर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

(दाएँ)
राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए खाका तय करने हेतु अनुसूचित जनजाति के नेता नई दिल्ली में बैठक करते हुए।

(सामने वाला पृष्ठ)
श्री सुनील पांडेय, श्री महेश चंद्र शर्मा, श्री पी. मुरलीधर राव अनुसूचित जनजाति मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916
2016
जन्म शताब्दी वर्ष
प. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान
राष्ट्रीय प्रशिक्षण चिंतन बैठक
09.02.2018
B.J.P.
Bisleri

सांसदों का प्रशिक्षण

सुप्रसिद्ध सूरजकुंड मेला स्थल पर भाजपा ने पहली बार लोकसभा व राज्यसभा पहुँचे अपने सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों का मार्गदर्शन किया कि किस तरह से सार्वजनिक जीवन में अपना स्तर बनाए रखा जाए और वे लोगों तक सुशासन को लेकर जाएँ। उन्होंने कहा, ''भाजपा के लिए प्रशिक्षण कोई अनुष्ठान नहीं, बल्कि क्षमता निर्माण की एक पुरानी व मजबूत परंपरा है।''

सांसदों से नकारात्मकता मिटाने का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे एक ऐसा दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा जिसमें सबका साथ समाहित हो तथा साथियों की भावना का आदर हो। उन्होनें सांसदों से कहा कि वह अपने कर्तव्यों को एक अभियान के दृष्टिकोण से देखें तथा प्रथम बार बने सांसदों से विषयों की गहरी समझ के लिए खुद से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। पार्टी अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने इन सांसदों से सदन में व्यवस्था और अनुशासन का पालन करने का भी अनुरोध किया।

(दाएँ, ऊपर)
सूरजकुंड में पहली बार सांसद चुने गए कार्याकताओं के प्रशिक्षण शिविर में केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह का स्वागत।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
पहली बार सांसद बने सदस्यों की प्रशिक्षण के लिए फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित प्रशिक्षण सत्र उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं के साथ शासन के संदेश को जनता तक ले जाने का गुर सिखाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनता से जुड़ी प्रतिबद्धताओं के बारे में सांसदों का मार्गदर्शन किया।

(बाएँ, ऊपर)
श्री नरेंद्र मोदी एक कार्यकर्ता के रूप में प्रथम बार निर्वाचित सांसदों के प्रशिक्षण में

(बाएँ, नीचे)
डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृह मंत्री, तथा श्री जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष, 3 और 4 अगस्त 2019 को आयोजित प्रथम बार निर्वाचित सांसदों की बैठक में साहित्य जारी करते हुए

(बाएँ, नीचे)
17वीं लोकसभा में प्रथम बार निर्वाचित सांसदों का प्रशिक्षण शिविर

(सामने वाला पृष्ठ)
17 वीं लोकसभा के लिए संसद के निर्वाचित सदस्यों के लिए प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्ति केंद्रीय मंत्री और सदन राज्यसभा के नेता श्री थावर चंद गहलोत, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा।

विधायकों और विधान पार्षदों का प्रशिक्षण

सुशासन, क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का निदान, वक्त पर राशि-निर्गमन सुनिश्चित करना, विकास परियोजनाओं पर अमल और जन-कल्याणकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन आदि कुछ ऐसी चीजें थीं, जिनके बारे में देश भर के सभी राज्यों के विधायकों और विधान पार्षदों को उनके लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि वह सभी अपने क्षेत्र की तरक्की और समृद्धि में एक विधायक कितनी असरदार भूमिका निभा सकता है। अगर वह तमाम उपलब्ध मौकों का प्रयोग करे और सदन के विधायी, वित्तीय और दूसरे कामों में सक्रियता व ऊर्जा के साथ भाग ले, तो वह अपने क्षेत्र की कायाकल्प कर सकते हैं। विधायकों से कहा गया कि वे देश के संविधान को गहराई से समझें और भाजपा विधायक के तौर पर अपने कर्तव्यों के निर्वाह के वैचारिक रूप में प्रतिबद्ध बनें।

(दाएँ, ऊपर)
पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की केन्द्रीय टीम में सम्मिलित डॉ. महेश चंद्र शर्मा, श्री पी. मुरलीधर राव, डॉ. आर बालाशंकर, श्री सुनील पांडेय और श्री हेमंत गोस्वामी विधायकों और विधान पार्षदों का प्रशिक्षण के मुद्दों पर नई दिल्ली में विचार-विमर्श करते हुए।

(दाएँ और सामने वाला पृष्ठ)
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते हुए असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल। बाद में श्री अमित शाह ने नवनिर्वाचित विधायकों को संबोधित किया।

निजी सचिव और निजी सहायक का प्रशिक्षण

निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों से संपर्क के लिए पर्सनल असिस्टेंट्स (पीए) और पर्सनल सेक्रेटरी (पीएस) यानी निजी सहायक और निजी सचिव ही वह संपर्क बिंदु होते हैं, जिनके पास सहयोग के लिए जनता, सहयोगी और सरकारी अधिकारी संपर्क करते हैं। इसलिए निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के पीए/पीएस को इतना दक्ष होना चाहिए कि वह जन-प्रतिनिधि की चिठ्ठी-पत्री और प्रशासनिक काम को देख सके, ताकि सांसद या विधायक रणनीतिक चुनौतियों के बारे में सोचने के लिए स्वतंत्र रह सकें। पीए/पीएस की इन सभी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए ही उनके लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य जोर उनके व्यक्तित्व के विकास के साथ-साथ उनकी प्रबंधकीय योग्यता और व्यवहार कौशल को निखारने पर रहा। दो दिन के ये प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए गए, जिनमें वे संसदीय साधनों से परिचित हुए और उन्हें कार्य-प्रणाली के बारे में समझाया गया।

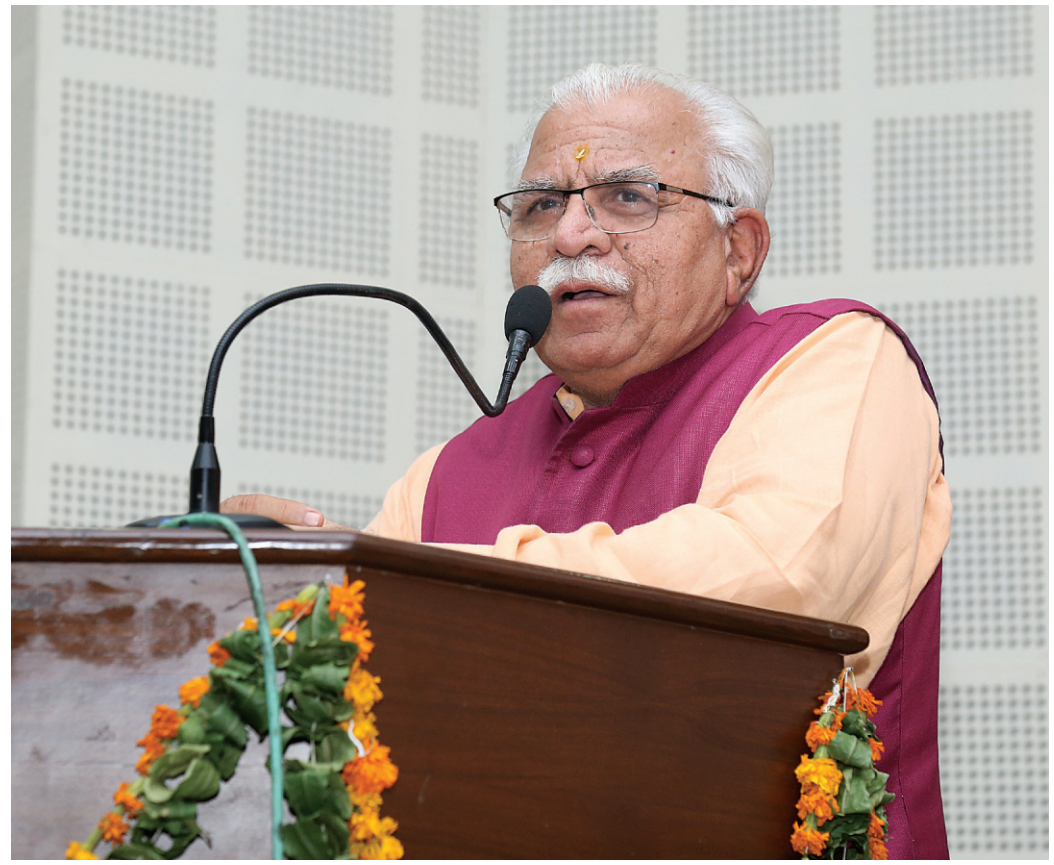

(दाएँ, ऊपर)
प्रशिक्षण शिविर में निजी सहायकों और निजी सचिवों को संबोधित करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर।

(दाएँ, नीचे)
पीए और पीएस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण विभाग के प्रतिनिधि।

(सामने वाला पृष्ठ)
पीए-पीएस के प्रशिक्षण शिविर का संवाद सत्र।

मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रशिक्षण

सामाजिक तथा राजनीतिक अभियान, वैश्विक फलक में अपनी उपस्थिति बढाने तथा अपने विरोधियों का सामना करने के लिए मीडिया तथा नई मीडिया का प्रयोग भारतीय जनता पार्टी के लिए जरा सा भी नया नहीं है। भाजपा ने संचार के इस माध्यम के महत्त्व को समझा और इसलिए पार्टी ने मीडिया और सोशल मीडिया विभाग के गठन का निर्णय किया, जो विभिन्न संचार माध्यमों के जरिये इसके विचारों, गतिविधियों और कार्यों को लोगों तक पहुँचा सके। इस संचार माध्यम की बारीकियों को समझने के लिए इस विभाग के लोगों का प्रशिक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण था। सम्बन्धित कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए नई दिल्ली में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें एक बार फिर पार्टी की विचारधारा के बारे में बताया गया और मीडिया के प्रयोग से पार्टी के सिद्धांतों व नीतियों के प्रसार में उनकी भूमिका उन्हें याद दिलाई गई।

(दाएँ, ऊपर)
भाजपा महासचिव (संगठन) श्री रामलाल, सरदार आर.पी. सिंह, श्री संबित पात्रा, श्री सुधांशु त्रिवेदी और श्री जी.वी.एल. नरसिम्हा राव के साथ मीडिया व सोशल मीडिया प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते हुए।

(दाएँ, नीचे)
मीडिया व सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों के लिए नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का दृश्य।

(सामने वाला पृष्ठ)
प्रशिक्षण शिविर में केन्द्रीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल का स्वागत करते भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी श्री संजय मयूख। साथ में बैठे हैं भाजपा महासचिव (संगठन) श्री रामलाल।

सहकारी प्रकोष्ठ

सहकारी संगठनों का गठन लोगों ने अपनी साझा आकांक्षाओं व आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया। चूंकि देश में अनेक सहकारी संगठन कार्यरत हैं, ऐसे में पार्टी ने सहकारिता के क्षेत्र में भी अपना आधार सुदृढ़ करने का निर्णय किया, ताकि लोगों को उनके सपने पूरे करने में सहयोग किया जा सके। देश भर के सहकारी क्षेत्र के नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक अनोखे प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई, ताकि विभिन्न स्तरों पर, चाहे वह राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिला या उससे भी निचले स्तर पर हो, सहकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे लोग इन्हें पेशेवर ढंग से और कुशलता से चला सकें। इसकी रूपरेखा इस तरह से तैयार की गई है, ताकि प्रशिक्षणार्थी भी अधिकतम लाभ हासिल कर सकें। कार्यकर्ताओं को इस तरह से प्रशिक्षित किया गया है कि वे लोगों को इसके नियम-कानूनों के बारे में भी जागरूक कर सकें।

(दाएँ)
सहकारी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ प्रतिनिधि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की टीम के साथ एक तैयारी बैठक में जहाँ पर प्रशिक्षण पाठ्यकम तथा कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

छोटे मन से कोई
बड़ा नहीं होता,
टूटे मन से कोई
खड़ा नहीं होता

विभाग एवं प्रकल्प प्रशिक्षण

भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न प्रकल्पों और विभागों में काम करने वाले लोगों को भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया। इसका उद्देश्य था, उन्हें पार्टी की विचारधारा की ओर प्रवृत्त करना; सरकार के साथ समन्वय में दक्ष बनाना; पार्टी कार्यकर्ताओं और मंत्रियों के बीच के संचार तंत्र के बारे में बताना और आचार संहिता के बारे में सिखाना; इसके अलावा, उन्हें राजनीतिक-वैचारिक पत्रिकाओं व प्रकाशनों के बारे में बताना और खास राज्य/क्षेत्र के भू-राजनीतिक विकास क्रम-संबंधित साहित्य से अवगत कराना। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पार्टी के विभिन्न विभागों, प्रकोष्ठों और प्रकल्पों में काम कर रहे लोगों के लिए आयोजित किए गए थे। इनमें सुशासन, पॉलिसी रिसर्च, मीडिया, कार्यक्रम और सम्मेलन, पुस्तकालय, पब्लिसिटी, समन्वय, चुनाव आयोग, विधि, प्रकाशन, सोशल मीडिया, अंतरराष्ट्रीय संबंध जैसे विभाग से जुड़े लोग तो सम्मिलित हुए ही, आजीवन सहयोग निधि, परियोजना/कार्यालय आधुनिकीकरण, स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे, संपर्क अभियान और सहयोग जैसे विभागों में काम करने वाले भी सम्मिलित हुए।

(ऊपर)

श्री अमित मालवीय, संयोजक आईटी और सोशल मीडिया, श्री रघुनन्दन शर्मा, डॉ. शिव शक्ति बक्शी, समन्वयक-प्रकाशन और पार्टी पत्रिका, श्री हेमंत गोस्वामी और प्रशिक्षण विभाग के डॉ. आर. बालाशंकर तथा अन्य 28 जून, 2018 को दिल्ली में विभागों और प्रकल्पों के प्रतिनिधियों के साथ

(नीचे)

श्री सुनील पाण्डेय, सह-संयोजक, प्रशिक्षण विभाग, श्री राजेन्द्र अशोक फड़के, संयोजक, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, श्री जगदीप धनखड़, संयोजक विधि प्रकोष्ठ, श्री असीरवाथम आचार्य, सह-संयोजक, प्रलेखन और पुस्तकालय, विभाग एवं प्रकल्प के प्रतिनिधियों के साथ 28 जून, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण शिविर की तस्वीरें।

(ऊपर)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री हेमंत गोस्वामी, डॉ. महेश चंद्र शर्मा, श्री पी. मुरलीधर राव, श्री सुनील पांडेय के साथ विभाग एवं प्रकल्प के राष्ट्रीय प्रभारी श्री अरविंद मेनन विभिन्न प्रतिनिधियों से नई दिल्ली में संवाद करते हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीक का प्रयोग

भारतीय जनता पार्टी की प्रशिक्षण शाखा–पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान पार्टी की क्षमता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए तकनीक व आधुनिक उपकरणों का प्रयोग करती है। एक विशेष सर्वर के साथ भाजपा के प्रशिक्षण विभाग ने 'अत्यधिक आधुनिक सॉफ्टवेयर' और मोबाइल एप भी विकसित किए हैं, जो देश के सुदूर कोने में भी प्रशिक्षण की प्रगति तथा इसके सूक्ष्म विवरणों का पता लगाया जा सके।

इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग कार्यक्रमों में भागीदारी करने वालों के विवरण दर्ज करने, डाटा रिकॉर्डिंग व विश्लेषण और खास तरह की रिपोर्ट तैयार करने के लिए होता है।

(नीचे)
प्रतिभागियों के आंकड़े को लेने के लिए तथा सुगम पंजीकरण के लिए मोबाइल फोन तथा पीसी एप्लीकेशन के स्क्रीनशॉट

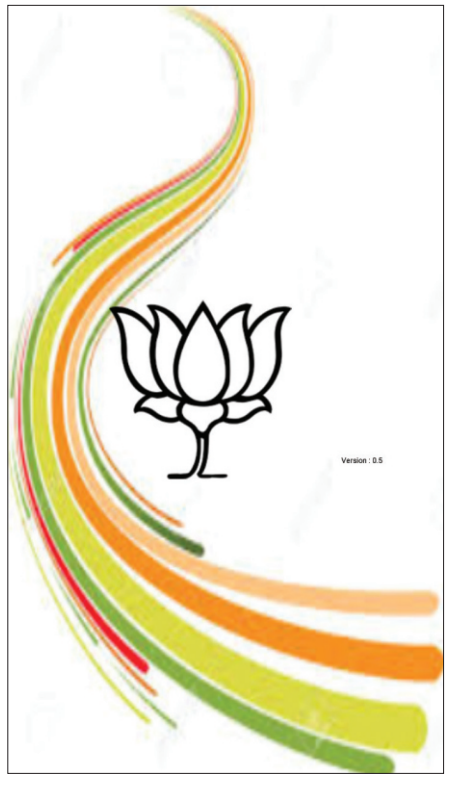

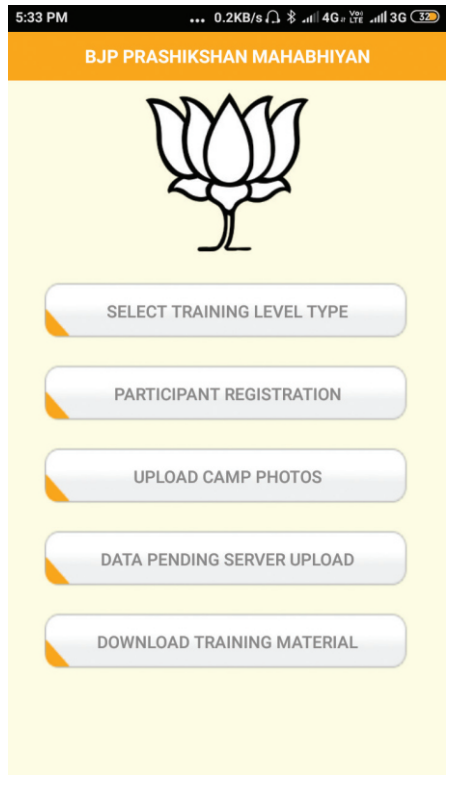

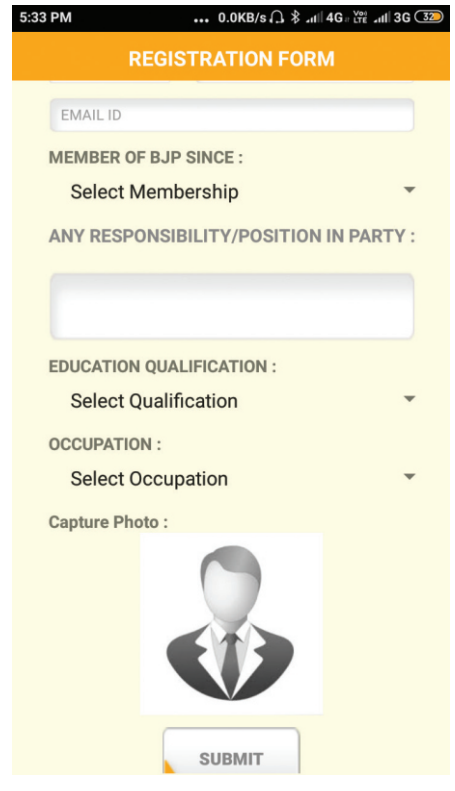

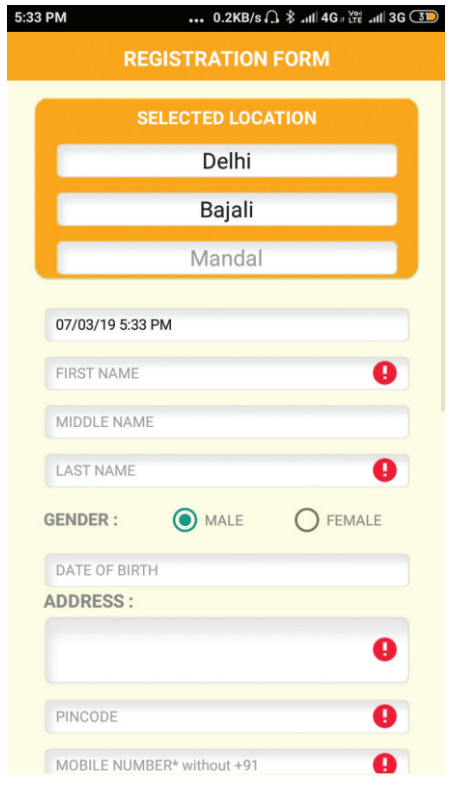

वैचारिक

आधार

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

हमारी भारतीय परंपरा जो दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति है। भाषा, धर्म और भूगोल की सरहदों से परे जाकर हमें यह सीख देती है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' अर्थात् माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है और 'पृथ्वी हमारी माता है और हम उसकी संतान है। 'वंदे मातरम्' वैदिक सूक्ति, 'माता भूमि पुत्रे अहं पृथिव्या' की ही समकालीन अभिव्यक्ति है। हम सब धरती माता की संतानें हैं, इसलिए हम सबमें एकात्मता होनी चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण भाव उसके नारे-'भारत माता की जय' में निहित है। पार्टी कार्यकर्ता अखंड भारत की दिशा में काम करते हैं। यह एक राजनीतिक नारा भर नहीं, बल्कि यह हमारा लक्ष्य है, जैसा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते थे। भारत की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रवाद इसकी रचनात्मक, जीवंत व सकारात्मक भावनाओं से निकले हैं। राष्ट्रवाद हमारी संस्कृति है और हममें राष्ट्रवाद की भावना स्वाभाविक रूप से पैदा होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर, 2018 को देश के स्टेट्समैन और महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की ऐतिहासिक प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का अनावरण करते हुए। यह दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है, जिसकी ऊँचाई 182 मीटर (597 फीट) है। गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बाँध के सामने स्थित है यह प्रतिमा।

चिति-राष्ट्र की आत्मा

किसी भी राष्ट्र का उत्थान और पतन उसके चिति पर निर्भर करता है, जो कि उस राष्ट्र की मनोदशा या राष्ट्र की आत्मा है। किसी भी समाज को तब अच्छा माना जाता है, जब वह अपनी राष्ट्रीय मनोदशा अथवा चिति से जुड़ा होता है। ऐसे ही, किसी समाज को तब बुरा माना जाता है, जब वह चिति के विपरीत चला जाता है। अगर हम अपने चित्त को भूल जाते हैं, तो दूसरों के गुलाम बन जाते हैं। ऐसे ही चित्त के बोध पर ही हम आजादी प्राप्त करते है।

विराट-स्वस्थ समाज की शक्ति

सभी घटक संस्थाएँ 'विराट' समाज की अन्तर्निहित एवं प्रतिरक्षात्मक शक्ति है। समाज की विराट से उत्पन्न है। विविध घटकों में पृथकता की भावना विराट को दुर्बल करती है। जहाँ राजनीतिक संप्रभुता पश्चिमी 'राष्ट्र-राज्य' नियामक शक्ति है, वहीं 'सांस्कृतिक राष्ट्र' की नियामक शक्ति चिति और विराट हैं, जो राष्ट्र का पोषण करते हैं।

विविधता का उत्सव

भारत एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है; एक ऐसा समाज, जहाँ विभिन्न सांस्कृतिक आयामों के लोग रहते हैं, जो भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलते हैं, अलग-अलग उपासना-मतों को मानते हैं, तरह-तरह की रस्मों का पालन करते हैं, अलग-अलग त्योहार मनाते हैं, इसके बावजूद हमारा सांस्कृतिक विश्वास एक है।

व्यापक विविधता के अतिरिक्त हम एक देश, एक जन और एक संस्कृति हैं। भारतीय संस्कृति 'एकम सत् विप्रः बहुधा वदंति' की अवधारणा पर विकसित हुई है। भारत में विविधता विभाजनकारी ताकत नहीं, बल्कि नियामक शक्ति है। हर समुदाय, जाति, धर्म और भाषा के लोग एक ही संस्कृति व्यक्त करते है। राष्ट्रीयता एक सामाजिक अनुभूति है।

एकात्म मानववाद

भारतीय जनता पार्टी व्यक्ति और समाज तथा समाज व निर्माता अथवा प्रकृति के बीच एकात्मकता की अपील करती है तथा समाज से इस एकात्मकता का अनुभव करने और राजनीति में इसे प्रतिबिंबित करने का आह्वान करती है। व्यष्टि (व्यक्ति) से समष्टि (समाज), सृष्टि (प्रकृति) और परमष्ठि (सर्वोच्च शक्ति) मानव के अस्तित्व में समाई हुई हैं।

राष्ट्र प्रथम

इस आदर्श में यह धारणा निहित है कि भारत जैसा समृद्ध और विविधतापूर्ण देश तभी एकजुट हो सकता है, जब इसके लोग अपनी पहचान को दूसरी किसी चीज की बजाय भारतीयता से जोड़ने को प्राथमिकता देंगे। यही वह धारणा है, जिससे भाजपा का जन्म हुआ। यह पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में विश्वास करती है, जहाँ हर भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति, समुदाय या धर्म का हो, वह सबसे पहले भारतीय है।

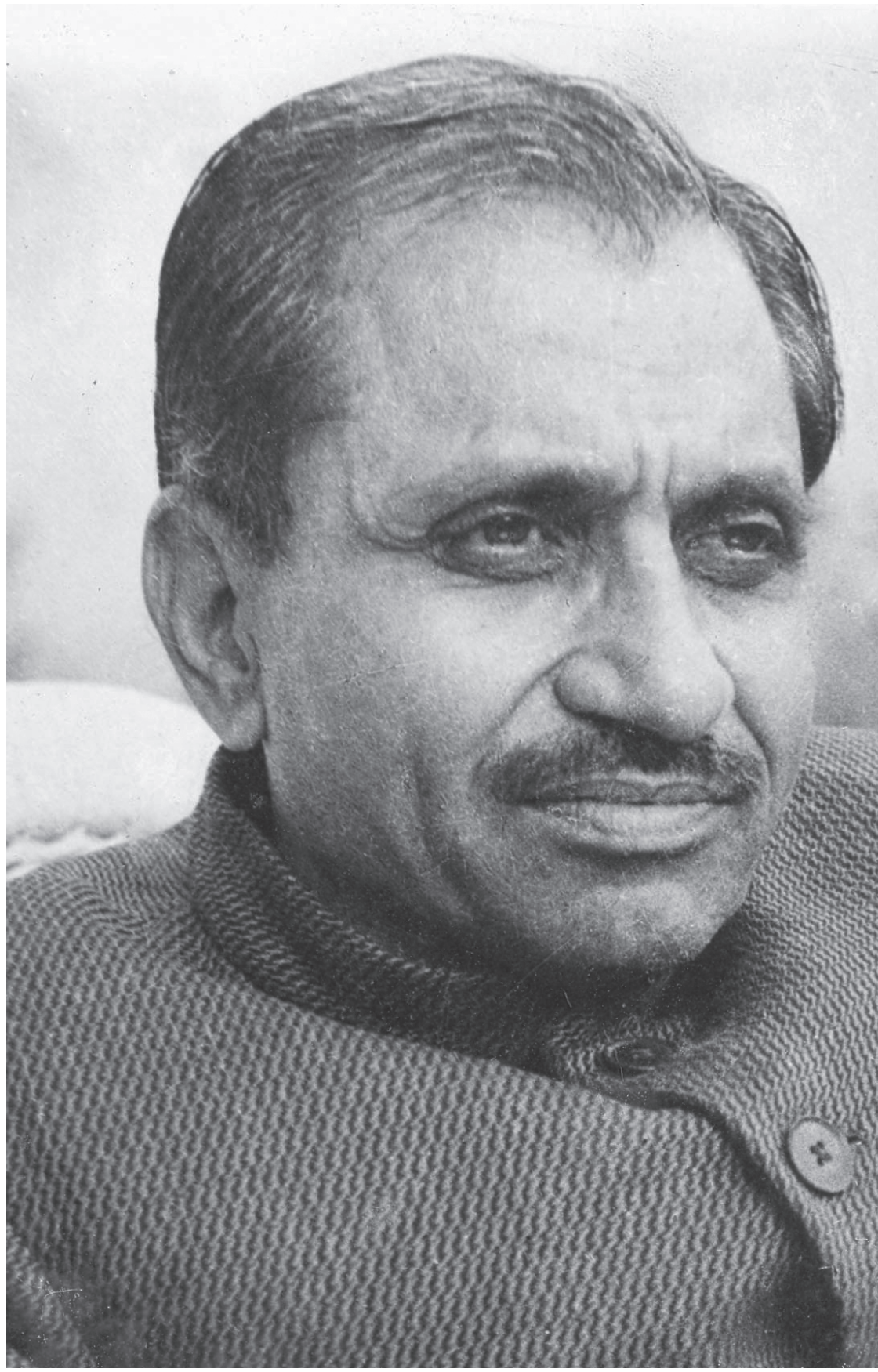

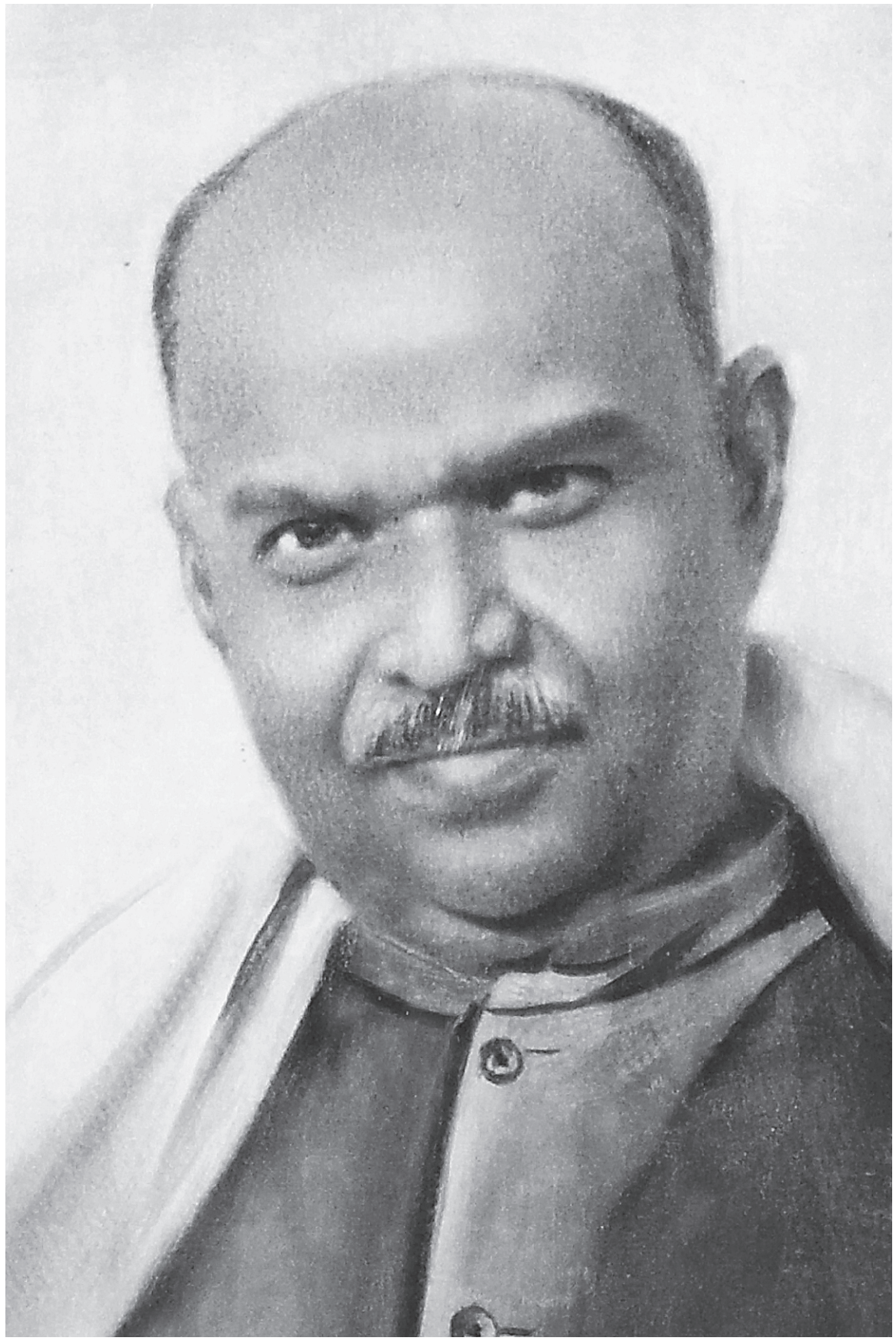

(सामने वाला पृष्ठ)
पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक।

(बाएँ)
श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष।

इस पहचान को प्राथमिकता देने पर ही भारत सांस्कृतिक और आर्थिक विश्व शक्ति के रूप में खुद को पुनः प्रतिष्ठित कर सकेगा। राष्ट्र-हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही एकजुट एवं शक्तिशाली भारत की प्रत्याभूति है, जहाँ 1.25 अरब भारतीयों में से प्रत्येक अपने रास्ते पर चलते हुए अपने अनोखे सपने को पूरा करने में भूमिका अदा करेंगे।

लोकतंत्र

लोकतंत्र भारत को पश्चिम की देन नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद स्वाभाविक रूप से लोकतांत्रिक है। जैसा कि दीनदयाल उपाध्याय ने 'लोकतंत्र के भारतीयकरण' और 'लोकमत परिष्कार' की आवधारणा को प्रस्तुत करते हुए कहा है, ''लोकतंत्र को सरकार के दो स्वरूपों-भीड़तंत्र और तानाशाही के बीच जीवित रखना कठिन है। ऐसे में, लोगों में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। यह जनमत को सम्मानित और अलंकृत करना है। यह एक सांस्कृतिक प्रक्रिया है।''

आर्थिक लोकतंत्र

भाजपा प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर, लोगों के लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में विश्वास करती है।

सुशासन

भाजपा ने सुशासन को एक ऐसे शासन के तौर पर परिभाषित किया है, जहाँ देश के विकास की दिशा तय करने के मामले में समाज के सबसे कमजोर और भंगुर हिस्से का भी समान योगदान हो। पार्टी पारदर्शिता, कुशलता और जवाबदेही के आदर्शों में विश्वास करती है और जहाँ भी वह चुनावी जीत के बाद सत्ता में आई है, वहाँ उसने इन सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है।

दरअसल, यह जनता और देश के युवा नेतृत्व के लिये वर्षों निरंतर किया गया काम है, जो भाजपा को सत्ता में ले आया है। भाजपा एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए काम कर रही है, जहाँ मतदाताओं को एक साफ-सुथरी सरकार मिले, जो भ्रष्टाचार और घोटालों से मुक्त हो।

भाजपा के लिए सरकारी कामकाज एक मिशन है, जो देश के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। सुशासन यह तय करता है कि देश के सबसे बड़े नेता और शीर्ष नौकरशाही भी देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले नागरिक के प्रति जबावदेय है।

भाजपा सरकार पूर्ण पारदर्शिता में विश्वास करती है, जिसमें राष्ट्र की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले दस्तावेजों को छोड़कर हर फाइल और सरकारी दस्तावेज जनता द्वारा जाँच करने के लिए उपलब्ध हों। पार्टी एक ऐसी साफ-सुथरी और कुशल सरकार की स्थापना के लक्ष्य में जुटी है, जो हर कदम पर नागरिकों को सक्रिय भागीदारी और जुड़ाव के लिए उन्हें आमंत्रित करती है।

भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष-

श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1951-52)
श्री प्रेम नाथ डोगरा (1955)
श्री आचार्य डी.पी. घोष (1956-59, 1962 और 1964)
श्री पीतांबर दास (1960)
श्री अवसरला रामा राव (1961)
श्री रघुवीर (1963)
श्री बछराज व्यास (1965)
श्री बलराज मधोक (1966)
श्री दीनदयाल उपाध्याय (1967-68)
श्री अटल बिहारी वाजपेयी (1968-72)
श्री लालकृष्ण आडवाणी (1973-77)

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (1980)
श्री लालकृष्ण आडवाणी (1986, 1993 और 2004-06)
श्री मुरली मनोहर जोशी (1991-93)
श्री कुशाभाऊ ठाकरे (1998-2000)
श्री बंगारू लक्ष्मण (2000)
श्री के. जना कृष्णमूर्ति (2001-02)
श्री एम. वेंकैया नायडू (2002-04)
श्री राजनाथ सिंह (2006-09 और 2013-14)
श्री नितिन गडकरी (2009-13)
श्री अमित शाह (2013 से)
श्री जे.पी. नड्डा (2019 से)

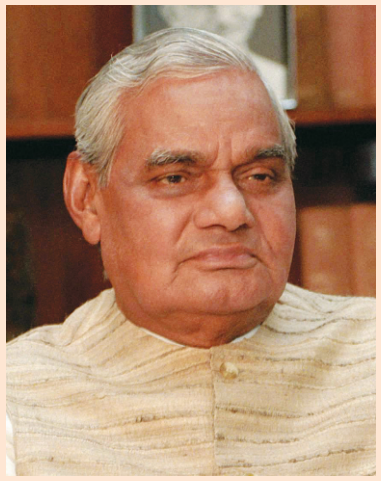

श्री अटल बिहारी वाजपेयी
1980-86

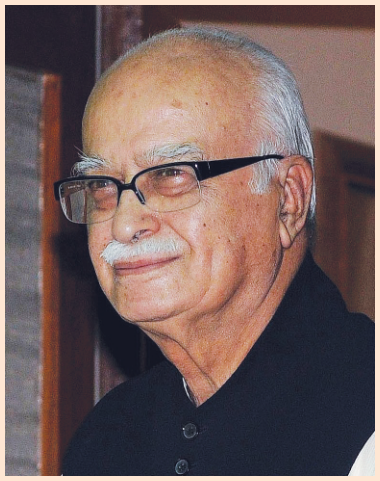

श्री लालकृष्ण आडवाणी
1986-91

श्री मुरली मनोहर जोशी
1991-93

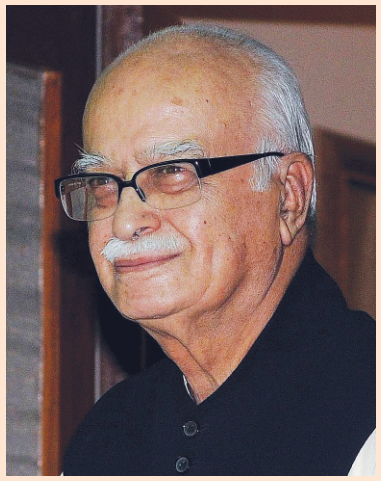

श्री लालकृष्ण आडवाणी
1993-98

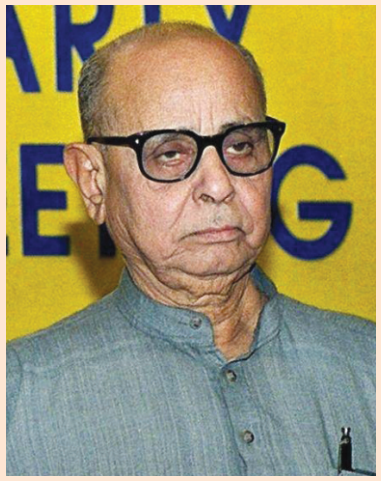

श्री कुशाभाऊ ठाकरे
1998-2000

श्री बंगारू लक्ष्मण
2000-2001

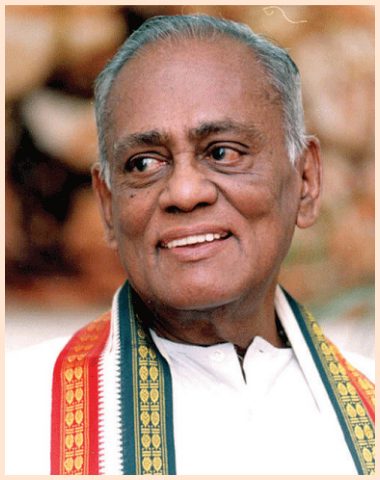

श्री के. जना कृष्णमूर्ति
2001-02

श्री एम. वेंकैया नायडू
2002-04

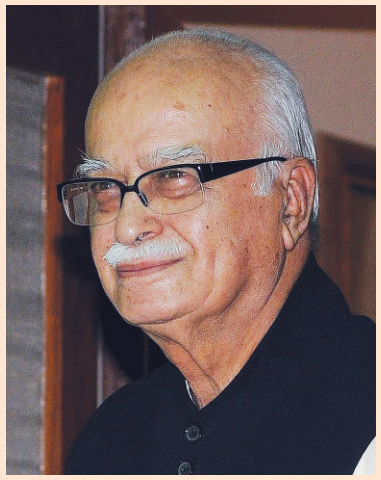

श्री लालकृष्ण आडवाणी
2004-06

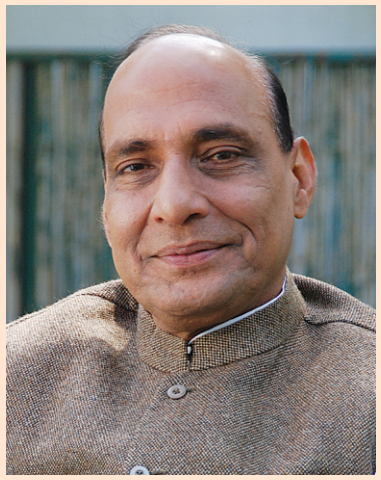

श्री राजनाथ सिंह
2006-09

श्री नितिन गडकरी
2009-13

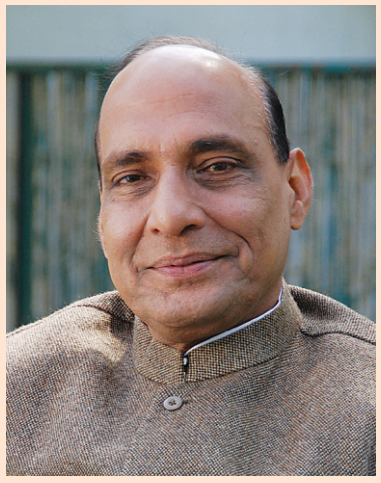

श्री राजनाथ सिंह
2013-14

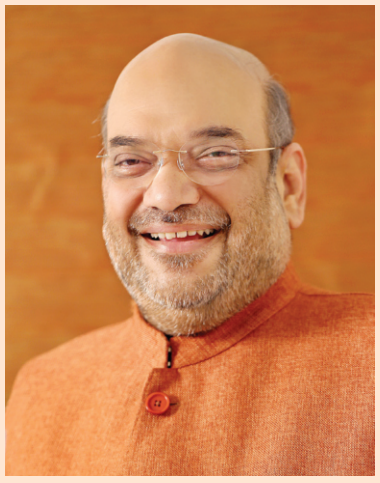

श्री अमित शाह
2013 से

श्री जे.पी. नड्डा
2019 से

कार्य प्रणाली

सामूहिकता : साझापन या 'हम की अनुभूति' विविध प्रकार के राजनैतिक और सामाजिक अभियानों को तथा राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्त्व के मुद्दों पर सफल लोक-जागरण कार्यक्रमों को संगठित करने में सहायक होती है साझापन एवं सामूहिकता की अनुभूति से ही 'टीम भावना' उत्पन्न होती है। इसी तरह, एक मजबूत संगठन तभी बनता है, जब उसके सदस्यों के बीच निरंतर संवाद चलता है। इस बात की आवश्यकता है कि हर कार्यकर्ता गंभीरता पूर्वक यह कार्य करे।

निर्णय लेना और स्वामित्व

अर्थपूर्ण, निरंतर और स्वस्थ संवाद के परिणामस्वरुप ही स्वस्थ निर्णय लिया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं के बीच निरंतर संवाद बनाए रखने, समीक्षा बैठक करने, विचार-विमर्श करने, कार्यकर्ताओं के समग्र विकास पर जोर देने, किसी भी काम की जिम्मेदारी लेने, प्रशिक्षण, यात्राओं का आयोजन करने और निरंतर आगे बढ़ते रहने की आवश्यकता है। जो लक्ष्य तय किया गया हो और जो निर्णय लिया गया हो, हर कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

स्वदेशी

एक संतुलित अर्थव्यवस्था या पंडित दीनदयाल उपाध्याय के शब्दों में 'अर्थायम' शुरू से ही पार्टी का नीति-निर्देशक सिद्धांत रहा है। केन्द्रीकृत समाजवाद या पूंजीवाद के विपरीत पार्टी अर्थव्यवस्था के 'विकेंद्रीकरण' में विश्वास करती है।

समरस समाज

पार्टी सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर समरस समाज की सोच पर विश्वास करती है, जो एक सौहार्दमूलक समाज की स्थापना की ओर ले जाती है। यह समाज शोषण से मुक्त होता है।

धर्म राज्य

भाजपा पंथनिरपेक्षता और 'सभी धर्मों को बराबर का सम्मान देने' की संस्कृति में विश्वास करती है। इसके पीछे धर्म राज्य का विचार है, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, एक ऐसा राज्य है, जहाँ हर आस्था और समुदाय के प्रति सहिष्णुता व सम्मान का भाव है; यह एक ऐसा राज्य है, जहाँ सबकी उपासना और अंतर्ज्ञान के लिए स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाती है तथा राज्य धर्म के आधार पर किसी के साथ सैद्धांतिक या व्यावहारिक रूप में भेदभाव नहीं करता। यह एक 'थियोकेटिक' (पांथिक राज्य) नहीं वरन् पंथनिरपेक्ष राज्य है।

पंचनिष्ठा

बेहतर प्रशासन के लिए पांच निष्ठाएं हैं: संवाद, संपर्क, सहयोग, समन्वय तथा समाधान - यह सभी एक उत्तरदायी प्रशासन को सुनिश्चित करते हैं।

मूल्यों की राजनीति का वादा

बिना सिद्धांत की राजनीति अव्यवस्था की ओर ले जाती है, जिसकी परिणति अंततः देश के विनाश के रूप में सामने आती है। एक एकजुट देश वह है, जहाँ नागरिक को एक समान अवसर मिलता है, जहाँ प्रतिभा और कठोर परिश्रम का सम्मान किया जाता है, जहाँ हर नागरिक आर्थिक बदलाव और उत्पादकता का वाहक है, यही भाजपा के सपनों का भारत है।

एक मजबूत भू-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के निर्माण के बाद भाजपा विश्व शांति या 'वसुधैव कुटुंबकम्' के लिए दुनिया भर में अभियान चलाएगी। ●

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

कार्यालय सहयोग

संचालन

वे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाते हैं, प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करते हैं, प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी कार्यक्रम सफलता के साथ संपन्न हो सकें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. महेश चंद्र शर्मा, भाजपा महासचिव और प्रशिक्षण महाभियान के प्रभारी श्री पी. मुरलीधर राव, प्रशिक्षण महाभियान के समन्वयक व सह-संयोजक डॉ. आर. बालाशंकर और प्रशिक्षण विभाग के सदस्य श्री हेमंत गोस्वामी जो कार्यालय के अधिकारियों तथा अन्य पदाधिकारियों के साथ पूर्णकालिक रूप से कार्य करते हैं तथा वे मसौदा पाठ्यक्रम का निर्माण करने एवं अत्यंत ही सफल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए मुख्य व्यक्ति हैं।

लेकिन किसी भी प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए यह जरूरी होता है कि आयोजक भी पार्टी की विचारधारा व रणनीतियों के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहें। भाजपा इस बात को बखूबी जानती है। इसलिए राज्य, जिला एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए नई दिल्ली में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें यह भान कराया जा सके कि प्रशिक्षण अभियान की सफलता काफी हद तक उनकी सक्रियता पर निर्भर है। ●

Sh. Mahesh Sharma

(शीर्ष)
श्री सुनील पांडेय राष्ट्रीय प्रशिक्षण टीम के सदस्यों से संवाद करते हुए।

(ऊपर)
राज्यों के प्रशिक्षण प्रभारी अपने बिंदु प्रस्तुत करते हुए।

(शीर्ष)
श्री हेमंत गोस्वामी, डॉ. आर. बालाशंकर, श्री वी. सतीश, श्री पी. मुरलीधर राव, डॉ. महेश चंद्र शर्मा और श्री सुनील पांडेय प्रशिक्षण विभाग की बैठक में भाग लेते हुए।

(ऊपर)
डॉ. आर. बालाशंकर श्री हेमंत गोस्वामी के साथ नई दिल्ली में प्रशिक्षण सामग्रियों को अंतिम रूप देते हुए।

खबरों में

प्रशिक्षण कार्यक्रम

जुलाई 2015 में इसकी शुरूआत से लेकर आज तक मीडिया की निगाहें लगातार ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर रही हैं मुख्य धारा के अंग्रेजी तथा हिंदी दैनिक अखबारों से लेकर स्थानीय समाचार पत्रों तथा ऑनलाइन मीडिया में सभी ने हर प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थान दिया है फिर चाहे वह राष्ट्रीय, प्रादेशिक, जिले व मंडल स्तर पर आयोजित किए गए हों।

जहाँ सूरजकुंड के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन ने एक हलचल उत्पन्न कर दी थी, तो वहीं भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह के पार्टी कार्यकर्ताओं के हर एक संबोधन ने राष्ट्रीय व क्षेत्रीय मीडिया में लहर पैदा की। ●

ECONOMIC TIMES
1 July 2015

BJP Launches Drive to Raise 15 L Workers

Four-month long drive started with Amit Shah's address to 200 trainers

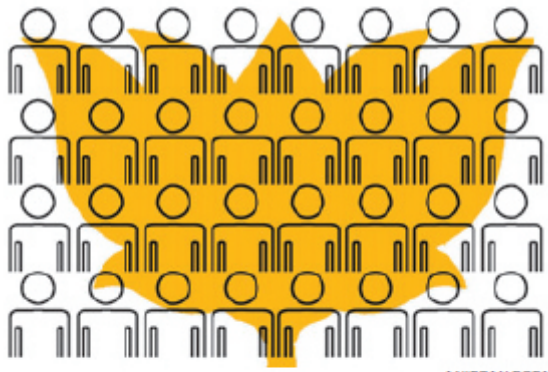

ANIRBAN BORA

Our Political Bureau

New Delhi: BJP president Amit Shah on Tuesday launched the party's drive to create a dedicated cadre of about 15 lakh dedicated political workers, from among over 10-crore strong pool that it has enrolled after coming to power at Centre May last year.

The four-month long drive began Tuesday with Shah addressing over 200 trainers, who will disperse across the country to train state-level trainers. These in turn will go on to train district-level trainers later on. The three-day workshop of national-level trainers will highlight issues and agendas that they need to indoctrinate 15 lakh cadres, targeted by the party.

In-charge of the training drive and BJP general secretary, P Murlidhar Rao disclosed that the training will be held across 11,000 mandals in the country. The broad issues for training curricula will comprise BJP's history (since Jan Sangh days), foundation of its principles and the saffron parivar among others.

Under the training plan, the workshops at mandal level will be conducted for two days while at district level it will be three days and two nights.

The central leadership of the party has directed to go beyond the active members of the party and try to include about 10 per cent people from "eminent persons" from various walks of life and ensure proportionate representation of women, scheduled castes and scheduled tribes at the mandal and district level to ensure widest representation of cross section of society. However, the mention of minorities is conspicuous by its absence in the circular that seeks to widen the representation of various sections of society.

TRAINING MODULE

Broad issues for training curricula will comprise BJP's history, foundation of its principles and RSS

THE TIMES OF INDIA

BJP launches drive to raise 15 lakh workers

ET Bureau | Jul 1, 2015, 11.18AM IST

NEW DELHI: BJP president Amit Shah on Tuesday launched the party's drive to create a dedicated cadre of about 15 lakh dedicated political workers, from among over 10-crore strong pool that it has enrolled after coming to power at Centre May last year.

BJP president Amit Shah on Tuesday launched the party's drive to create a dedicated cadre of about 15 lakh dedicated political workers.

The four-month long drive began Tuesday with Shah addressing over 200 trainers, who will disperse across the country to train state-level trainers. These in turn will go on to train district-level trainers later on. The three-day workshop of national level trainers will highlight issues and agendas that they need to indoctrinate 15 lakh cadres, targeted by the party.

In-charge of the training drive and BJP general secretary, P Murlidhar Rao disclosed that the training will be held across 11,000 mandals in the country. The broad issues for training curricula will comprise BJP's history (since Jan Sangh days), foundation of its principles and the saffron parivar among others.

Under the training plan, the workshops at mandal level will be conducted for two days while at district level it will be three days and two nights.

The central leadership of the party has directed to go beyond the active members of the party and try to include about 10 per cent people from "eminent persons" from various walks of life and ensure proportionate representation of women, scheduled castes and scheduled tribes at the mandal and district level to ensure widest representation of cross section of society. However, the mention of minorities is conspicuous by its absence in the circular that seeks to widen the representation of various sections of society.

2 Pure Politics

PARTY MANUAL 'KISS is the rule, keep it short & simple. Make only three to five specific points in approximately three to five minutes'

BJP Comes Out With Elaborate Media Mantra for Members

'Social media is also a rumour mill. Be brief in your posts. Be careful about what you post'

RakeshMohan.Chaturvedi
@timesgroup.com

New Delhi: A BJP manual for its members on ways to deal with the press and conduct themselves on social media has such elaborate guidelines that many journalism schools would be tempted to incorporate them in their curriculum.

The guidebook, issued by the BJP Training Cell, conveys to the party leaders and workers virtually everything — what time of day is good for holding a press interaction; days of the week that get the best impact; the way party spokespersons should dress during television appearances; etc.

In 2015, BJP had begun what it claims is the largest training programme for political workers anywhere in the world. The Deendayal Upadhyaya Prashikshan Mahabhiyan conducted thousands of training programmes from the 'mandal' to the national level across the country. The 'Media: Approach and Strategy' is a "quick guidebook" for handling the media. Leaders have been told to share even their weekend retreat and unlisted numbers with editors and reporters and take them out for coffee or lunch as well as send them thank you notes as part of building relationships.

If the guidebook is followed, it is likely to usher in a sea-change in the way BJP treats the media ahead of the 2019 Lok Sabha polls. The focus on television is visible in the book that says spokespersons should refrain from making power presentations or using visual aids, should not get distracted or angry or deviate from party line and speak out their personal opinion/hypothesis during press conferences.

"KISS is the rule, keep it short and simple. Make only three to five specific points in approximately three to five minutes," the guidebook says. Leaders should get straight to the point. Newsbites may be 10-40 seconds long. It advises leaders to schedule pitches at times when it would get maximum eyeballs. "Generally, business hours between 9:30 am and 2 pm is best since this gives reporters time to write and file their stories. Mondays and Fridays are always more difficult than mid-week, but don't be afraid to ask if the editor prefers specific days," the booklet says.

Only one or two leaders should be on the dais and BJP logo should be displayed prominently, it says.

The reporters should be given due respect. "As with any relationship, building trust is critical. Keep your promises and be on time... Don't question the questions, don't say 'no comment' or 'that's off the record', don't ask for reviewing the story, don't argue or lose your cool, don't play favourites," the guidebook says.

There are sections even on how press releases should be prepared. A good headline, getting to the point in the first paragraph, including hard numbers, being grammatically correct, using relevant quotes, sharing your contact information, keeping it to just one or two pages.

RESPECT REPORTERS

Reporters should be given due respect. 'As with any relationship, building trust is critical'

Press conferences should be organised only when the party wants to break some news or when there is a very important issue that the media is curious about. The timing is important too — press conferences should ideally be held between 11 am and 1 pm for maximum coverage and mid-week is the best time. Fancy locations for such events should be shunned, equipment like mikes should be of good quality and checked at least two hours before the conference begins.

Media kit for journalists, deciding the seating of leaders on the dais and having only one or two speakers other than a moderator have also been emphasised. Those holding press interactions should remember that questions are most important and challenging. "Prepare as much as you can beforehand by working out what might be asked. It's a good idea to practice with someone pretending to be a journalist," the booklet says.

Social media captured the imagination of Indian youth in 2014 elections, the guidebook notes. "But do not believe everything you read and do not get defensive in knee jerk reactions. Be polite," it says.

"Own your mistakes. Do not abuse. Sometimes it is preferable not to engage with trolls even if they use terms like 'bhakt' for you. Do not become a troll. Don't defend the indefensible — there are bad elements in all parties," the booklet says.

BJP members have also been advised to be careful on social media. "Social media is also a rumour mill. Be brief in your posts. Be careful about what you post because once it is on the internet, it is there to stay... Be certain that a thoughtless post will come back to haunt you sooner or later."

'Prepare as much as you can beforehand by working out what might be asked'

The Guidebook for BJP Leaders

- Discuss the arrangement in a TV debate — who all are invited and the format of the debate
- If you know other speakers, you will probably know their stand and be prepared to counter their points
- Expect to face tough opposition. Answer critical questions honestly without losing your composure
- Avoid looking directly into the camera. Avoid getting into conflict with the presenter, either on factual matters or on the debate itself
- Lean forward slightly to show involvement
- Avoid complex words and technical terms
- No reporter can force you to say something you don't want to say
- Listen carefully to the questions, don't answer hypothetical questions
- Give the reporter all your phone numbers, office, home, cellular, weekend retreat. Smart politicians give reporters their unlisted numbers too. Reporters do not abuse these numbers
- Real audience is the people
- Tell a story. Always include clear engaging answers to the five 'Ws' in all releases
- Editors regard events as more urgent and newsworthy than other announcements
- Since media appreciates visuals, try to produce events with images as well as a pertinent story
- Social media is also a rumour mill
- Be brief in your posts

शहरी पार्टी बन नहीं रहना चाहती भाजपा

- बिहार चुनाव के बाद शुरू होगा मिशन पंजाब
- मुरलीधर राव ने किया प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

चंडीगढ़ : पंजाब भवन सेक्टर -3 में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मुरलीधर राव पत्रकारों से बातचीत करते हुए। साथ मे हैं पंजाब भाजपा अध्यक्ष कमल शर्मा व कैबिनेट मंत्री भगत चुन्नी लाल ।

11 करोड़ सदस्य बनाने के बाद 15 लाख सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने जा रही भाजपा अब पंजाब में केवल शहरी पार्टी बनकर नहीं रहना चाहती है। भाजपा अब शहरी या व्यापारियों की पार्टी कहलाने के मिथक को तोड़ने की राह पर चल पड़ी है। हरियाणा और महाराष्ट्र की तर्ज पर पंजाब में एकला चलो की नीति अपनाई जाए या फिर गठबंधन में ही भविष्य की तलाश की जाए इसका फैसला बिहार चुनाव के बाद होगा।

पंजाब भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व सक्रिय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम के अध्यक्ष मुरलीधर राव ने कहा, 'भाजपा ने 150 सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण माड्यूल में पंजाब में जो चिंतन विषय चुना है वह है सामाजिक तानाबाना। भाजपा चाहती है कि पंजाब में हर वर्ग पार्टी से जुड़े। जमीनी स्तर पर पार्टी का आधार मजबूत हो, जो शहरों तक ही नहीं बल्कि गांव तक भी हो। इसके लिए पार्टी का विजन स्पष्ट है।' भाजपा द्वारा पंजाब में 'सामाजिक तानाबाना' पर चिंतन व हर वर्ग में अपनी पहुंच बनाने के प्रयास से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि भाजपा 2017 की तैयारी में जुट गई है, क्योंकि सदस्यता अभियान के तहत भी भाजपा ने ग्रामीण व विभिन्न जातियों पर ज्यादा फोकस किया था। इसके अलावा दलित वर्ग पर फोकस करते हुए जहां चिंतन सम्मेलन किया, वहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भी बड़ी धूमधाम से मनाया। इसके लिए विशेष सदस्यता अभियान भी चलाया। चूंकि पंजाब में दलित जनसंख्या 32 फीसद के करीब है, इसलिए भाजपा इस पर विशेष फोकस कर रही है।

पंजाब में गठबंधन रहेगा या नहीं इस पर राव ने कहा कि शिव सेना और अकाली दल भाजपा के पुराने सहयोगी हैं। निश्चित रूप से भाजपा कभी यह नहीं चाहेगी कि वह उनसे दूर हो, लेकिन अभी पार्टी का फोकस बिहार चुनाव पर है। ट्रेनिंग माड्यूल के संबंध में राव ने बताया कि अगले चार माह तक देश में भाजपा द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान चलेगा, जो कि जिले से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक होगा। हर स्तर पर माड्यूल बदलता जाएगा। इस दौरान भाजपा 15 लाख सक्रिय कार्यकर्ताओं को तैयार करेगी। इसका डाटा बेस भी तैयार किया जाएगा। पंजाब में दो दिन तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ भी राव ने किया।

Home | News | Markets | Mutual Funds | Commodities | Startups | Cryptocurrency | Property | Personal Finance | Portfolio | Forum | Live TV

Property | Business | Markets | Stocks | Economy | Research | Mutual Funds | Personal Finance | Auto | IPO | Politics | India | World | Technology | Startups | Opinion | Travel

moneycontrol Stay up to date with the latest news. Subscribe to moneycontrol now!

YOU ARE HERE: Home » News » Politics

Last Updated : Jun 28, 2018 10:29 PM IST | Source: PTI

BJP holds meet to gear up for Lok Sabha polls

Addressing the meeting, BJP general secretary and training in-charge P Muralidhar Rao said the Congress has "betrayed" the nation and failed in its responsibility of taking forward the ideals of good politics, and people look up to the BJP for good politics imbued with national ethos.

PTI
@moneycontrolcom

The BJP today held a meeting of key functionaries of its 29 departments and projects as part of the party's exercise to gear up organisational machinery for the Lok Sabha elections next year. In a statement, the party said that the meet is "significant" in the context of the upcoming Assembly polls in Madhya Pradesh, Rajasthan and Chhattisgarh later this year and the 2019 general elections.

The meeting was a part of the ongoing training programme - 'Deendayal Upadhyay Prashikshan Mahabhiyan'- for its functionaries.

Addressing the meeting, BJP general secretary and training in-charge P Muralidhar Rao said the Congress has "betrayed" the nation and failed in its responsibility of taking forward the ideals of good politics, and people look up to the BJP for good politics imbued with national ethos.

"The spirit of mission which existed prior to independence no more exists in the Congress and it has transformed into a family company. People now look up to the BJP to carry the nation's ethos, spirit and the

Watch

India could cut oil imports from Iran

IMF's 3 steps for India to sustain growth

Deutsche Bank fails US Fed stress test

Plot to kill journalist hatched in Pakistan

MUST LISTEN

Podcast | Pick of the day - Indians' affinity for Swiss banks grows

STAY UPDATED

Subscribe to our Daily Newsletter

Enter Email address Submit

Get Daily News on your Browser Enable

TRENDING NEWS

Fake Paytm app used to con shopkeepers in Hyderabad

'There are multiple levels of verification, tech and physical... 11 cr members is no wild claim'

BJP chief Amit Shah on Sunday launched his party's Mahasampark Abhiyaan for northern states with the claim that it had enrolled 11 crore members — a number Cong has scoffed at. Party general secretary P MURALIDHAR RAO, the man in charge of the membership training programme, explains to LIZ MATHEW details of the recruitment process — and why it should be taken seriously

Fareeda Am

Does each one of your claimed 11 crore-plus members actually exist?

It isn't just a claim. There is a process, scientific and technologically sound, and those who have enrolled following this process are members. The party has worked from the grassroots level to achieve this result. Some members had no existing link with the party. In the Lok Sabha election, BJP added 100 seats to its earlier highest tally, and 9 crore votes, which came largely from the youth. We are verifying the data, and I think we will have over 10 crore members ever after verification.

How many missed calls have you actually verified?

The first stage is technology verification — most people gave their addresses after the missed calls, following which their membership was accepted. The second is mass contact — Mahasampark Abhiyaan — which is currently under way. In this phase, we are going to reach out to every single individual.

How will you make sure that each person is contacted, and their credential is verified?

There could be people who enrolled while travelling, or while they were away from their native places. Unless we are able to connect them with the local party network, their utility for the party is zero. So, we have sent the data to our units at the *mandal* level, from where they will be sent down to the booth level. Party workers will then go to every address, meet the individual, and verify the information. This process of booth-wise data verification will be the test for the Sampark Abhiyaan. Party workers will give them literature on what the party stands for, a letter from the party president, and the government's achievements. All those who are contacted will have to give another missed call, and only after this confirmation will they be made a member. So, it's a rigorous exercise.

SIMPLY PUT

The BJP says the system allows only one registration per number. But the CPM and Congress have said that the same individual can call from more than one number, creating many ghost members.

From one number we have allowed enrolment of one, plus four family members. During verification, details will be verified for each, and each one will have to give the confirmatory missed call. We're not doing this exercise to be able to brag about it, we're doing it to establish BJP as a truly pan-Indian party.

Even so, 11 crore sounds huge — almost a tenth of India's population. Is there a way to independently verify the claim?

Our country does not have an institutional mechanism to ascertain the membership of a political party in the same way as, say the Labour Ministry has a system of checking the membership of a trade union. As far as the BJP is concerned, we are doing the exercise seriously, with proper follow-up. There are categories of memberships: those who want to become active members will have to follow another process. Only active members can become office bearers. An active member must enroll 100 members, and we have created a training programme for them. We are targeting 15 lakh active members.

The CPM runs background checks to ensure a new member is ideologically compatible with the party line...

We have seen how much the CPM has been able to achieve in terms of ideology or political expansion despite this so-called meticulous exercise. The BJP has always been a cadre-driven party. Based on our experience, we have developed a methodology or training module. All BJP members need not know everything about the party — only that it stands for Nation First, and is committed to democracy. They will be given some literature, and will form the outer circle of the BJP's growth. Building and developing the party will be the responsibility of active members.

How will you train 15 lakh in 4 months?

We have designed a three-tier training programme down to the *mandal* level, a first in independent India. Training camps will be run at 11,000 *mandals*, at which workers will be chosen for training at the second tier, which will be at the district level. Those chosen at the district level will be trained at a state-level training camp. This process will be completed in four months. We will then decide about the national-level camp.

How will the camps work?

The entire module is standardised, with a certain protocol for each level and prescribed blueprints for premises, arrangements and logistics. Even details such as the pictures to be displayed on the dais have been laid down. No camp will have more than 150 attendees. If there are more, there may be more than one camp. *Mandal*-level camps will be for 24 hours, district-level ones for two days, and active members will stay together for another day to build camaraderie. They will be taught to work together and decide collectively. There will be sessions on the party's history, development and ideology, and cultural nationalism, and integral humanism. Every state can introduce one subject of its choice. Training will become more intense as we go up. We will not publicise the training camps. No extravagant arrangements, simple food. Only the teacher and presiding authority will sit on the dais, no one else.

EDITED EXCERPTS FROM INTERVIEW. WATCH THE VIDEO ON WWW.INDIANEXPRESS.COM

The Indian EXPRESS epaper editions Tue, 14 July 2015 epaper.indianexpress.com/c/5872145

तैयारी › जनता में सरकार की छवि बनाने की होगी जिम्मेदारी

प्रदेश भाजपा तैयार करेगी 50 हजार प्रशिक्षित कार्यकर्ता

रायपुर @ पत्रिका . भारतीय जनता पार्टी अगले तीन महीनों में 50 हजार प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करने जा रही है। इसके लिए मंगलवार से प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। चंपारण में आयोजित इस दो दिन के प्रशिक्षण में करीब 250 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण से जुड़ी सैद्धांतिक जानकारी दी जानी है। ये प्रशिक्षक प्रदेश के 295 मंडलों और 29 संगठन जिलों में प्रशिक्षण सत्रों का संचालन करेंगे। प्रशिक्षकों में संगठन के प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष से ऊपर के पदाधिकारी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हैं।

जानकारी देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक पी. मुरलीधर राव ने बताया कि अभियान के पूरा होने के बाद देशभर के 11 हजार मंडलों में पार्टी के पास 15 लाख प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं का अमला हो जाएगा। इन कार्यकर्ताओं को सरकार और पार्टी की छवि बनाने के साथ बूथ स्तर के चुनाव प्रबंधन की कमान भी सौंपी जाएगी। राव पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

प्रधानमंत्री बीमा योजना से जोड़ने का टास्क

चम्पारण में मंगलवार को कार्यकर्ता प्रशिक्षण महाभियान की शुरुआत हुई। राज्य स्तरीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री मुरलीधर राव, प्रदेश प्रभारी डॉ. अनिल जैन, प्रदेश अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश प्रभारी डॉ. जैन ने कहा कि इस महीने 25 से 31 अगस्त प्रधानमंत्री बीमा योजना से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की कोशिश करनी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को यह सामाजिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

कार्यकर्ता कमजोर हुआ तो नहीं टिकेगी सरकार

सरकार के सामने संगठन की कमजोरी से जुड़े एक सवाल में जवाब में राव ने कहा कि पार्टी को आगे बढ़ाने का काम कार्यकर्ताओं का है। जहां कार्यकर्ता ठीक होता है वहां सरकार अपने आप ठीक हो जाती है। जिस दिन कार्यकर्ता कमजोर पड़ा, उस दिन सरकार भी नहीं टिकेगी।

यह होगा पाठ्यक्रम

प्रशिक्षण सत्र में कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, इतिहास, केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकारों की योजनाओं-उपलब्धियों और संगठन के कार्यप्रणाली की जानकारी दी जाएगी। इन कार्यकर्ताओं का चयन 100 सदस्य बनाने वालों में से किया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में 100 सदस्य की सीमा में कुछ छूट भी मिली है। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं का पूरा डेटा राष्ट्रीय से लेकर जिला कार्यालयों तक में रहेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री मुरलीधर राव ने कहा, देश भर में

15 लाख प्रशिक्षित कैडर होंगे

- एक प्रशिक्षण शिविर में 150 कार्यकर्ताओं को ही दी जायेगी ट्रेनिंग

व्यूरो प्रमुख, रांची

भाजपा देश भर में 15 लाख नये कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेगी, जबकि झारखंड में 50 हजार कार्यकर्ता प्रशिक्षित किये जायेंगे. भाजपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम देश भर के 700 जिलों के 11 हजार मंडल में चलाया जायेगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम अलग-अलग स्तर पर चलाया जायेगा. एक प्रशिक्षण शिविर में 150 से ज्यादा कार्यकर्ता प्रशिक्षित नहीं किये जायेंगे. शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री मुरलीधर राव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाबत पत्रकारों को जानकारी दी.

श्री राव ने बताया कि पंडित दिन दयाल उपाध्याय के नाम से पार्टी का ऐतिहासिक अभियान चलाया जायेगा. अभियान दो से चार महीने चलाया जायेगा. श्री राव ने बताया कि पार्टी ने सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है. पार्टी देश भर में अभियान चला कर 15 लाख कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देगी. इस कैंपन के बाद भाजपा पहली पार्टी होगी जिसके पास 15 लाख प्रशिक्षित कैडर होंगे. मंडल, जिला, प्रांत और राष्ट्रीय स्तर पर कैंप चलाया जायेगा. राष्ट्रीय स्तर पर चार से पांच जगहों पर ट्रेनिंग कैंप चलाया जायेगा.

श्री राव ने कहा कि कार्यकर्ताओं को पार्टी का इतिहास और विकास बताया जायेगा. हम सैद्धांतिक और वैचारिक रूप से कार्यकर्ताओं को मजबूत बनायेंगे. देश की राजनीतिक चुनौतियों और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां भी प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को बताया जायेगा.

राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन में कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है. राष्ट्रवादी और राष्ट्रीय पार्टी के रूप में विस्तार देने के लिए पार्टी द्वारा ऐतिहासिक अभियान चला जा रहा है.

राज्य में 50 हजार कार्यकर्ता होंगे प्रशिक्षित

पत्रकारों को जानकारी देते भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री मुरलीधर राव व अन्य.

17-18 अगस्त को झारखंड में प्रशिक्षण

श्री राव ने बताया कि झारखंड में 17 और 18 अगस्त को प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा. देश के विभिन्न राज्यों में 15 से 20 अगस्त तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण शिविर होगा. उन्होंने बताया कि मंडल स्तर पर प्रशिक्षण के लिए 50 रुपये, जिला स्तर पर प्रशिक्षण के लिए 200 रुपये और प्रांत स्तर पर प्रशिक्षण के लिए 500 रुपये शुल्क कार्यकर्ताओं से लिये जायेंगे. मौके पर पार्टी नेता राकेश प्रसाद और प्रेम मित्तल भी मौजूद थे.

आतंकवाद को लेकर पार्टी का नजरिया साफ : मुरलीधर

रांची . भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री मुरलीधर राव ने कहा है कि आतंकवाद को लेकर पार्टी का नजरिया साफ है. मृत्यु दंड खत्म करने को लेकर पार्टी के अंदर कोई विचार नहीं है. अगर इसके बाहर कोई बात कर रहा है, तो वह पार्टी लाइन से अलग बात कर रहा है. श्री राव याकूब मेमन के फांसी की सजा पर भाजपा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के बयान को लेकर पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे. उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा का बिना नाम लिये हुए कहा कि कौन क्या कह रहा है नहीं मालूम, लेकिन पार्टी के अंदर इस विषय को लेकर कहीं कोई मतभेद नहीं है.

प्रभात खबर Sat, 01 August 2015 epaper.prabhatkhabar.com/c/6077523

कार्यकर्ता संगठन के सिद्धांतों पर करें कार्य

भाजपा की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, सदस्यता अभियान पर चर्चा

भास्कर संवाददाता | नगर

भाजपा जिलाध्यक्ष भानूप्रताप राजावत ने कार्यकर्ताओं से पार्टी संगठन के सिद्धांतों पर काम करने का आह्वान किया है। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्यवक्ता राजावत ने भाजपा को विश्व की सबसे बडी पार्टी बताया।

कार्यशाला में मण्डल अध्यक्ष दीनदयाल खण्डेलवाल ने दो दिवसीय कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को पार्टी की मुख्यधारा से जुडने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नंदकिशोर मुदगल ने की। इस मौके पर पार्षद प्रेम कपूर, राजकुमार भूतिया, मीरा तिवाडी, विनोद लवानिया, पूर्व सरपंच इंद्रजीत आदि मौजूद थे।

नगर. कार्यशाला में विचार रखते जिलाध्यक्ष व उपस्थित कार्यकर्ता।

नदबई| भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरिशंकर उपाध्याय के नेतृत्व में बैठक आयोजित की। पं.दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिन की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस मौके पर उमेश, छैल बिहारी, राजकुमार, सोनू, साहब सिंह आदि मौजूद थे।

भरतपुर. भाजपा की कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ता।

पार्टी की नीतियों व विकास कार्यों की दी जानकारी

भाजपा की संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

भास्कर संवाददाता | भरतपुर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को हुआ। जिसमें कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, विकास कार्य एवं संगठनात्मक जानकारी दी गई । साथ ही इसकी जानकारी मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं को देने पर बल दिया।

इस मौके पर सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि पार्टी का अधिष्ठान कोई व्यक्ति, नेता, परिवार, वंश, जाति, मजहब नहीं, वरन सिद्धांत में है। हमारा सिद्धांत राष्ट्रवाद है। अध्यक्षता यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष गुलराज गोपाल ने की। उद्घाटन सत्र में राज्यसभा सदस्य नारायण पंचारिया ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं हमारा विचार परिवार विषय पर विचार व्यक्त किये। मुकेश पारीक ने केन्द्र सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। विधायक मोहनलाल गुप्ता ने एकात्म मानववाद की व्याख्या की। संचालन शिवराज तमरोली ने किया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भजनलाल शर्मा, जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र जैन, सत्येंद्र गोयल, अनिल लोहिया, मनोज प्रधान, जवाहर सिंह बेढम, मोहन रारह, अनिल कौशिक, सत्येन्द्र पथैना, शीला चंदन, भगवानदास शर्मा, राधा भारद्वाज आदि मौजूद थे। कार्यशाला में धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

ସତୀଶ ଗଜଭିୟେଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ ସରକାର : ପି. ମୁରଲୀଧର ରାଓ

ଓଡ଼ିଶାର ୪୫୧ ମଣ୍ଡଳରେ ବିଜେପି କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ଦିଆଯିବ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ

॥ ପ୍ରଭାନ୍ୟୁଜ୍ ॥ ଭୁବନେଶ୍ୱର : ଜନତାଙ୍କ ଉପରେ ସତୀଶ ଗଜଭେୟଙ୍କ ଅମାନବୀୟ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନକୁ ନେଇ ବିଜେପି ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ପି. ମୁରଲୀଧର ରାଓ ବର୍ଷିଛନ୍ତି । ସତୀଶଙ୍କୁ ବଦଳି କରି ସରକାର ଚୁପ୍ ବସିଯାଇଛନ୍ତି ବୋଲି ସେ କହିବା ସହ ତାଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସେ ଦାବି କରିଛନ୍ତି । ଅପର ପକ୍ଷରେ ଓଡ଼ିଶାର ୪୫୧ ମଣ୍ଡଳରେ ବିଜେପି କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଦିଆଯାଇ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ଦଳକୁ ଆହୁରି ମଜବୁତ୍ କରାଯିବ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି ।

ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଆୟୋଜିତ ଏକ ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ଶ୍ରୀ ରାଓ କହିଲେ ଯେ, ସରକାରଙ୍କ କାରନାମା ଲୋକଙ୍କ ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି । ଜନତା କୌଣସି ପ୍ରସଙ୍ଗ ଉଠାଇଲେ ସରକାର ଏହାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେବା ସହ ମାମଲା ରୁଜୁ କରି ତଦନ୍ତ କରିବା ଦରକାର । ହେଲେ ସାରଥା କ୍ଷେତ୍ରରେ ପୁଲିସ୍ ଲଗାଇ ସରକାର ଲୋକଙ୍କ ଉପରେ ଜୁଲମ୍ କରିଛନ୍ତି ।

ସରକାର ଜନତାଙ୍କ ଆସ୍ଥା ହରାଇ ସାରିଛନ୍ତି । ସରକାରଙ୍କ ଉପରେ ଜନତାଙ୍କ କ୍ରୋଧର ପ୍ରତିଫଳନ ରାଜରାସ୍ତାରେ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି । ସତୀଶଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଜନଆନ୍ଦୋଳନ ଗଢ଼ି ଉଠିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସରକାର ଖାଲି ବଦଳି କରି ଚୁପ୍ ବସିଯାଇଛନ୍ତି । ତାଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବା ଦରକାର । ଖୋଦ୍ ସତୀଶ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ସହ ତାଙ୍କର ସଂପୃକ୍ତି ରହିଛି ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ବାହାଷ୍ଟୋଟ ମାରିଛନ୍ତି । ତେଣୁ ସରକାର ତାଙ୍କ ଉପରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ ନକରି ତାଙ୍କୁ ଘଞ୍ଚ ଘୋଡ଼ାଉଥିବା ସ୍ପଷ୍ଟ ହୋଇଯାଇଛି । ବିଜେପି ବିଶ୍ୱର ଏକ ନମ୍ବର ଦଳର ମାନ୍ୟତା ପାଇଛି । ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ, ଓଡ଼ିଶା, ଆସାମ, କେରଳ, ତାମିଲନାଡୁ, ଆନ୍ଧ୍ରପ୍ରଦେଶ, ତେଲେଙ୍ଗାନା ଭଳି ରାଜ୍ୟକୁ ବିଜେପି ବିଶେଷ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଛି । ଏହିସବୁ ରାଜ୍ୟରେ କଂଗ୍ରେସ ଦୁର୍ବଳ ହୋଇପାରିଥିବାବେଳେ ବିଜେପି ପ୍ରମୁଖ ଦଳ ଭାବେ ଉଭା ହେବା ପାଇଁ ସଂଗଠନ ବିସ୍ତାର କରୁଛି । ଦଳୀୟ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଶିକ୍ଷିତ କରି ଦଳକୁ ଜିଭଳି ମଜବୁତ୍ କରାଯିବ ସେନେଇ ଦଳ ଯୋଜନା କରିଛି ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି ।

ଦୁଇଦିନିଆ ଟ୍ରେନରସ ଟ୍ରେନିଂ କରାଯାଇଛି । ମଣ୍ଡଳସ୍ତରରେ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ୨୪ ଘଣ୍ଟା, ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରରେ ୪୮ ଘଣ୍ଟା ଓ ରାଜ୍ୟସ୍ତରରେ ୭୨ ଘଣ୍ଟା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ । ଏହି ଅବସରରେ ଦଳର ଇତିହାସ, ସୈଦ୍ଧାନ୍ତିକ ଆଭିମୁଖ୍ୟ, ଆଭ୍ୟନ୍ତରୀଣ ଗଣତନ୍ତ୍ର, ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ ସହ ଯୋଗାଯୋଗ ସମ୍ପର୍କରେ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରଦାନ କରାଯିବା ସହ ତୃଣମୂଳସ୍ତର ସାମାଜିକ-ଅର୍ଥନୈତିକ ସମସ୍ୟାକୁ ଅନୁଶୀଳନ କରି ଆଲୋଚନା କରାଯିବ । ଆଗାମୀ ୪ ମାସରେ ଦେଶର

THE ASIAN AGE
Delhi | Mumbai | Kolkata | London
Friday, Nov 15, 2019 | Last Update

India, Politics

Focus on winning 2024 election now, PM Modi tells MPs

ANI Published : Aug 4, 2019, 8:32 pm IST Updated : Aug 4, 2019, 8:58 pm IST

'Be positive and don't let any negative thoughts hit you,' PM Modi said.

According to those who attended the training being held in the Parliament premises, Modi asked the MPs to remain connected with their well-wishers who had worked for their success in their respective constituencies. (Photo: File)

New Delhi: On day two of 'Abhyas Varga', a training programme which is being organised by the BJP for all its parliamentarians, Prime Minister Narendra Modi urged the lawmakers to focus on winning 2024 elections from now on.

"Be positive and don't let any negative thoughts hit you. Keep striving hard to win all that you've lost. Win over your opponents and focus on winning 2024 election from now on," Modi said.

Urging legislators to contribute towards nation-building, the Prime Minister said: "You should all work for nation-building. Along with focusing on your own health, you should also devote some time to take care of your family."
On day one of the exercise, the Prime Minister gave lessons to the newly-elected BJP MPs on how to become a successful public representative.

According to those who attended the training being held in the Parliament premises, Modi asked the MPs to remain connected with their well-wishers who had worked for their success in their respective constituencies.

The agenda of the two-day 'Abhyas Varga' training programme is a focused group discussion on 'Situation in West Bengal' and a session that imparts NaMo App training to parliamentarians among other things.

Tags: 2024 lok sabha ekections, pm narendra modi, parliamentarians meet, bjp
Location: India, Delhi, New Delhi

MOST POPULAR

1. Telangana gets its first 'child-friendly' police station at Hyderabad's Medipally
2. Google's FreddieMeter analyses how close your voice is to Freddie Mercury
3. With tilak and bricks, 1st-timers reach Ayodhya as temple workshop becomes 'tourist attraction'
4. Lt Col Sharma appointed as Army's 1st female JAG officer deployed on foreign mission
5. Top 5 gaming phones that will seriously up your game

MORE

EDITORS' PICKS

Video: Shah Rukh Khan shakes leg with kids at Indian Film Festival of Melbourne 2019

Nora Fatehi teaches how to ace long denim jackets with her latest look

TV actor Anjali Anand kills troll with 'kindness and love'; see post

Prabhas and Shraddha Kapoor give high dose of love with this new poster of 'Saaho'

It will motivate and inspire people: Jacqueline Fernandez on her YouTube channel

MORE

Abhyas Varga: BJP's 2-day Training Programme For Party MPs Begins; PM Modi, Shah to Attend

In 2014, when PM Modi came to power for the first time, a two-day orientation programme was organised to impart training to the newly-elected BJP MPs on enhancing their Parliamentary and public conduct.

Updated: August 3, 2019 10:45 AM IST

By India.com News Desk | Edited by Surabhi Shaurya

Share Tweet Comments

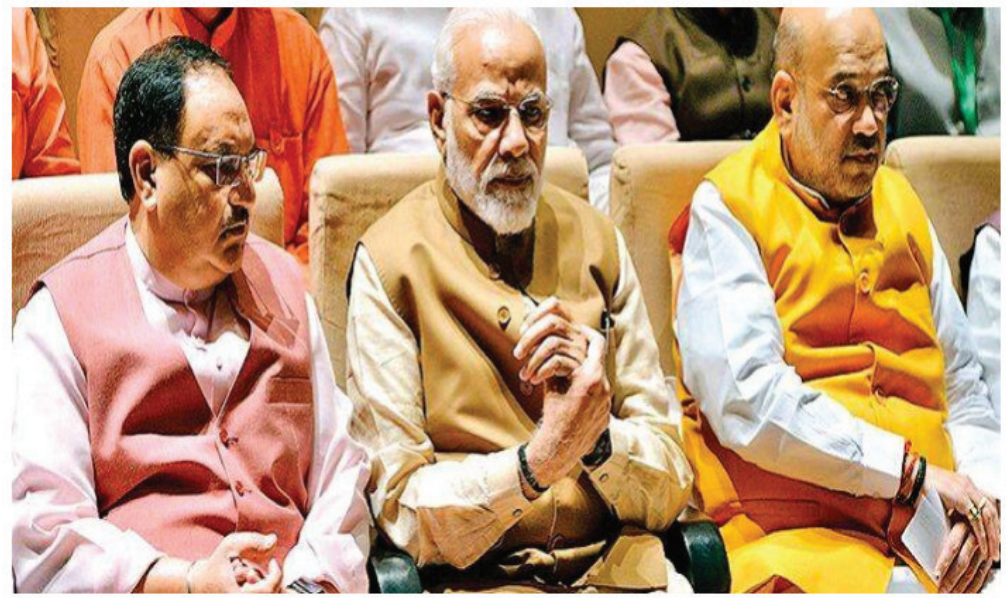

New Delhi: A two-day training programme called 'Abhyas Varga' for the newly elected Bharatiya Janata Party (BJP) lawmakers begun on Saturday. The 'Abhyas Varga' has been organised at GMC Balayogi Auditorium in the Parliament Library Building here. Prime Minister Narendra Modi, BJP president and Home Minister Amit Shah, Defence Minister Rajnath Singh, party's working president JP Nadda and other cabinet ministers are expected to be present at the event on both days.

According to the reports, the main aim of the programme is to instil discipline in some erring lawmakers. The two-day programme will have different sessions where the MPs will be sensitised about their conduct inside and outside the Parliament. They will also be informed on how to connect with masses on issues related to public welfare. Apart from these, the lawmakers will be sensitised on how to put forth the issues faced by people from their respective constituencies in Parliament.

SECTIONS | ET APPS | ENGLISH | E-PAPER | ET PRIME

THE ECONOMIC TIMES | Politics and Nation

LATEST NEWS Disqualified MLAs

Training program for all BJP MPs begins today; Social-media, NaMo App and West Bengal on agenda

'Abhyas Varga' training programme is a focused group discussion on 'Situation in West Bengal' and a session that imparts NaMo App training to parliamentarians.

ANI | Updated: Aug 03, 2019, 02.22 PM IST

Save

8 Comments

Is Your Credit Score Low? Find Out For Free In 30 Seconds
Ad ETMoney

Two day training program for all BJP MPs begins today

New Delhi: The two-day weekend workshop for all BJP parliamentarians begins here Saturday with dedicated sessions by Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah, Defence Minister Rajnath Singh and BJP working president JP Nadda.

On the agenda of the 'Abhyas Varga' training programme that begins 10.30 am today and compulsory for all BJP lawmakers from Lok Sabha and Rajya Sabha is a focused group discussion on 'Situation in West Bengal' and a session that imparts NaMo App training to parliamentarians.

The training workshop is being held at the GMC Balayogi Auditorium in the Parliament Library building here.

NEWS18

'Listen and Digest More Details Than Mere Writing': PM Modi's Advice to BJP MPs During Training Class

The programme will have different sessions where the MPs will be sensitised about their conduct inside and outside the Parliament. They will also be informed on how to connect with masses on issues related to public welfare.

News18.com | Updated:August 3, 2019, 1:25 PM IST

RSTV RAJYA SABHA

HOME | LIVE TV | NEWS | PARLIAMENT SESSION | VPI SPEECHES | OPINION | ABOUT US | NOTICES

BJP organic entity not an assembled one: PM tells party MPs

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah, BJP Working President JP Nadda during the two-day training programme called 'Abhyas Varga', organised for all BJP MPs from Lok Sabha & Rajya Sabha, in New Delhi, Saturday, Aug 3, 2019. (PTI Photo)

The BJP is an "organic" entity and not an "assembled" entity, Prime Minister Narendra Modi told the ruling party lawmakers here as he asked them to remain active as ground workers even after becoming ministers or legislators.

The PM was addressing the BJP lawmakers at a two-day training programme – Abhyas Varga.

"The BJP has reached here because of its ideology and thoughts not because of one family's legacy," he said.

"The party worker in you should remain alive always even if you become a minister or an MP. Irrespective of your age, always remain a student so that learning process goes on," Modi was quoted as saying by Parliamentary Affairs Minister Pralhad Joshi.

The programme will focus on sensitisation of MPs, especially newly elected lawmakers on their conduct both inside and outside Parliament.

The party leadership has asked all MPs to ensure their attendance at the workshop.

The two-day training programme is being attended by Prime Minister Narendra Modi and Union Home Minister Amit Shah, and party's working president JP Nadda, among others.

राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मीडिया द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान तथा प्रेस की बैठकों के बारे में प्रकाशित रिपोर्ट एवं लेख

भविष्य
की राह

प्रशिक्षण

एक नए भारत के लिए

भारतीय जनता पार्टी के लिए अपने कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण मात्र एक परंपरा नहीं है, बल्कि एक समावेशी विकास का वातावरण बनाने का गंभीर प्रयास है। वर्ष 2015 में जब से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का आरंभ हुआ है, पार्टी ने पूरे देश में 12 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को सघन समावेशी प्रशिक्षण दिया है। मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इन प्रशिक्षण शिविरों में सभी वर्गों, तबकों के आम कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों ने समाज के सभी समूहों, जैसे महिला, युवा, किसान, बुनकर, अनुसूचित जाति और जनजाति को भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भरपूर महत्त्व दिया।

पार्टी अगले चरण में प्रशिक्षण कार्यक्रम को और अधिक उत्साह के साथ आगे ले जाने की योजना बना रही है। इसका लक्ष्य कार्यकर्ताओं को मात्र पार्टी विचारधारा और राष्ट्र निर्माण की अवधारणा से समृद्ध करना नहीं है, बल्कि उन्हें इतना सशक्त और कुशल बनाना है कि वे जमीनी स्तर पर प्रत्येक भारतीय के जीवन में सुखमय परिवर्तन के वाहक बन सकें और वैश्विक फलक पर देश के प्रभाव को नई ऊँचाई दे पाएँ।

यह पहल देश में लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्तीकरण और सुशिक्षित व राजनीतिक रूप से जागरूक कार्यकर्ता तैयार करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी की एक विनम्र कोशिश है। ●

भाजपा के लिए प्रशिक्षण कोई अनुष्ठान नहीं, बल्कि क्षमता निर्माण की एक पुरानी व मजबूत परंपरा है। राजनीतिक संगठनों में प्रशिक्षण का अभाव एक गंभीर समस्या है। दुर्भाग्य से, अनेक गैर राजनीतिक लोग राजनीति में मानव संसाधन के विकास की गंभीरता को नहीं समझते हैं अपितु कई बार तो वह ऐसे प्रयासों का मजाक तक उड़ाते हैं।''

-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

''यह अभियान अर्थात पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान दुनिया के इतिहास में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जो भारतीय राजनीति में एक नया मानक गढ़ेगा। भाजपा की विचारधारा का लक्ष्य देश की राजनीति और समाज में परिवर्तन लाना है।''

- श्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

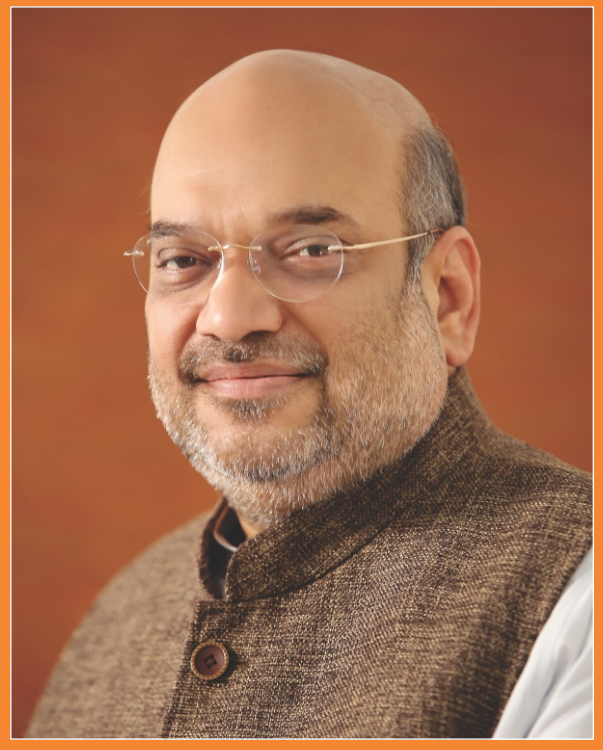

9789388310390
9789388310390

भाजपा का उदय

पिछले चार दशकों से भारतीय जनता पार्टी ने ना केवल पार्टी के निर्वाचित सदस्यो की संख्या के आधार पर प्रगति की है तथा कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं तो वहीं साथ ही पार्टी करोड़ो देशवासियों का विश्वास भी प्राप्त कर चुकी है। पार्टी की इस सफलता की कुंजी तीन मुख्य क्षेत्रों में प्रयास करना रही: पहला पार्टी की विचारधारा जो पूरी तरह से देश से जुड़ी है तथा भारतीय है और इस विचारधारा को करोड़ों नागरिकों का समर्थन प्राप्त हो रहा है, दूसरा कार्य है: हर वर्ग के लोगों से भारी मात्रा में समर्थन प्राप्त करना तथा तीसरा ऐसे कार्यकर्ताओं तथा नेताओं की टीम बनाना जो पूरी तरह से प्रशिक्षित तथा जानकार हैं एवं वह पार्टी को सहारा देने का कार्य करते हैं।

आज भाजपा के पास लोकसभा तथा विधानसभाओं में काफी संख्या में निर्वाचित जन प्रतिनिधि हैं। पार्टी को देश भर में पंचायत और स्थानीय निकाय के स्तर पर भी भारी सर्मथन प्राप्त हुआ है। 11 करोड़ से अधिक सदस्यों और 12.90 लाख से भी ज्यादा प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा मात्र भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने केंद्र में तीन बार सरकार बनाई थी-दो बार 1996 में और एक बार 1998 में, जिनमें भाजपा मुख्य भूमिका में थी। 1999 में लोकसभा में भाजपा सांसदों की संख्या 182 थी। लेकिन भाजपा के सांसदों की संख्या में महत्त्वपूर्ण उछाल आया और उसने वर्ष 2014 में स्पष्ट बहुमत जीतते हुए सोलहवीं लोकसभा में 543 सदस्यों के सदन में 282 सीटें खुद ही प्राप्त की और अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीटों की संख्या 336 तक पहुँची। वर्ष 2019 में सत्रहवीं लोकसभा में भाजपा ने एक बार फिर से शानदार विजय अर्जित करते हुए अपने वोटबैंक में वृद्धि की तथा ऐसा जनमत प्राप्त किया जैसा आज तक किसी ने भी नहीं प्राप्त किया था। भाजपा ने अपने दम पर 303 सीटें जीतीं तथा अपने सहयोगियों के साथ 353 तक पहुँच गई। पार्टी की इस अभूतपूर्व जीत का मुख्य श्रेय श्री नरेंद्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व को जाता है। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने समाज के राजनीतिक सिद्धांतों तथा लोकतांत्रिक मूल्य संवर्द्धन में महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है।

एक नई शुरूआत

6 अप्रैल, 1980 को भारतीय जनता पार्टी के अस्तित्व में आने के बाद से ही पार्टी के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण देने का कार्य संगठन और उसकी कार्य-प्रणाली का अटूट हिस्सा रहा है। वर्ष 2014 के उपरांत प्रशिक्षण के दायरे का विस्तार हुआ, जिसके कारण देश के कोने-कोने में भाजपा अपनी दृश्यता तथा उपस्थिति में वृद्धि करने में सफल रही है।

भाजपा देश की एकमात्र ऐसी शक्ति है जिसके पास प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की एक विराट मानव पूंजी है जो उस अनुशासित, उद्देश्यपरक तथा परिणामोन्मुख राजनीतिक सक्रियता में विश्वास करने वाले कार्यकर्ता हैं जो भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। 'प्रशिक्षण, एक नए भारत के लिए-पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' पूरे देश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए गए प्रशिक्षण की एक झलक प्रस्तुत करता है। यह 'सचित्र संवाद पुस्तिका' मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों का विवरण प्रदान करती है, जिनका उद्देश्य है पार्टी की विचारधारा के विषय में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देना तथा विचारधारा को पुर्नप्रस्तुत करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों को लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए तैयार करना एवं राष्ट्र-निर्माण में पार्टी की योगदान परक भूमिका सुनिश्चित करना।

वर्ष 2015 से, पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान के आरंभ होने के उपरांत से अब तक इस अभियान के अंतर्गत 12 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों-जैसे महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, युवा मोर्चा, शहरी व ग्रामीण स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदाय, निजी सचिव-निजी सहायक, मीडिया व सोशल मीडिया, कॉपरेटिव प्रकोष्ठ, विभाग और परियोजना से जुड़े कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

'प्रशिक्षण, एक नए भारत के लिए-पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' ऐसा पहला प्रयास है, जिसमें देश भर के लाखों कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम को दस्तावेज में दर्ज किया गया।

यह कार्यक्रम दुनिया भर में राजनीतिक नेतृत्व के प्रशिक्षण का सबसे बड़ा अभियान भी है। देश में लोकतंत्र को सशक्त करने और उसकी जड़ों को मजबूत करने में भाजपा के पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान का भी एक छोटा सा योगदान है। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की यह विशाल सेना देश की राजनीति में परिवर्तन लाने में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

Full Cover.Indd 1 22-11-2019 02:59:01 PM